RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 349
नई दिल्ली, रविवार, 25 अक्टूबर, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

मन के मसले
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

कैसे मनेगी दीवाली, मार रही महंगाई

● आलू, प्याज समेत अन्य सब्जियों और दालों के दाम में लगी आग से बिगड़ा किचन का बजट, ऊंची कीमतों से दो-तीन गुना तक बढ़ा खर्च

वस्तु	अधिकतम मूल्य रुपए प्रति किलो	नगर
प्याज	95	मुंबई
आलू	60	पोर्ट ब्लेयर
टमाटर	80	रायगंज
मूंग दाल	138	मुंबई
तुअर दाल (अरहर)	130	वाराणसी
उर्द दाल	130	तिरुचिरापल्ली
मसूर	48	नासिक
आटा	55	पोर्ट ब्लेयर

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार 24 अक्टूबर की मूल्य सूची

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कई माह से कोविड के संकट से जूझ रहे आम आदमी को दीवाली से ऐन पहले कमरतोड़ महंगाई ने झिझोड़ कर रख दिया है। आलू-प्याज, सब्जियों, दालों और यहां तक कि गेहूं के आटे के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं। इससे लोगों को अपनी रसोई का बजट संभालने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि यह बढ़कर अब दोगुना-तिगुना हो गया है।

कोरोना के कारण पहले ही त्योहरी सीजन फीका था, जरूरी सामान और खाद्य सामग्री के दाम बढ़ने से बड़ा संकट यही कि घर में रहकर भी त्योहार कैसे मनाएं। रसोई का बजट बिगड़ने से आम आदमी का पूरे घर का बजट गड़बड़ हो जाता है। सब्जियों की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही है। प्याज जहां फुटकर बाजार में 80 से 100 रुपये प्रति किलो बिक रही है, किचन का बेहद जरूरी आइटम आलू भी 50 से 60 रुपये किलो पहुंच गया है। इस समय टमाटर 60 से 70 रुपये किलो है, जबकि अरहर, मूंग, मसूर और उड़द सहित अधिकांश दालों की कीमतों में हाल ही में तेज वृद्धि हुई है। लगभग सभी दालें पूरे भारत के अधिकांश शहरों में इस वक्त 100 रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि देष की बड़ी आबादी नौ दिन चलने वाले नवरात्र में प्याज खाने से बचती है।

यानी इस दौरान इसकी खपत एकदम घट जाती है। इसके बावजूद पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के कारण कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई हैं। कृषि मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि आलू की कीमतों में मई के बाद से 62 प्रतिशत तक उछाल आया है, क्योंकि इसके प्रमुख उत्पादक राज्यों में फसल कम हुई है और कोविड-19 महामारी के बीच मांग बढ़ गई है। देश के सबसे बड़े आलू उत्पादक उत्तर प्रदेश के व्यापारियों ने कहा कि अगले साल मार्च तक कीमतें ऊंची ही बनी रह सकती है। एशिया के सबसे बड़े सब्जी और फल बाजार आजादपुर मंडी में थोक विक्रेता राजेंद्र शर्मा के अनुसार प्याज के उत्पादन में कमी के कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक से आपूर्ति घट गई है।

महाराष्ट्र के भंडारों में 28 लाख टन प्याज में से लगभग 10-11 लाख टन ही बची है। भारत में प्याज की सालाना खपत 160 लाख टन है। अकेले महाराष्ट्र में प्रतिदिन लगभग 4,000 से 6,000 टन प्याज की खपत होती है। उन्होंने बताया कि सितंबर में हुई भारी बारिश ने न केवल कर्नाटक में नई फसल को नष्ट कर दिया, बल्कि मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों के भंडारों में पड़ी प्याज को भी खराब कर दिया। बढ़ती महंगाई को देखते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खुदरा विक्रेताओं के लिए दो टन (शेष पेज 9)

आयकर रिटर्न भरने की तारीख 31 दिसंबर तक बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

व्यक्तिगत करदाताओं के लिए वित्त वर्ष 2019-20 का आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समय-सीमा एक महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दी गई है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को इसकी घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि जिन करदाताओं के खाताओं की ऑडिट करने की जरूरत है, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की समय-सीमा दो महीने बढ़ाकर 31 जनवरी 2021 कर दी गई है। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के चलते इससे पहले मई में भी करदाताओं को अनुपालन में राहत देते हुए वित्त वर्ष 2019-20 के आईटीआर भरने की समय-सीमा 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा, जिन करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न भरने की समय-सीमा विस्तार से पहले 31 जुलाई 2020 थी, उनके लिए समय-सीमा 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। इसी तरह जिन करदाताओं (उनके पार्टनरों समेत) के खाताओं की ऑडिट किए जाने की जरूरत है।

सभी कर्जदारों को दो करोड़ तक के लोन पर ब्याज लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्जदारों को बड़ी राहत दी है। उन्हें एक तरह से दिवाली का उपहार तोहफा देते हुए उनके दो करोड़ रुपए तक के कर्ज पर ब्याज-राहत देने की शुक्रवार को देर रात घोषणा की। यह राहत इस सीमा के तहत आने वाले सभी कर्जदारों को मिलेगा, चाहे उन्होंने किस्त भुगतान से छह महीने की मोहलत (मोरेटोरियम) का विकल्प चुना हो या नहीं।

उच्चतम न्यायालय द्वारा ब्याज राहत लागू करने का निर्देश दिए जाने के बाद वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने इस योजना को लागू करने संबंधी दिशानिर्देश जारी किए। इस निर्णय से सरकारी खजाने पर 6,500 करोड़ रुपए का बोझ पड़ने का अनुमान है। शीर्ष अदालत ने 14 अक्टूबर को केंद्र को निर्देश दिया था कि वह कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के मद्देनजर रिजर्व बैंक की किस्तों के भुगतान से छूट की योजना के तहत दो करोड़ रुपए तक के कर्ज पर ब्याज माफ करने के बारे में यथाशीघ्र निर्णय ले। न्यायालय ने कहा था कि आम लोगों की दिवाली अब सरकार के हाथों में है। मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार विनिर्दिष्ट ऋण खातों पर एक मार्च से 31 अगस्त 2020 की अवधि के लिए ब्याज राहत का लाभ दिया जाएगा। इसमें कहा गया, जिन कर्जदारों के ऋण खाते की मंजूर सीमा या कुल बकाया राशि 29 फरवरी तक दो करोड़ रुपए से अधिक नहीं थी, वे इस योजना के लाभ के पात्र होंगे।

दिशानिर्देश की शर्तों के अनुसार, 29 फरवरी तक इन खातों का मानक होना अनिवार्य है। मानक खाता उन खाताओं को कहा जाता है, जिन्हें गैर निष्पादित संपत्ति (एनपीए) नहीं घोषित किया गया हो। इस योजना के तहत आवास ऋण, शिक्षा ऋण, क्रेडिट कार्ड का बकाया, वाहन ऋण, एमएसएमई ऋण, टिकाऊउपभोक्ता उत्पाद ऋण और उपभोग ऋण लेने वाले कर्जदारों को लाभ मिलेगा। योजना के तहत, कर्ज देने वाले संस्थानों को योजना की अवधि के लिए पात्र कर्जदारों के संबंधित खातों में संचई ब्याज व साधारण ब्याज के अंतर की राशि जमा करनी होगी।

राजद का घोषणापत्र जारी

सरकारी नौकरियों पर फोकस तेजस्वी बोले-असली है वादा

पटना में राजद का घोषणापत्र जारी करते तेजस्वी यादव और अन्य नेतागण

पायनियर समाचार सेवा। पटना

राजद ने शनिवार को घोषणापत्र जारी कर दिया है। इसमें 10 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा दोहराते हुए एक ऐसे बेहतर बिहार के निर्माण के लिए लोगो का आह्वान किया जहां लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए राज्य से पलायन करने की जरूरत न पड़े।

घोषणापत्र में रोजगार, कृषि, उद्योग, उच्च शिक्षा, महिला सशक्तीकरण से लेकर स्मार्ट गांव तक पर जोर दिया गया है। पार्टी ने स्वयं सहायता समूह, पंचायती राज, स्वास्थ्य सेवा, खेल नीति समेत कुल 17 मुद्दों को प्राथमिकता दी है। राजद ने सरकार बनने पर किसानों के सभी कर्ज माफ करने की भी ऐलान किया है। इसके अलावा घोषणापत्र में रोजगार और स्वरोजगार में नियोजित शिक्षकों को वेतनमान और सभी संविदा कर्मचारियों को स्थाई करने का वादा किया गया है।

समान काम के बदले समान वेतन और सभी विभागों में निजीकरण खत्म करने को भी प्रमुखता से रखा गया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने राजद के घोषणा पत्र को प्रण हमारा, संकल्प बदलाव का नाम दिया गया है। राष्ट्रीय जनता दल के घोषणापत्र के कवर पेज पर महात्मा गांधी, संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, (शेष पेज 9)

अवकाश सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में आज दिनांक 25 अक्टूबर 2020 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 27 अक्टूबर 2020 को प्रकाशित होगा।

नवम सिद्धिदात्री

सिद्धगन्धर्वयक्षाघैरसुरैरमरैरपि। सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥

नौवीं देवी सिद्धिदात्री की कृपा से शिव ने तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर हुए। यह देवी सर्व सिद्धियां प्रदान करने वाली देवी हैं। उपासक या भक्त पर इनकी कृपा से कठिन से कठिन कार्य भी चुटकी में संभव हो जाते हैं। हिमाचल के नंदापर्वत पर इनका प्रसिद्ध तीर्थ है। अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व आठ सिद्धियां होती हैं। इसलिए इस देवी की सच्चे मन से विधि विधान से उपासना-आराधना करने से यह सभी सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। इस देवी का स्मरण, ध्यान, पूजन हमें इस संसार की असारता का बोध कराते हैं और अमृत पद की ओर ले जाते हैं।

बाजार

सेंसेक्स	40,685	
निफ्टी	11,930	
सोना	51,069	/10g
चांदी	62,933	/kg

क्विक न्यूज

नियंत्रण रेखा पर सेना ने निगरानी ड्रोन मार गिराया

श्रीनगर। सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर चीन में बने एक निगरानी ड्रोन को शनिवार को मार गिराया है। यह ड्रोन भारतीय सीमा पर घुस आया था। अधिकारियों ने बताया कि सतर्क जवानों ने कैमरों से लैस डीजेआई मैविक 2 प्रो ड्रोन को केरन सेक्टर में हवा में मंडराते हुए देखा और बाद में इसे मार गिराया गया।

सच होने लगी आशंका

कोरोना मामलों में भारी उछाल 53 हजार से अधिक नए मामले

● संक्रमितों की संख्या बढ़कर 78 लाख के पार हुई दिल्ली में 34 दिनों में सबसे ज्यादा 4,086 नए केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 53,370 नए मामले सामने इसके बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 78,14,682 हो गई है। इनमें से 70,16,046 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। बीमारी को मात देने की राष्ट्रीय दर 89.78 प्रतिशत हो गई है। कुछ दिन नए कोरोना मरीजों का आंकड़ा 50 हजार से नीचे 46 हजार तक पहुंच गया था, लेकिन विशेषज्ञों ने आशंका जताई थी कि यदि सुरक्षा उपायों पर ध्यान नहीं दिया गया तो ठंड बढ़ते ही कोरोना में उछाल आ सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में 650 और लोगों की मौत हो गई और इस महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा अब 1,17,956 पहुंच गया है। हालांकि कोरोना वायरस के कारण लोगों की मौत की दर और गिरकर 1.51 प्रतिशत रह गई है। इस वक्त देश में 6,80,680 लोग उपचाराधीन हैं, जो कुल मामलों का 8.71 प्रतिशत है। आईसीएमआर के अनुसार, 23 अक्टूबर तक कुल 10,13,82,564 नमूनों की जांच की चुकी है, जिनमें से शुक्रवार को 12,69,479 नमूनों की जांच की गई। भारत में कोविड-19 के मामलों की संख्या सात अगस्त को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख, 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख और 11 अक्टूबर को 70 लाख के पार हो गई थी। जहां तक राजधानी दिल्ली का मामला है तो यहां कुछ दिन ठहरने के बाद कोरोना फिर जोर भर रहा है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 4086 मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही राजधानी में कुल मामले 3,48,404 हो गए हैं। पिछले 35 दिन बाद इतने ज्यादा नए मामले दर्ज हुए हैं। इससे पहले 19 सितंबर को 4071 मरीज मिले थे। राजधानी में शनिवार को 26 मरीजों की मौत भी हुई। यहां मरने वालों की संख्या अब 6189 हो गई है। देश में पिछले 24 घंटे में जिन 650 लोगों की मौत हुई है, उनमें से महाराष्ट्र में 184, पश्चिम बंगाल में 60, छत्तीसगढ़ में 58, कर्नाटक में 51 और उत्तर प्रदेश में 40, तमिलनाडु में 33 और दिल्ली एवं केरल में 26-26 लोगों की मौत हुई है। अब तक सबसे ज्यादा 43,015 मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 10,858, कर्नाटक में 10,821, उत्तर प्रदेश में 6,830, पश्चिम बंगाल में 6,368 और दिल्ली में 6,189 लोगों की जान गई। मंत्रालय के अनुसार देश में करीब 70,16,046 लोग अब तक संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। इनमें से 61 प्रतिशत लोग महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से हैं। पिछले 24 घंटे में 67,549 मरीज स्वस्थ हुए हैं। शनिवार को जो नए मामले सामने आए हैं, उनमें से 80 प्रतिशत मामले 10 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में सामने आए हैं। केरल में सर्वाधिक, 8,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं और इसके बाद महाराष्ट्र में 7,000 से अधिक नए मामलों का पता चला है।

पति की कोरोना से मौत महिला ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

तेलंगाना में पति की कोविड-19 संक्रमण के कारण मौत होने के दो दिन बाद पत्नी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद 58 वर्षीय व्यक्ति को उसके घर में ही क्वॉरंटीन किया गया था और बृहस्पतिवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उस व्यक्ति की 55 वर्षीय पत्नी यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई और अपने घर की छत से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में शनिवार को वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बरकरार रही। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 347 दर्ज किया गया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली सफर ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही लेकिन यह स्थिति कम समय के लिए रहेगी क्योंकि हवा चलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि मुंडका, वजीरपुर और अलीपुर जैसे क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता में 26 अक्टूबर को सुधार होने की उम्मीद है। सफर की ओर से बताया गया, दिल्ली में समग्र एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में है और दिल्ली के कुछ स्थानों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में चला गया लेकिन यह कम समय के लिए रहेगा। मुख्य रूप से ऐसा इसलिए क्योंकि कल से व्याप्त अत्यंत शांत स्थानीय हवाओं की गति 26 अक्टूबर आते-आते बढ़ेगी। सफर की ओर से कहा गया (शेष पेज 9)

नीतीश और नड्डा का दोतरफा हमला

चुनावी रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पायनियर समाचार सेवा। अलौली, तेघड़ा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद सहित विपक्षी महागठबंधन के घोषणापत्र के वादों पर परोक्ष निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि 15 साल के शासन में बिहार में शिक्षा, इलाज, आवागमन का इंतजाम करने की बजाए जंगलराज कायम करने वालों का नौकरी और विकास की बात करना मजाक है।

वहीं नालंदा और लखीसराय रैलियों को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस-राजद-भाकपा माले के गठबंधन को विकास विरोधी करार दिया और कहा कि महागठबंधन का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रीय जनता दल के स्वभाव में ही अराजकता है और इन्होंने पिछली गलतियों के लिए जनता से अभी तक माफी नहीं मांगी है। खगड़िया के अलौली विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने हालांकि लोक जनशक्ति पार्टी या उसके नेता का कोई जिक्र नहीं किया।

लोजपा के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत अलौली विधानसभा से की थी और अलौली सीट से पहली बार चुनाव लड़ा था। रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस ने भी कई बार अलौली विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। गौरतलब है कि लोजपा नेता चिराग पासवान इस बार राजग से अलग होकर चुनाव लड़ रहे हैं और नीतीश कुमार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। खगड़िया के अलौली और बेगुसराय के तेघड़ा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने सवाल किया, हमारी सरकार से पहले जो सत्ता में थे, उन्होंने क्या कोई काम किया। समाज में टकराव और विवाद पैदा करके वोट लेते रहे और काम करने का मौका मिलने पर (शेष पेज 9)

भाजपा के प्रचार प्रभारी फडणवीस भी संक्रमित

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि वह कोरोना वायरस जांच में संक्रमित पाए गए हैं। भाजपा नेता ने अपने ट्विटर अकाउंट पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मैं लॉकडाउन से ही प्रतिदिन काम कर रहा था, लेकिन लगता है कि भगवान अब चाहते हैं कि कुछ समय के लिए रुक जाउं और विश्राम करूं। मैं कोविड-19 से संक्रमित पाया गया हूं और पृथकवास में हूं। चिकित्सकों की सलाह के मुताबिक उपचार ले रहा हूं। पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट में कहा, जो लोग मेरे संपर्क में आए, उनके लिए सलाह है कि अपनी कोविड-19 जांच करा लें। सभी लोग अपना ध्यान रखें।

मुफ्त कोविड टीके का वादा बिल्कुल सहीः सीतारमण

नई दिल्ली। भाजपा के बिहार चुनाव घोषणा-पत्र में मुफ्त कोविड टीके के वादे को लेकर विपक्षी दलों के चौतरफे हमलों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि यह घोषणा बिल्कुल ठीक है और पार्टी इस बात की घोषणा कर सकती है कि वह सत्ता में आने पर क्या करना चाहती है। सीतारमण ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणा पत्र जारी किया था। दस्तावेज में मुख्य रूप से किए गए वादों में भगवा पार्टी के सत्ता में फिर आने पर राज्य के लोगों को मुफ्त में कोविड का टीका लगाया जाना भी शामिल है। इस वादे को लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा की आलोचना की थी और चुनाव आयोग से कार्वाई की मांग करते हुए आरोप लगाया था कि सत्ताधारी दल महामारी का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए कर रहा है। भाजपा की वरिष्ठ नेता सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से (शेष पेज 9)

हिमालय के दुर्लभ हिम तेंदुओं को बचाने की मुहिम

● सरकार ने तीन लैंडस्केप की पहचान की, स्थानीय लोगों से भी लिया जाएगा सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हिम तेंदुओं (स्नो लेपर्ड) के संरक्षण तथा भूक्षरण से जूझ रहे हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए सरकार एक लंबी कवायद शुरू करने जा रही है। हिमालय के इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी रहते हैं। भारत ने इस संबंध में तीन लैंडस्केपो (भूपरिदृश्य) की पहचान की है।

इनमें लद्दाख से लेकर हिमाचल प्रदेश तक हेमिस-स्पीती, उत्तराखंड में नंदा देवी-गंगोत्री तथा सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में खानचेंडोगा-तवांग इलाका शामिल हैं। इंटरनेशनल स्नो लेपर्ड डे 2020 के मौके पर शनिवार को केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा कि सरकार हिम तेंदुओं के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के लिए भूपरिदृश्यों को पुराने स्वरूप में बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार इसके लिए भूपरिदृश्य आधारित प्रबंधन पर अमल कर रही है जिसमें स्थानीय हितधारक भी शामिल हैं। एक वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए सुप्रियो ने कहा 'भारत ने पुनर्बहाली के लिए तीन बड़े भूपरिदृश्यों को चुना है। इसमें लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में हेमिस-स्पीती, उत्तराखंड में नंदा देवी-गंगोत्री तथा सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में खानचेंडोगा-तवांग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि

हमें सफेद बिल्लियों के संरक्षण में सफलता मिली है और 2017 में दुर्लभ की श्रेणी से बाहर आ गई हैं।'

एक अनुमान के मुताबिक 12 देशों-भारत, नेपाल, भूटान, चीन, मंगोलिया, रूस, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान तथा उज्बेकिस्तान में करीब 7000 हिम तेंदुए हैं। सुप्रियो ने जोर देकर कहा कि राज्यों को सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए जिससे कि अगले पांच साल में भारत में हिम तेंदुओं की आबादी बढ़ाई जा सके। सुप्रियो ने कहा केंद्र 2009 में शुरू हुए प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड (पीएसएल) के जरिये हिम तेंदुओं और उनके प्राकृतिक आवासों का संरक्षण कर रहा है। भारत में हिम तेंदुए जिन इलाकों में रहते हैं उसमें पश्चिम हिमालय का बड़ा हिस्सा, जिसमें राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश।

ये लैंडस्केप 47 हजार वर्ग किमी में फैले हैं जिसमें कम से कम पांच राष्ट्रीय अभ्यारण्य हैं। इनमें हिम तेंदुओं से समेत अन्य वन्य जीवों को देखा जा सकता है। हेमिस राष्ट्रीय पार्क पूर्वी लद्दाख में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में स्थित है जबकि ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क हिमाचल प्रदेश के कुल्लू क्षेत्र में है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 25 अक्तूबर 2020

मेनका ने वध के लिए ले जाए जा रहे भेड़-बकरियों को छुड़ाया

पशु अधिकारों की हिमायती पूर्व केंद्रीय मंत्री आधी रात पहुंचीं थाने

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी बीती आधी रात दनकौर कोतवाली में पहुंच गईं। आगरा से दिल्ली वध के लिए ले जाए जा रही 500 भेड़-बकरियों को मुक्त कराया। भेड़ बकरियों को ट्रक में भरकर दिल्ली ले जा रहे तीन आरोपियों को दनकौर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें न्यायालय में हाजिर करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

दनकौर इंस्पेक्टर अनिल कुमार पांडे के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी अरब सिंह ट्रक चालक और सहायक राजू असरौली एटा व दिलशाद निवासी फरह मथुरा हैं। यह तीनों आगरा से ट्रक में 500 भेड़-बकरियों को भूसे की तरह भरकर दिल्ली के कट्टी खाने में ले जा रहे थे। घटना आधी रात के बाद 3 बजे की है। सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश की सांसद और पीपल फॉर एनिमल संस्था की संस्थापक मेनका गांधी यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते अपने संसदीय क्षेत्र से दिल्ली लौट रही थीं। उन्होंने यमुना एक्सप्रेस वे पर रबूपुरा और दनकौर कोतवाली के सीमा पर ट्रक में भरे हुए भेड़ बकरियों को देखा और ट्रक को रोककर नोएडा पुलिस और पीपल फॉर एनिमल संस्था के कार्यकर्ताओं को सूचना दी। पीपल फॉर एनिमल संस्था के गौरव गुप्ता की ओर से इस संबंध में दनकौर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

घटना क्षेत्र रबूपुरा कोतवाली का था लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर दनकौर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया है। भेड़ बकरियों को मुक्त कराकर संजय गांधी एनिमल सेंटर दिल्ली भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क पर पड़ी सोने की चेन मालिक तक पहुंचाई

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना पुलिस ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। शनिवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित एक सीएनजी पंप के पास गश्त कर रही महिला उपनिरीक्षक और उनकी टीम को एक सोने की चेन पड़ी हुई मिली। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद यह चेन, जिनकी खो गई थी, उन्हें सौंप दी।

बिसरख थाना प्रभारी मुनीष चौहान ने बताया कि आने वाले त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस निरंतर सड़क पर गश्त कर रही है। शनिवार को महिला उप निरीक्षक सरिता मलिक, महिला सुरक्षा इकाई टीम के साथ सीएनजी पंप के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस टीम को 1 सोने की चेन सड़क पर लावारिस हालत में मिली थी। पुलिस टीम को कड़ी मशक्कत के बाद पता चला कि यह चेन थाना कविनगर क्षेत्र की गरिमा गार्डन कॉलोनी अवंतिका-2 निवासी प्रमोद कुमार पुत्र कन्हैया लाल की पत्नी प्रीति सिंह की है जो रास्ते में गिर गई थी।

लोगों को सस्ते कर्ज का झांसा देने वाला साइबर ठग धरा गया

- 52 हजार नकद और पांच मोबाइल फोन जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस ने शनिवार को एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया और उसके पास से 52 हजार रुपए नकद, पांच मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि बरामद किए। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क की पुलिस ने शनिवार को एक सूचना के आधार पर मथुरा के अशोक कुमार को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि कुमार ऑनलाइन डाटा खरीदकर, भोले-भाले लोगों को ऋण देने का लालच देता है तथा उनसे मोबाइल फोन से बात करके उनसे अपने खाते में सर्विस चार्ज, फाइल चार्ज आदि के नाम पर पैसे जमा करवा लेता है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को विश्वास दिलाने के लिए यह कागजों पर फर्जी मोहर लगाकर भेज देता। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थान बदलकर लोगों को फोन करता है तथा उन्हें अपने जाल में फंसाकर उनसे पैसे अपने खाते में ले लेता है।

पुलिस ने आरोपी के पास से 52 हजार रुपए नकद, पांच मोबाइल फोन, सात एटीएम कार्ड, एक लैपटॉप, चेक बुक, मोहर तथा एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। इससे पूर्व भी आरोपी विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे में जेल जा चुका है।

इस बीच सेक्टर 78 में रहने वाले एक व्यक्ति के बैंक खाते से अज्ञात साइबर ठगों ने 30,760 धोखाधड़ी करके निकाल लिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर 49 में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराया है। वहीं ऐसी ही एक शिकायत सेक्टर 117 के एक निवासी ने भी दर्ज कराई है। सहायक पुलिस आयुक्त विमल कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

शनिवार को नवरात्र के अंतिम दिन भंडारे में कन्याओं को प्रसाद खिलाते आठवीं बटालियन एनडीआरएफ के जवान।

एनडीआरएफ में भंडारे का आयोजन

गाजियाबाद। कमला नेहरू नगर स्थित आठवीं बटालियन एनडीआरएफ में नवरात्रे के आखिरी दिन सिद्धियात्री माता की बटालियन कमांडेंट पीके तिवारी, पदाधिकारी एवं समस्त जवानों द्वारा पूजा की गई। इस दौरान हवन एवं कन्या पूजन के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया। बटालियन के मीडिया प्रभारी वसंत पावडे ने बताया कि कन्याओं को वस्त्र, धन, सिंगार की वस्तुएं चुन्नी आदि भेंट किए गए। मंदिर में जवानों तथा हाल ही में बटालियन में शामिल हुईं महिला आरक्षियों द्वारा माता रानी भजन भी गाए। इस दौरान जय माता दी के नारों से पूरा कैंपस गूंज उठा। इस अवसर पर बटालियन कमांडेंट पीके तिवारी, डॉ जेके पांडेय, डॉ अमित मुरारी, सीएमओ (एसजी) डिप्टी कमांडेंट आदित्य प्रताप सिंह, कुलीश आनंद समेत तमाम पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी।

नशीले पदार्थों के 4 तस्कर गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर पुलिस ने नशीले पदार्थो की तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक सफारी गाड़ी और पांच सौ साठ ग्राम अल्पाजोलम पाउडर व लगभग सात हजार रूपये नकद बरामद करने का दावा किया है। पुलिस अधीक्षक देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि चारों आरोपियों को सिखेडाकट से गिरफ्तार किया गया है। इनके नाम शीशपाल, रामफल, सत्यपाल और भोला जिला शामली के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि इस गिरोह के सदस्यों के खिलाफ गाजियाबाद ,बुलन्दशहर,शामली और मुजफ्फरनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कपड़े पर कसी फब्ती को लेकर मारपीट, छह लोग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना साहिबाबाद पुलिस ने दिल्ली यूपी सीमा पर स्थित पप्पू कॉलोनी में दो पक्षों में हुई मारपीट और पत्थरबाजी मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल करीब डेढ़ दर्जन अज्ञात लोगों की पुलिस अभी तलाश कर रही है।

एएसपी केशव कुमार ने बताया कि पप्पू कॉलोनी में शुक्रवार देर रात कपड़े पहनने को लेकर हुई हंसी मजाक के बाद दो पक्षों में मारपीट हुई थी तथा एक दूसरे पर पत्थर भी फेंके गए थे। इस मामले को लेकर पुलिस ने सख्त रवैया अपनाते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इस मामले में रोशन पुत्र जनेश्वर सिंह द्वारा मज्जू पुत्र बाबू, पवन पुत्र रामविलास, हुमायूं पुत्र लल्लन बेग, जुबेर पुत्र अख्तियार, दिलशाद उर्फ दिल्लू पुत्र शराफत, आदिल पुत्र शराफत सहित करीब 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

रोशन द्वारा लिखाई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि निक्की पुत्र अनिल चौधरी निवासी श्रीराम चौक पप्पू कॉलोनी तुषार आदि के बीच में कपड़े पहनने के ऊपर हंसी मजाक चल रही थी। थोड़ी देर के बाद रोशन, निक्की, पवन और तुषार में विवाद बढ़ गया और मारपीट होने लगी।

खरीददारों ने खुद निर्माण कराने का किया फैसला

उन्नति अरण्या प्रोजेक्ट : शनिवार को पूजा पाठ कर किया भूमि पूजन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा सेक्टर-119 स्थित अरण्या परियोजना स्थल पर पूजा करते घर खरीददार।

सेक्टर 119 स्थित उन्नति फरचून कंपनी के प्रोजेक्ट अरण्या के खरीददारों ने सालों कोर्ट व अन्य सरकारी कार्यालयों में धक्के खाने के बाद एकजुट होकर अपने आशियाने को स्वंय संवारने का काम शुरू कर दिया है। शनिवार को अरन्या प्रोजेक्ट के टावर वन के खरीददारों ने शनिवार को अष्टमी के दिन पूजा पाठ कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

अरण्या प्रोजेक्ट के बायर्स की कोर कर्मटी के सदस्य एमएम सिन्हा एवं राधाकांत जायसवाल ने बताया कि ऐसे तो इस प्रोजेक्ट में कई टावर हैं लेकिन, कंपनी के मालिक के भागने से पहले कुछ टावरों का ही कार्य पूर्ण हो सका था। जिससे बड़ी संख्या में खरीददारों को उनका घर नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि रेरा, कोर्ट अन्य सरकारी कार्यलयों के सालों चक्कर काटने के बाद टावर वन के बायर्स ने कई महीनों मंथन किया और एक पांच सदस्य कोर कमेटी का गठन किया।

कमेटी ने लगातार मीटिंग कर यह निर्णय लिया किया हम अपने घरों के बचे हुए काम को खुद कराएंगे जिसपर ज्यादातर लोगों ने अपनी सहमति प्रदान कर दी। उसके बाद संबंधित सरकारी अफसरों से संपर्क कर अपना प्रस्ताव उन्हें सौंपा जिसे स्वीकार कर लिया गया।

व्यापार मंडल की प्रेस वार्ता में महिलाओं का हंगामा

गाजियाबाद। जिला प्रशासन द्वारा हिस्ट्रीशीटर घोषित दवा कारोबारी के पक्ष में प्रेस वार्ता करना उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ट्रस्ट को भारी पड़ गया। महिलाओं के भारी विरोध के चलते ट्रस्ट को प्रेस वार्ता का स्थान बदलना पड़ा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि व्यापार मंडल के द्वारा अपराधियों को संरक्षण देने का काम किया जा रहा है। जिस व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में आठ मुकदमें दर्ज हैं तथा प्रशासन द्वारा जिसे जिला बदर घोषित किया गया है, उसे व्यापार मंडल संरक्षण देने का काम बंद करे।

दरअसल, दवा कारोबारी संजय सूरी के पक्ष में व्यापार मंडल के नेता सागर शर्मा द्वारा शनिवार को नवयुग मार्केट में प्रेस वार्ता का कार्यक्रम जारी किया गया था।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

ध्यान दें!

आपका सहयोग

पटाखों की बिक्री तथा उपयोग के लिए
माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश

- परिसरों में पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा निर्धारित एवं अनुमोदित सेफ वाटर एंड एयर स्प्रिंकलर्स (एसडब्ल्यूएएस) के अनुसार कम प्रदूषण वाले पटाखों (उन्नत पटाखे) और कम धुआँ छोड़ने वाले हरित पटाखों के अतिरिक्त किसी भी अन्य प्रकार के पटाखे नहीं बेचे जायेंगे।
- प्रतिबंधित/अस्वीकृत पटाखों की श्रेणियां
  - जुड़े हुए पटाखे (सीरीज पटाखे या लड़ियां)
  - बेरियम साल्ट्स/लिथियम/आर्सेनिक/एंटीमॉनी/सीसा/पारा से युक्त पटाखे
  - माननीय उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त आदेश के अनुसार प्रतिबंधित पूर्व में निर्मित पटाखे
  - विदेश में निर्मित पटाखे रखना और बिक्री करना।
  - इस तरह के पटाखे को रखने और उसे बिक्री करने के बारे में निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करें।
- केवल वैसे पटाखों को बेचने की अनुमति है जिसकी डेसीबल (ध्वनि) स्वीकृत सीमा (फटने के स्थान से 4 मीटर पर 125 डेसीबल (एआई) या 145 डेसीबल (सी) पीके) के अंदर हो।
- साइलेंस जोन में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं : अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालयों, धार्मिक स्थलों से न्यूनतम 100 मीटर का दायरा साइलेंस जोन में शामिल है या कोई अन्य क्षेत्र जिसे सक्षम प्राधिकरण ने साइलेंस जोन घोषित किया है।
- माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पटाखे चलाने का समय :

रात 08 :00 बजे से 10 :00 बजे तक	दिवाली के दिन
प्रात: 04 :00 बजे से 05 :00 बजे तक रात 09 :00 बजे से 10 :00 बजे तक	गुरपुरब के दिन
रात 11 :55 बजे से 12 :30 बजे तक	क्रिसमस एवं नव वर्ष की पूर्व संध्या

- सामूहिक रूप से पटाखे यथासम्भव पूर्व-चिन्हित क्षेत्रों/स्थानों पर चलाये जा सकते हैं।

सभी संबंधित व्यक्ति इसका ध्यान रखें और पालन करें

सामूहिक रूप से पटाखे चलाते समय COVID-19 प्रबंधन के लिए निम्नलिखित राष्ट्रीय निर्देशों का पालन किया जाएगा :

1. सार्वजनिक स्थान पर मुँह ढकना अनिवार्य होगा।
2. सार्वजनिक स्थान पर प्रत्येक व्यक्ति न्यूनतम छह फीट की दूरी बना कर रखेगा।
3. सार्वजनिक स्थान पर थूकना दंडनीय होगा।

DP/9257/2020

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर कॉल करें
पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें – 1090

20 लाख के माल समेत फर्जी ड्राइवर गिरफ्तार

गाजियाबाद। मुरादनगर पुलिस ने एक ऐसे मामले का खुलासा किया है जिसमें एक शख्स ने अपना नाम बदलकर न केवल ड्राइवर की नौकरी हासिल कर ली बल्कि 20 लाख के माल से लदा कंटेनकर भी लेकर गायब हो गया। पुलिस ने इस शख्स को माल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक देहात नीरज जादौन ने बताया कि मेरठ रोड के पटेल नगर स्थित रॉयल सर्विस लॉजिस्टिक के प्रोपराइटर संजीव कुमार ने मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पेरीफेरल के पुल के नीचे से उनका कंटेनर गायब है।

मधुबन-बापूधाम योजना : नाइट फूड बाजार खोले जाने की घोषणा ने बढ़ाया आवंटियों का उत्साह

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मधुबन-बापूधाम योजना में जीडीए द्वारा आरडीसी की तर्ज पर फ्री व्हीकल जोन नाइट फूड बाजार खोले जाने की घोंषणा के साथ ही इस योजना में भूखण्ड खरीददारों की संख्या तेजी के साथ बढ़ने लगी है। जीडीए द्वारा लोहियानगर स्थित हिन्दी भवन में हाल ही में निकाले गये लॉटरी ड्रा में बड़े पैमाने पर लोगों ने विभिन्न वर्ग मीटर साइज में आरक्षित भूखण्ड खरीदे हैं।

कोरोना काल में इस योजना में खरीददारों की धारकुन्द हो गयी थी, लेकिन एकाएक खरीददारों की संख्या अब यहां बढ़ने लगी है। 150 मीटर वर्ग में 105 भूखण्ड, 120 वर्ग मीटर में 14 भूखण्ड , 112 वर्ग मीटर में 12 भूखण्ड , 60 वर्ग मीटर में 122 भूखण्ड तथा 40 वर्ग मीटर में 193 भूखण्ड लोगों को आवंटित किये गये है। बता दें कि पिछले दिनों आरडीसी राजनगर में आयोजित फ्री व्हीकल जोन नाइट फूड बाजार के उद्घाटन समारोह में जीडीए उपाध्यक्ष कंचन वर्मा ने आरडीसी की तर्ज पर ही फूड बाजार खोले जाने की घोषणा की थी। मधुबन बापूधाम योजना जीडीए की बड़ी व्यवसायिक व गैर व्यवसायिक योजनाओ में है। इस योजना में आवंटियों को लुभाने के लिए जीडीए नई-नई योजनायें ला रहा है।

जीडीए सचिव संतोष कुमार राय ने बताया कि हाल ही में जीडीए द्वारा आरक्षित श्रेणी में भूखंडों के आवंटन के लिए लॉटरी सिस्टम अपनाया गया था। लॉटरी सिस्टम में पारदर्शिता बनी रहे इसके लिए एक समिति की देखरेख में लॉटरी पर्ची से आवंटियों के नाम निकाले गए।

प्रदूषण नियम तोड़ने वाली कंपनियों पर जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

औद्योगिक क्षेत्र नोएडा में खुले में निर्माण सामग्री रखने और वायु प्रदूषण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए एक लाख 32 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियम तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ शुक्रवार को 2,42,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

प्राधिकरण सीईओ रितु माहेश्वरी ने बताया कि वायु गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पानी टैंकरों से नोएडा में 113.80 किलोमीटर सड़क पर पानी का छिड़काव कराया गया। उन्होंने बताया कि नोएडा के विभिन्न स्थानों से 280 टन मलबे को हटाया गया।

उन्होंने बताया कि लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा 67 मार्गों पर 248 किलोमीटर सड़क में मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से सड़कों की सफाई कराई गई। इसके अतिरिक्त 60 किलोमीटर सड़कों की रात्रि में धुलाई कराई गई। उप-जिलाधिकारी (जेवर) राजीव राय ने बताया कि ओवरलोड सात ट्रकों को जब्त किया गया है। हालांकि उन ट्रकों के चालक भाग गए। उन्होंने बताया कि जेवर एक्सप्रेस-वे के पास कुछ ट्रक बालू लेकर जा रहे थे। सभी ट्रक ओवरलोड थे। इस बीच क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि शनिवार दोपहर को जनपद गौतमबुद्धनगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 348 दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में एक्यूआई 370, गाजियाबाद में 326 तथा इंदिरापुरम में एक्यूआई 336 दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में एक्यूआई 342 रहा जबकि बल्लभगढ़ में 338, बागपत में 329, बहादुरगढ़ में 322, गुरूग्राम में 320 एक्यूआई दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि वायु प्रदूषण को रोकने के लिए प्रदूषण विभाग, जिला प्रशासन तथा नोएडा प्राधिकरण लगातार काम कर रहा है।

गाजियाबाद के सभी जोनों में चला धूल मुक्त अभियान

गाजियाबाद। नवरात्र के अंतिम दिन को कुछ खास बनाने के लिए नगर निगम और शहर की आरडब्ल्यू ने मिलकर एक साथ पांचों जोन में धूल मुक्त अभियान चलाया। अभियान की अगुवाई मेयर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने संयुक्त रूप से किया।

इस दौरान आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने नगर निगम टीम का सहयोग करते हुए सड़कों से धूल इकट्ठा कर थैलों में भरवाई। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि आज चलाये गए अभियान के दौरान सभी पांचो जोनों से कुल 3007 धूल के थैले भरे गए।

एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के बाद अब बनेगा थीम पार्क

यमुना सिटी में 100 एकड़ में होगा विकसित होगा, बच्चों व बुजुर्गों दोनों की जरूरतों का रखा जाएगा ध्यान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना सिटी में 100 एकड़ से अधिक में थीम पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में सी पार्क और वाटर पार्क रहेगा। साथ ही बच्चों के लिए कार्टून पार्क भी विकसित किया जाएगा ताकि लोग यहां परिवार के साथ आकर समय बिता सकें। यमुना सिटी के निवासियों के साथ बाहर से आने-जाने वाले लोगों को भी इसका फायदा मिलेगा। यमुना प्राधिकरण इसके लिए जल्द ही कई एजेंसियों के साथ बैठक करेगा ताकि इस परियोजना पर काम शुरू किया जा सके।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में एयरपोर्ट और फिल्म सिटी बनने जा रही है। इससे यहां आने जाने वालों की भीड़ रहेगी। साथ ही ग्रेटर नोएडा में कोई ऐसी बड़ी जगह नहीं है जहां पर लोग परिवार के साथ आकर अवकाश के दिन अपना समय व्यतीत कर सकें। इसको ध्यान में रखते हुए यमुना प्राधिकरण थीम पार्क बनाने के लिए योजना बनाई है।

यमुना प्राधिकरण 100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में थीम पार्क बनाएगा। इस पार्क में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा। देश-दुनिया के बेहतरीन थीम पार्कों का अध्ययन कराने के बाद इस पर आगे बढ़ा जाएगा। थीम पार्क के लिए यमुना प्राधिकरण अगले हफ्ते कई कंपनियों के साथ बैठक करेगा।

ये कंपनियां थीम पार्क बनाती हैं इनके साथ बैठक के बाद आगे की कार्रवाई करेगा। यमुना प्राधिकरण इसके लिए आरएफ पी रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल निकालेगा। इससे तय होने वाली सलाहकार एजेंसी से डीपीआर बनवाई जाएगी ताकि परियोजना को मूर्त रूप दिया जा सके।

ये होगी पार्क की खासियत

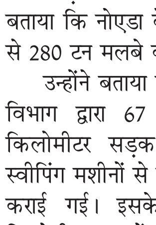

थीम पार्क में वाटर पार्क भी बनाया जाएगा ताकि लोग गर्मियों में इसका लुत्फ उठा सकें। लोग गर्मियों में वाटर पार्क में जाना पसंद करते हैं। वाटर पार्क अत्याधुनिक होगा। यीडा सिटी में बनने वाले थीम पार्क में सी पार्क भी रहेगा। इसमें पानी के अंदर खेलकूद के इंतजाम किए जाते हैं। रेस्टोरेंट आदि भी होते हैं। बच्चों के लिए कार्टून पार्क भी बनाया जाएगा। इसमें बच्चों की पसंद के कार्टून होंगे।

-डॉ अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

इंतजार हुआ खत्म, सीलमपुर-शास्त्री पार्क फ्लाईओवर शुरू

गाजियाबाद से कश्मीरी गेट आईएसबीटी 10 मिनट में

● मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जनता के लिए खोलने के बाद कहा, किसी भी पिछली सरकार या मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली की सुध नहीं ली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लंबा इंतजार खत्म हुआ और, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को उत्तरपूर्व दिल्ली में बना सीलमपुर-शास्त्री पार्क फ्लाईओवरों को जनता के लिए खोल दिया। दोनों फ्लाईओवरों के निर्माण पर अनुमानित 303 करोड़ रुपये के बजाय 250 करोड़ रुपये की लागत आई है।

फ्लाईओवरों के खुलने से भीड़भाड़ वाले इन इलाकों में लोगों को जहां जाम से राहत मिलेगी वहीं समय की भी बचत होगी। अधिकारियों के अनुसार, सीलमपुर शास्त्री पार्क फ्लाईओवर उत्तरपूर्व दिल्ली स्थित वेलकम और कश्मीरी गेट के बीच सिगनल फ्री राइड की सुविधा मुहैया कराएंगे। उत्तर पूर्व दिल्ली, पूर्वी दिल्ली के अलावा खासकर गाजियाबाद से आईएसबीटी और मध्य दिल्ली जाने वाले वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी। केजरीवाल ने बताया कि अब अंतरराज्यीय बस अड्डे (आईएसबीटी) और उत्तर प्रदेश सीमा के बीच की दूरी दस मिनट में तय की जा सकेगी। इतना ही नहीं पूर्वी दिल्ली में शाहदरा से कश्मीरी गेट आईएसबीटी पहुंचने में कम से कम 10 मिनट का समय बचेगा और डेढ़ लाख वाहन चालकों का सफर आसान हो जाएगा। सीलमपुर -शास्त्री पार्क फ्लाईओवरों का निर्माण कार्य फरवरी 2019 में शुरू हुआ था और इसे मार्च 2020 में पूरा करने का लक्ष्य था। परियोजना में देर की वजह प्रदूषण के चलते राजधानी में निर्माण गतिविधियों पर लगी रोक, गत फरवरी में इन इलाकों में भड़के दंगे और बाद में लॉकडाउन बना।

● दोनों फ्लाईओवरों से इलाके के लोगों का होगा भारी फायदा, आप सरकार ने परियोजना में बचाए 53 करोड़ रुपये

फ्लाईओवरों को जनता के लिए खोलने के बाद केजरीवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार हर परियोजना में पैसे बचाकर लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित कर रही है। उनकी सरकार ने मंजूर किए गए 303 करोड़ रुपये के विपरीत महज 250 करोड़ रुपये में ही दो फ्लाईओवर बनाकर इस परियोजना पर 53 करोड़ रुपये बचा लिए। उन्होंने दावा किया कि जब देश के किसी भी हिस्से में अस्पताल बनाया जाता है तो प्रति बिस्तर 1.5 करोड़ रुपये का खर्च आता है लेकिन आप सरकार हर परियोजना पर पैसे बचा ले रही है।

दिल्ली में महज 30 लाख रुपये प्रति बेड के व्यय से सभी सुविधाओं से लैस एक वातानुकूलित अस्पताल तैयार करा लिया गया। जब से आप सत्ता में आई है तब से सरकार हर परियोजना में पैसे बचा रही है। इसी बचे हुए पैसे से उनकी सरकार ने दवाइयां, पानी और बिजली मुफ्त कर दी और अच्छे विद्यालय भी बनवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली वालों को बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराने के दावा करते हुए आरोप लगाया कि किसी भी पिछली सरकार या पूर्व मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली के लोगों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया दिया।

उनके साथ सौतेला बर्ताव किया गया। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद जैन ने बताया कि फ्लाईओवरों के नीचे बच्चों के लिए पार्क बनाए जाएंगे। सरकार ने पिछले साल खुद सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों की रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान किया था, लेकिन इस बार आर्थिक तंगी को कारण बताकर ऐसा नहीं किया जा रहा है।

'मुफ्त कोरोना वैक्सीन पर सभी का हक'

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 का टीका देश भर में मुफ्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए क्योंकि सभी लोग कोरोना वायरस से परेशान हैं। हालांकि,अभी कोविड-19 का टीका नहीं आया है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने संकल्पपत्र में राज्य के सभी लोगों को यह टीका नि:शुल्क उपलब्ध कराने का वादा किया है। उसके बाद यह बहस छिड़ गई है कि कोविड-19 का टीका लोगों को मुफ्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए, या नहीं। केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, पूरे देश को कोविड-19 टीका मुफ्त में मिलना चाहिए। कोरोना वायरस से सभी लोग परेशान हैं। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि कोरोना वायरस का टीका आ जाने के बाद विशेष कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के तहत टीके लगाए जाएंगे और उसके लिए केंद्र उसे सीधे खरीदेगा और उसे प्राथमिकता वाले समूहों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

मेट्रो की जमीन को ही गिरवी रख ठगे करोड़ों, चार गिरफ्तार

● अपराध शाखा ने किया खुलासा

मामले में पकड़े गए मुख्य आरोपी।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने जाली दस्तावेजों के जरिए एक ही संपत्ति को कई बैंकों में गिरवी रखकर 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि ऐसे एक मामले में आरोपी ने एक संपत्ति से धोखाधड़ी से कर्ज लिया, जिसे दिल्ली मेट्रो रेल निगम पहले ही अधिग्रहण कर चुकी थी। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) ने 2016 के बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी की थी, जिसके बाद अश्विनी अरोड़ा और विजय अरोड़ा तथा उनकी पत्नियों को दिल्ली और गाजियाबाद से अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। वे चार साल से फरार थे। पुलिस ने बताया कि पश्चिम दिल्ली के नारायणा इलाके में स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक के जोनल प्रबंधक से 2016 में एक शिकायत मिली जिसके बाद यह मामला प्रकाश में आया।

शिकायत में बैंक ने आरोप लगाया कि एमाएस रिया एंटरप्राइज ने ओडीपी (ओवरड्राफ्ट एंगेस्ट प्रोपर्टी) सीमा 70 लाख रुपए तक की हासिल की। यह सीमा शाहदरा में जीटी रोड पर एक संपत्ति को गिरवी रखने के आधार पर दी गई जो अश्विनी कुमार के नाम पर थी। वह कर्ज में गारंटर थे। ए ओडीपी सीमा करोल बाग स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक ने दी थी। पुलिस ने बताया कि इसी तरह से 2011 से आरोपी अपनी कंपनियों के जरिए संपत्तियों को गिरवी रखकर कई लाख रुपए की ओडीपी राशि प्राप्त कर चुके थे। बैंक ने आरोप लगाया था कि ए संपत्तियां अन्य बैंकों में भी गिरवी रखी गई हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर एक मामला दर्ज किया गया और छानबीन शुरू की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त (ईओडब्ल्यू) डॉ ओपी मिश्रा ने बताया की तफ्तीश में पता चला कि आरोपियों ने संपत्ति के कागजात की जाली श्रृंखला तैयार कराई थी जिसके आधार पर वे रजिस्ट्रार कार्यालय में धोखे से संपत्ति का पंजीकरण या तो अपने नाम पर या किसी अन्य के नाम पर कराने में कामयाब रहे।

फिलहाल नहीं खुलेंगे राजधानी के स्कूल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में विद्यालयों को फिलहाल खोले जाने की संभावना से शनिवार को इनकार किया। केजरीवाल ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, फिलहाल विद्यालय नहीं खुल रहे हैं। सरकार ने पहले घोषणा की थी कि विद्यालय कोविड-19 महामारी के मद्देनजर 31 अक्टूबर तक बंद रहेंगे।

देश में विश्वविद्यालय एवं विद्यालय 16 मार्च से बंद हैं जब केंद्र ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के उपाय के तहत देशभर में कक्षाओं को बंद करने की घोषणा की थी। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन 25 मार्च को लगाया गया था। लॉकडाउन में चरणबद्ध तरीके से ढील देने के बाद अनलॉक के विभिन्न चरणों में कई पाबंदियों में ढील दी गई , लेकिन शैक्षणिक संस्थान अब भी बंद हैं। हालांकि अनलॉक दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य चरणबद्ध तरीके से विद्यालयों को खोलने का फैसला कर सकते हैं। पहले विद्यालयों को 21 सितंबर से स्वैच्छिक आधार पर नौवीं से बारहवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों को बुलाने की अनुमति दी गई थी लेकिन दिल्ली सरकार ने उसके विरूद्ध निर्णय लिया। इस साल सीबीएसई परीक्षा के शुल्क का भुगतान नहीं करने के आप सरकार के निर्णय की चर्चा करते हुए केजरीवाल ने इसके लिए महामारी के चलते कोषाभाव का हवाला दिया।

डीयू में 85% सीट फुल, तीसरी कट ऑफ लिस्ट जारी

● 26 से 28 अक्टूबर के बीच होगे तीसरे चरण के दाखिले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में अंडरग्रेजुएट विषयों की सीटे लगभग 85 प्रतिशत भर चुकी है। शेष बची 15 प्रतिशत सीटों के लिए तीसरी कटऑफ लिस्ट विश्वविद्यालय ने जारी कर दी है।

इन सीटों के लिए दाखिले 26 अक्टूबर से शुरू होकर और 28 अक्टूबर तक चलेगा। इस बार ऑनलाइन दाखिलों के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय में भारी राज्यों की छात्रों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया है। यह कारण है कि मेरिट लिस्ट में मामूली गिरावट के साथ 85 प्रतिशत सीटे भर चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हिंदू, आर्यभट्ट, रामजस, मिरांडा, किरोड़ीमल, दौलतराम जैसे कॉलेज में भी कुछ सीटे बाकी है।

दाखिले सोमवार से बुधवार तक होंगे। अगर इसके बाद भी सीटे बचती है तो डीयू चौथी और पांचवीं लिस्ट में जारी होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अंडर ग्रेजुएट कोर्सेस में कुल 72 हजार सीटें हैं, पहली कट ऑफ लिस्ट के बाद ही यूनिवर्सिटी में 35,500 सीटें भर गई थीं, वहीं 22,147 सीटें दूसरी कट ऑफ लिस्ट के तहत भर गई थीं। बता दें, जिन छात्रों ने डीयू की पहली-दूसरी कटऑफ के दौरान पहले ही एडमिशन ले लिया है, वे प्रवेश के तीसरे चरण में अपने कोर्सेज या कॉलेजों को बदल सकते हैं।

साथ ही, जिन छात्रों ने अभी तक दाखिला नहीं लिया है वह तीसरी कटऑफ लिस्ट में दाखिला ले सकते है। पहली कट-ऑफ लिस्ट आने के बाद एडमिशन 12 अक्टूबर से शुरू हुए थे। दूसरी कट-ऑफ लिस्ट 17 अक्टूबर को जारी की गई थी। इस बार पांच कटऑफ लिस्ट और एक स्पेशल लिस्ट जारी कर रही है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के 64 कॉलेजों के लिए ये कट-ऑफ जारी की जाती हैं।

डेंगू के खिलाफ अभियान में मिला गायक शंकर महादेवन का साथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट डेंगू विरोधी अभियान के आठवे सप्ताह प्रख्यात गायक शंकर महादेवन जैसी मशहूर हस्तियों का समर्थन मिला है।

यह प्रख्यात हस्तियां दिल्ली के निवासियों को डेंगू की रोकथाम से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी जैसे- लोगों को मच्छरों के प्रजनन रोकने के लिए अपने घर और आसपास जमा पानी का निरीक्षण करके उसे साफ करने, उस जमा पानी को बदलने या तेल-पेट्रोल डालने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। पिछले साल दिग्गज क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और अन्य प्रमुख हस्तियों के सहयोग और समर्थन से दिल्ली सरकार के '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान को एक बड़ी सफलता मिली थी।

इस बार भी मशहूर हस्तियां और सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले लोग इस अभियान के तहत मच्छरों के पनपने से रोकने के लिए अपने विचार रिकॉर्ड करके और विभिन्न माध्यमों के जरिए लोगों से साझा करके अभियान से जुड़ेगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी कहा था कि सभी दिल्ली वासियों के सामूहिक प्रयासों से हमें डेंगू के मच्छरों के प्रजनन को रोकना होगा और डेंगू से पूरी दिल्ली की रक्षा करनी होगी।

संक्षिप्त समाचार

अभिप्सा और शिल्पा सर्वश्रेष्ठ डिबेट वक्ता

शिल्पा

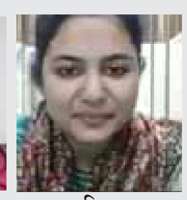

अभिप्सा

नई दिल्ली। हंसराज महाविद्यालय की हिन्दी व अंग्रेजी वाद विवाद समिति क्रमश: 'प्रस्ताव' व 'हंसराज डिबेटिंग सोसाइटी' के साझा प्रयास तथा समिति के परामर्शदाता प्रभांशु ओझा के नेतृत्व में शनिवार को द्विभाषीय राष्ट्रीय स्तर पारंपरिक वाद विवाद प्रतियोगिता का ऑनलाइन माध्यम से आयोजन किया। नेहा फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम का विषय 'इस सदन का मत है कि अपरीक्षित (अनसेंसर्ड) वेब मीडिया औरतों के खिलाफ अपराध को बढ़ावा देता है' था। कार्यक्रम में महाविद्यालय कि प्राचार्या डॉ रमा शर्मा ने भी शिरकत की। मुख्य अतिथि के तौर पर नेहा शालिनी दुआ, अध्यक्ष नेहा फाउंडेशन व इल्मा अफरोज आईपीएस अधिकारी, हिमाचल प्रदेश व पंकज हंस शामिल हुए। कार्यक्रम मे देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 32 टीम्स ने प्रतिभाग किया। सार्थक चर्चा के पश्चात परिणामो की घोषणा की गयी जिसमें सर्वश्रेष्ठ दल अनन्या रथ व धैर्य नागपाल, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सर्वश्रेष्ठ वक्ता अभिप्सा (अंग्रेजी) व शिल्पा स्नेहा (हिन्दी) तथा सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता तान्य तारक (अंग्रेजी) व शुभम (हिन्दी) को प्राप्त हुआ।

नोएडा में कोरोना के 156 नए मामले

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 156 नए मामले सामने आए वहीं 148 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जिले में कोरोना वायरस की वजह से अब तक 66 लोगों की मौत हुई है। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार को सुबह तक कोविड-19 के 156 नए मरीज मिले। इस दौरान 148 मरीज ठीक भी हुए। उन्होंने बताया कि अब तक 15,609 लोग ठीक होकर अस्पतालों से छुट्टी पा चुके हैं। उन्होंने बताया कि।,092 लोग यहां के विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक 16,799 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए जा चुके है।

चलती बाइक में आग लगने से अफरातफरी

गाजियाबाद। महानगर कोतवाली इलाके को विजय नगर से जोड़ने वाले अन्डरपास से गुजर रही एक बाइक में अचानक आग लग गई। इस घटना के दौरान अंडरपास से गुजरने वाले आसपास के लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। इस दौरान बाइक सवार युवक ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। पीड़ित बाइक सवार का नाम दिलीप कुमार है। घटना के पास स्थित पुलिस चौकी के जवानों ने फायर ब्रिंगेड को फोन पर सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मी ने आग पर काबू पाया। अन्डरपास से ही गुजर बिजली के तारों में भी चिंगारी जा सकती थी। गनीमत रही कि समय पर पहुंचकर दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

नशीला पदार्थ सुंघाकर लूटा ई-रिक्शा

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र स्थित रजापुर में रहने वाले एक व्यक्ति से बदमाशों ने नशीला पदार्थ सुंघाकर ई-रिक्शा लूट लिया। गंभीर हालत में युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कविनगर थाना क्षेत्र के रजापुर में भरतपाल परिवार के साथ रहता है। वह मूलरूप से शाहजहांपुर का रहने वाला है। भरतपाल ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है। बताया जाता है कि प्रतिदिन की भांति शुक्रवार की सुबह भी वह ई-रिक्शा लेकर गया था। इस संबंध में भरतपाल की पत्नी लक्ष्मी सिंह ने बताया कि उसके पति हर एक दो घंटे में फोन करते रहते थे। लेकिन शुक्रवार को काफी देर तक उनका फोन नही आया तो उसने फोन मिलाया, लेकिन फोन नहीं उठा।

विदेश जाने वाले यात्रियों की आईजीआई एयरपोर्ट पर होगी कोविड-19 की जांच

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए रवाना होने से ठीक पहले भी यात्री अपनी कोविड-19 की जांच करा सकते हैं।

हवाईअड्डे पर प्रयोगशाला का संचालन करने वाले जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली हवाई अड्डे पर 12 सितंबर से संचालन शुरू करने वाली प्रयोगशाला में अब तक केवल यहां पहुंचने वाले यात्रियों के नमूनों की ही जांच होती थी। जेनेस्ट्रिंग्स की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कोविड-19 जांच सुविधा को अब भारत से अन्य देशों को जाने वाले हवाई यात्रियों के लिए विस्तारित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों के मुताबिक एक देश से दूसरे देश को जाने वाले यात्रियों को कोविड-19 की नेगेटिव रिपोर्ट पेश करने की आवश्यकता होती है।

इसके मुताबिक, प्रयोगशाला में आरटी-पीसीआर परीक्षण होता है और इसकी रिपोर्ट चार-छह घंटे के भीतर मिल जाती है।

महंगाई पर कांग्रेस का प्रदर्शन

● मुनाफाखोरी से बढ़े दाम : चौ. अनिल कुमार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के नेतृत्व में भारी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती मंहगाई विशेषकर रोजमर्रा की वस्तुओं, प्याज और सब्जियों के दामों में बढ़ौत्तरी के खिलाफ जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। कुमार ने कहा कि त्यौहारों के सीजन में जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों के साथ सांठगांठ के कारण मंहगाई आसमान छू रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अपने कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा उन्ही के पैसे को अग्रिम राशि के रुप में देकर 10,000 रुपये प्रति कर्मचारी देकर अपनी पीठ थपथपा रही है जबकि मंहगाई के कारण आर्थिक संकट झेल रहे दिल्लीवासियों की कमर टूट गई है। लगभग 72 लाख राशन कार्ड धारी परिवारों को आर्थिक सहायता दिल्ली सरकार द्वारा दी जानी चाहिए ताकि यह लोग भी त्यौहारों के समय अपने परिवार में खुशिया मना सकें।

जंतर मंतर पर प्रदर्शन करते दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल व अन्य।

मिट्टी के मोल भी नहीं बिके रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

दशहरे में महज एक दिन रह गया है और पुतलों के विक्रेता खाली फुटपाथ को ग्राहकों की बाट जोह रहे है। इस त्योहार के मौसम में बहुत कम काम मिलने की निराशा उसके चेहरे पर साफ झलक रही है। पास से गुजर रही कारों पर बिना नजर डाले, बड़ी सफाई से बांस को आकार दे रहे करण ने बीते समय की चर्चा छेड़ते हुए कहा, यहां से एक किलोमीटर तक इतने पुतले होते थे कि आपको पैर रखने की भी जगह नहीं मिलती।

रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले बनाने वाले सैकड़ों कलाकार इस दौरान पूरे वर्ष की कमाई कर लेते थे। लेकिन इस साल कोरोना महामारी के चलते लोग बाहर निकलने से बच रहे हैं जिस कारण त्यौहारी मौसम का रंग उड़ा गया है।

पश्चिमी दिल्ली में टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के समीप नजफगढ़ रोड के पास का यह इलाका साल के इस समय में पुतले बनाने लोगों द्वारा बांस के पुतलों को अंतिम शक्ल देने और खरीददारों की भीड़ से भर रहता था।

लेकिन इस बार इस इलाके में केवल तीन या चार पुतला निर्माता पुतलों पर काम करते नजर आ रहे हैं। रंग-बिरंगे बांस और कागज के पुतले शहर भर में रामलीला आयोजकों को।,000 रुपए से लेकर 30,000 रुपए तक के दामों में बेचे जाते हैं।

हालांकि ज्यादातर आयोजकों ने ज्यादा भीड़ नहीं जुटने की आशंका और सख्त सरकारी नियमों के कारण इस साल दशहरा नहीं मनाने का फैसला किया। इस बार महामारी से व्यवसाय प्रभावित हुआ है लेकिन पिछले कई वर्षों में सरकार द्वारा जारी सख्त नियमों ने भी इसे काफी क्षति पहुंचाई है। साल के अन्य महीनों में इलेक्ट्रीशियन का काम करने वाले 52 वर्षीय करण ने कहा, पिछले दो-तीन वर्षों में उन्होंने हमारे काम को पूरी तरह से मार डाला है। पहले उन्होंने हमें पुतले बनाने और बेचने के लिए जगह देने से मना कर दिया और फिर उन्होंने पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया और अब यह बीमारी आ गई। उन्होंने कहा, बाजार बुरी तरह प्रभावित हो चुका है।

हमें पिछले दो-तीन साल पहले की तुलना में केवल 10 प्रतिशत कारोबार मिला है। इस वर्ष मैंने केवल 10 बड़े और 10 छोटे रावण के पुतले बनाए हैं। पेंटर ने गर्व से कहा कि कुछ साल पहले तक उन्हें अयोध्या से रावण बनाने के आर्डर मिल जाते थे। उन्होंने कहा, वे अलग दिन थे जब हम केवल दशहरे की कमाई पर वर्ष भर काट लेते थे। अब मैं एक महीने भी खाली नहीं बैठ सकता।

फांसी के फंदे से लटका मिला लापता युवक

नई दिल्ली। दक्षिणपूर्व दिल्ली के बदरपुर इलाके में लापता होने के करीब एक महीने बाद 23 वर्षीय एक व्यक्ति एक बैंक के भवन की छत पर, कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मृतक का शव सड़ी-गली हालत में पाया गया।

पुलिस के अनुसार, साहिल कुमार नामक यह व्यक्ति जयपुर में कपड़े की एक दुकान में काम करता था और बदरपुर में उसी जगह के आसपास अपने माता-पिता के साथ रहता था जहां से उसका शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, कुमार 29 सितंबर से लापता था और काफी प्रयासों के बावजूद उसका पता नहीं लगाया जा सका था।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार 25 अक्टूबर, 2020

यहां रो रहे हैं किसान, वहां सो रही है सरकार

किसानों की सरकार ने बाजरे की फसल तो खरीदी पर पेमेंट नहीं दी

त्योहार के चलते परेशान हैं किसान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रो रहे हैं किसान, सो रही है सरकार। यह बात इसलिए कही जा रही है कि यहां उन किसानों का हालत खराब हो रही है, जिन्होंने सरकार को अपनी बाजरे की फसल तो बेच दी, लेकिन सरकार की ओर से उनके खातों में पेमेंट ट्रांसफर नहीं की गई है। ऐसे में किसानों को त्योहार फीके होने के साथ अब गेहूं की फसल की बिजाई की चिंता सता रही है।

सोहना क्षेत्र में किसानों ने भावुकता के साथ कहा कि किसान तो हमेशा पिसता ही है। चाहे उसे सरकार पीसे या फिर कोई कंपनी। किसान महेश शर्मा, रतिराम यादव, नरू यादव, सूरज यादव ने कहा कि उनकी बाजरे की फसल 13 अक्टूबर को यहां सोहना मंडी में बिकी थी। उन्हें उम्मीद थी कि एक-दो दिन में उनकी फसल के पैसे उनके खाते में आ जाएंगे। नवरात्र, दशहरा, दीवाली के त्योहार हैं। घर के खर्च में कोई परेशानी नहीं होगी। लेकिन शायद उनका यह सोचना गलत था। या यूं कहें कि सरकार ने उनकी सोच पर पानी फेर दिया। किसानों ने कहा कि वे जोश और शौक के साथ कोई त्योहार नहीं मना पा रहे।

परिवार का खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। एक तो फसल तैयार करने में इतना खर्च करना पड़ता है। वह भी किसी न किसी तरह से जुगाड़ करना पड़ता है। किसी से उधार तक लेना पड़ता है। मतलब एक तरह से खेती-किसानी उनके लिए घाटे का सौदा बन गई है। फिर भी कोई अन्य रोजगार का साधन नहीं होने के कारण खेती करना मजबूरी भी है। किसानों ने कहा कि सरकार हर वर्ग का ख्याल रखने की बात कहती है। किसानों को कोई समस्या नहीं होने की बात कहती है।

किसानों की भलाई के नाम पर 3 अध्यादेश लेकर आई है। ऐसे अध्यादेशों का क्या फायदा जब किसान अपनी खून-पसीने की मेहनत से उगाई फसल को सरकार को बेचकर भी पेमेंट के लिए परेशान होना पड़े। उन्होंने कहा कि अगर किसानों की सरकार सच्ची और सही हितैषी है तो उनकी फसल की पेमेंट बिना देरी के खातों में ट्रांसफर करे, ताकि बचे हुए त्योहार वे मना सकें।

सात वारदातों को अंजाम देने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

नूंह। अपराध शाखा पुलिस ने उद्घोषित सर्च अभियान चलाकर गोहत्या, हत्या की कोशिश, सरकारी काम में बाधा डालना, आर्म्स एक्ट सहित करीब सात वारदातों में शामिल व अदालत से वांछित आरोपी को गांव लुहिंगाकलां में घर पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नूरदीन निवासी गांव लुहिंगाकलां के रूप में हुई है। जांच अधिकारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि अरोपी नूरदीन को उसके गांव लुहिंगाकलां से दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

व्यापार मंडल संघ दुकानदारों को ग्रैप का पाठ पढ़ाएगा

सोहना। नगर परिषद अधिकारियों और व्यापार मंडल संघ पदाधिकारियों की बीच हुई मैत्रीपूर्ण बैठक में ग्रैप के नियमों पर गहणता से विचार-विमर्श हुआ। परिषद अधिकारियों ने शहर के छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और गोदाम संचालकों को प्रदूषण न फैसलाने की हिदायतें दी। व्यापार मंडल संघ की तरफ से परिषद को ग्रैप के नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया।

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक और व्यापार मंडल संघ के प्रधान मनोज राघव समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को बैठक हुई। बैठक में व्यापार मंडल संघ के सभी छोटें-बड़े दुकानदारों ने आम रास्ते में गंदगी फैलाने से लेकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर दिया। कूड़ा-कचरा को सड़क पर न फेंका जाए। कूड़े को आग के हवाले न किया जाए। दुकानदार सफाई करने के बाद कूड़े को कूड़ेदान में रखें। जब कूड़ा को उठाने के लिए ट्रैक्टर आए तो उसमें डाला जाए। व्यापार मंडल संघ प्रधान मनोज राघव ने बताया कि सभी दुकानदार और व्यापारियों को ग्रैप के निमयों को पालन करने की हिदायतें दी गई हैं।

नवमी पर प्राचीन देवी मंदिर में उमड़े भक्तजन

तावडू के प्राचीन देवी मंदिर में यात्रा निकालते श्रद्धालु।

तावडू। नवमी पर प्राचीन देवी मंदिर पर नवरात्र के अंतिम दिन पूर्ण आहुति यज्ञ हुआ। क्षेत्र के लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर शिरकत की। यत्र के बाद कंजकों की पूजा करने के साथ उन्हें भोजन खिलाया गया।

मंदिर पर सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया। पंडित विनोद पाराशर ने भक्तजनों सहित सुबह की आरती की। उसके बाद लोगों ने माता शेरावली के चरणों में नतमस्तक हो आशीर्वाद लिया तथा मनोकामना मांगी। कुछ भक्तजन पूर्व में मांगी मनोकामना पूर्ण होने पर प्रसाद वितरित करते देखे गए। भक्तजनों ने मंदिर प्रांगण में वर्षो से लगे पीपल के वृक्ष की भी पूजा-अर्चना की। बता दें कि हिंदू धर्म में पीपल के वृक्ष की पूजा का बहुत महत्व है। मंदिर के पुजारी व भक्तजनों ने यज्ञ पश्चात कंजकों की पूजा करने के साथ उन्हें भोजन खिलाया। उन्हें उपहार दे व्रत का उद्यापन किया।

कंजकों के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। मंदिर के पुजारी पंडित विनोद पाराशर के मुताबिक शुक्रवार को सप्तमी पर मंदिर में वार्षिक मेला लगा था, जिसमें भक्तजनों ने मंदिर में माता की पूजा-अर्चना को पहुंचे। प्रसाद वितरण कमेटी सदस्यों ने प्रत्येक भक्तजन को माता का प्रसाद वितरित किया। उसके बाद मंदिर परिसर में मां शेरावाली का जागरण भी हुआ। जिसमें भक्तजन मधुर धार्मिक संगीत पर जमकर थिरके।

नवमी पर श्रद्धालुओं ने की मां महागौरी की आराधना

घरों में कंजिकाओं ने किया प्रसाद ग्रहण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नवमी के अवसर पर एक घर में प्रसाद ग्रहण करती कंजिकाएं।

नवमी के मौके पर शनिवार को शहर के सभी मंदिरों में पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रही। शनिवार को नवरात्रों का समापन हो गया। मां दुर्गा के 8वें नवरात्रे पर शनिवार को श्रद्धालुओं द्वारा मां महागौरी की पूजा अर्चना की गई।

यहां श्री माता शीतला मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ माता के दर्शनों के लिए उमड़ती दिखाई दी। न्यू कालोनी मोड स्थित सुदर्शन माता मन्दिर, गुफा वाला मन्दिर, सिद्वेश्वर मन्दिर, घन्टेश्वर मन्दिर, राम मन्दिर सेक्टटर-4 स्थित श्रीकृष्ण मंदिर, श्रीराम मंदिर, विशाल रामश्याम मंदिर, प्रकाशपुरी आश्रम स्थित मंदिर, चिंतपूर्णी मंदिर, हनुमान मंदिर, शिव मंदिर में भी श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए माता की स्तुति करते दिखाई दिए। मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा भजन-कीर्तन भी पूरे दिन होते रहे, जिनमें क्षेत्रवासी व धर्मप्रेमियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। शीतला माता मंदिर में नवरात्रों के दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में आ रहे हैं और मंदिर में कोरोना से बचाव के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन भी श्रद्धालुओं से कराया जा रहा है। दुर्गा अष्टमी पर समाजसेवियों व धर्मप्रेमियों द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर भण्डारों का आयोजन भी किया गया।

हर्षोल्लास से की गई दुर्गा पूजा

गुरुग्राम। चैंपियन प्ले पेन स्कूल मारुति विहार में दुर्गा पूजा बड़े ही हर्ष उल्लास से मनाई गयी। कोरोना जैसी भयंकर महामारी के कारण ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल मैनेजमेंट ने ऑनलाइन कार्यक्रम का निर्णय लिया। कार्यक्रम में चेतना ने मां दुर्गा की भूमिका निभाई।

सभी बच्चों ने ऑनलाइन डांडिया कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बाद शिक्षिका प्रीति दत्ता ने बच्चों को भगवान श्री राम के बारे में बताया कि किस तरह भगवान राम ने रावण से सीता को छुड़ाया और सच्चाई की जीत हुई। उसके बाद बच्चों को पूजा की विधि बताई गई और अंत में सभी टीचर्स और बच्चों ने मिलकर मां दुर्गा की आरती गायी। इस अवसर पर स्वाति बासु, सुनीता शर्मा उपस्थित थी।

पार्षद ने की सफाई कर्मियों को दीवाली का बोनस देने की मांग

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपतीं पार्षद शीतल बागड़ी व पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के सफाई कर्मचारियों को दीपावली का विशेष बोनस प्रदान करने की मांग की वार्ड-10 के पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी व पार्षद शीतल बागड़ी ने की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला को सौंप कर सफाई कर्मचारियों को बोनस प्रदान करने के लिए आग्रह किया है।

विधायक सुधीर सिंगला ने आश्वस्त किया है कि शीघ्र ही वे इस संबंध में मुख्यमंत्री से मिलकर उनको इससे अवगत कराते हुए सफाई कर्मचारियों को बोनस प्रदान कराने का प्रयास करेंगे। पार्षद ने मांग पत्र में उल्लेख किया है कि गुरुग्राम के साथ पूरे प्रदेश के सफाई कर्मचारियों ने कोरोना महामारी के दौरान भी मानव सेवा के लिए समर्पित होकर हरियाणा सरकार के दिशा निर्देश के तहत सफाई कार्य किया। जब लॉकडाउन के दौरान आम नागरिक अपने घरों में कैद थे, तब सफाई कर्मचारियों ने सुबह उठकर सफाई का कार्य करते हुए शुद्ध वातावरण देने का काम किया। ऐसा करके सफाई कर्मचारियों ने हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा है कि इसे देखते हुए जनहित में सभी नियमित और ठेका के तहत काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को दीपावली के शुभ अवसर पर विशेष बोनस प्रदान करने की व्यवस्था की जाए।

पुलिस पर फायरिंग कर भागे युवक

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बघौला पुलिस चौकी के समीप रूटीन वाहन चेकिंग कर रही पुलिस पार्टी पर स्विफ्ट कार सवार पांच युवकों ने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा किया तो अपने आपको घिरता देख आरोपी कार को छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तीन नामजद व दो अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी एएसआई जयपाल ने बताया कि गत 22 अक्टूबर की रात दस बजे नाके पर वह हैड कांस्टेबल कुलदीप व होमगार्ड दिनेश के साथ रूटीन में वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। उसी दौरान बघौला की तरफ से एक स्विफ्ट कार आई जिसे रुकने का इशारा किया गया तो कार सवार युवक पुलिस टीम पर फायरिंग कर नाके को पार करते हुए जनौली फाटक की तरफ निकल गए। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पुलिस ने टीम ने आरोपियों का पीछा किया तो आगे फाटक बंद दी और आरोपियों को घेर लिया। लेकिन आरोपी पांच थे, जोकि पुलिस टीम के साथ हाथ-थपाई कर कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

नप ने प्रॉपर्टी टैक्स बकायादारों से निपटने की योजना बनाई

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

। नगर परिषद विभाग ने प्रॉपर्टी टेक्स बकायादारों से सख्ती से निपटने की योजना तैयार की है। परिषद ने बकायादार की सम्पत्ति को सील करने की तैयारी कर रही है। जिसके लिए परिषद ने ऐसे बकायादारों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है।

सोहना नगर परिषद का अपने बकायादारों पर 7 करोड़ 63 लाख 30 हजार 19 रुपये बकाया है। कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक बताया परिषद अब अपने टैक्स बकायेदारों को किसी प्रकार की राहत नहीं देगी। जो प्रॉपटी टैक्स को समय पर जमा नहीं कर रहा है। उनके संस्थानों को सील करके अपनी राशी वसूलना अंतिम रास्ता है। ताकि परिषद के खाली खजाने को भरा जा सके। परिषद प्रशासन ने अपने बकायादार उपभोक्ताओं की सम्पत्ति सील करने की योजना तैयार की है। जिसके लिए परिषद ने ऐसे लोगों को चिह्नित कर लिया है। जिन्होंने वर्षों से टैक्स का भुगतान नहीं किया है।

विभाग ने करीब एक दर्जन लोगों की अंतिम लिखित नोटिस जारी कर दिए हैं। जिसमें एक सप्ताह के अंदर प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान किए जाने को कहा है।

बकायादारों में नामचीन संस्थान भी शामिल

नगर परिषद की करोड़ों रुपये की राशि प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में बकायेदारों के जिम्मे बकाया चली आ रही है। जिसमें बिल्डर, यूनिवर्सिटी, होटल, संस्थान आदि नामचीन लोग शामिल हैं। जिन्होंने कई वर्षों से प्रॉपर्टी टैक्स की अदायगी नहीं की है। ऐसी संस्थानों में ओम ट्रैक्टर, एससीजे वर्ल्ड अकेडमी, दी मिलिया, सूर्यांश होटल, एमकेएस कंट्री, वर्धमान, ऐरेटी, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, जीडी गोयनका वर्ल्ड स्कूल, सुपरटेक आदि शामिल हैं। जिन्होंने आजतक भी बकाया प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं किया है। दूसरी ओर नगर परिषद विभाग ने ऐसे डिफाल्टरों पर शिकंजा कसने की ठान ली है।

एफएमआई यूनियन ने वर्षगांठ में दिया एकता का संदेश

गुरुग्राम। शनिवार को आईएमटी मानेसर में सेक्टर-3 में स्थित ऑटो पार्ट कम्पनी एफएमआई ऑटोमोटिव कॉम्पोनेन्ट एम्प्लाइज यूनियन ने एचएमएस के नेता जसपाल राणा की अध्यक्षता में यूनियन की पांचवीं वर्षगांठ मनाई।

यूनियन के प्रधान व महासचिव राहुल सोलंकी व सज्जन कुमार ने अपने कर्मचारियों के साथ ध्वजारोहण स्थल पर पूजा की तथा ध्वजारोहण कर उपस्थित सभी मजदूरों को पांचवीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी। अपने सम्बोधन में नेताओं ने कहा कि ये झंडा दिवस मजदूरों का त्योहार होता है। हमें अपनी एकता को हमेशा की तरह बनाये रखना है। एचएमएस के नेता जसपाल राणा ने कहा कि आज से पांच साल पहले मजदूरों ने कड़े संघर्ष से ये यूनियन बनाई थी और यूनियन अपने कर्मचारियों व कम्पनी के हित मे बखूबी से कार्य कर रही है। वरिष्ठ श्रमिक नेता कुलदीप जांघू ने कहा कि आज सरकारें किसानों व मजदूरों का शोषण करने में तुली हुई है, हमने अपने हकों को एकता के बल पर हासिल करने हैं। भविष्य में कामगारों के अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ा संगठन तैयार करने की आवश्यकता है।

श्री दुर्गा रामलीला में दमदार रहा रावण-अंगद संवाद

राम नाम आधार जिन्हें वो जल में राह बनाते हैं, जिन पर कृपा राम करे वो पत्थर भी तर जाते हैं...

आखिरकार दोनों ओर से हो गया युद्ध का ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के जैकबपुरा स्थित श्री दुर्गा राम लीला में लक्ष्मण मूर्छित होने पर विलाप करते राम बने कलाकार।

जैकबपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला में हनुमान जी द्वारा लंका जलाए जाने के बाद वापस अपनी वानर सेना के पास पहुंचने के साथ 10वें दिन की लीला शुरू होती है। जय श्री राम के उद्घोष के साथ हनुमान जब वहां पहुंचे तो सभी को यह उम्मीद हो गई कि हनुमान जी जरूर कोई शुभ समाचार लेकर आए हैं। 10वें दिन की लीला रावण-अंगद संवाद के बाद युद्ध के ऐलान पर समाप्त हुई। लीला में दिखाया गया कि हनुमान जी अपनी वानर सेना के साथ श्रीराम जी के पास पहुंचकर लंका में हुई सारी घटना का जिक्र करते हैं। सभी खुश हो जाते हैं कि सीता माता का पता चल गया है। श्री राम सुग्रीव से मंत्रणा करते हैं कि आखिर किस तरह से युद्ध की तैयारी करके आगे कदम बढ़ाया जाए। लंका में रावण द्वारा विभीषण को लंका छोड़ने की लीला का मंचन होता है। राम समुद्र में पुल बनाने के लिए नल और नील को पत्थर देकर उनके हाथों से रखवाते हैं। क्योंकि उनके हाथों से रख गए पत्थर एक श्राप के तहत डूबते नहीं हैं। इसी दौरान गीत बजता है-

राम नाम आधार जिन्हें वो जल में राह बनाते हैं,

जिन पर कृपा राम करे वो पत्थर भी तर जाते हैं।

लंका तक पुल बनाकर समुद्र पार करने के बाद एक बार शांतिदूत अंगद को रावण के दरबार में भेजा जाता है। वहां रावण-अंगद का संवाद होता है। रावण से अंगद कहते हैं कि वे श्री राम से क्षमा मांगकर सीता जी को लौटा दें। रावण ने क्रोधित होकर कहा-मुझसा पंडित, मुझसा योद्धा त्रिभुवन में और न दूजा है,

रावण के कई योद्धाओं ने प्रयास किया, लेकिन पैर को हिला तक न सके। इसके बाद खुद रावण आए और अंगद का पांव उठाने लगे। अंगद ने पांव पीछे खींचकर कहा कि मेरे नहीं जाकर श्री राम के पैर पकड़ो। इसके बाद रावण गुस्से में आ गए। बात न बनती देख अंगद की ओर से युद्ध का ऐलान कर दिया गया। जवाब में रावण ने भी यह ऐलान कर दिया। इसके बाद दोनों सेनाओं के बीच युद्ध हुआ। युद्ध में रावण के पुत्र मेघनाथ ने लक्ष्मण को तीर मारकर मूर्छित कर दिया।

चोरों ने 12 तोले सोना, एक किलो चांदी व डेढ़ लाख चुराए

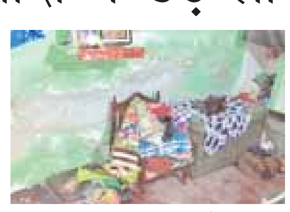

गुरुग्राम। फर्रूखनगर खंड के गांव डूमा हरिनगर में बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने एक घर में परिजनों के कमरों के दरवाजे बंद कर सेंध लगाकर चोरी की घटना को अंजाम देने का मामला प्रकाश आया है। चोर करीब 12 तोला सोने, एक किलो चांदी के जेवर तथा 155000 रुपये सहित घर से जरूरी समान और कागजात लेकर फरार हो गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। चोरी की घटना के साक्ष्य जुटाने के लिए डॉग स्क्वायड एवं फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम से जांच कराई गई है। पुलिस को दी गई सूचना में मनीष पुत्र मास्टर महादूर सिंह चौहान ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की रात्रि वह और उसके परिजन अलग-अलग कमरों में सोये हुए थे। कुते भोंकने की आवाज सुन कर उठे तो देखा कि कमरों के बाहर कुंडी पर कपड़े बंधे हुए थे। कमरे में रखी अलमारी, संदूक, बक्से खुले हुए और सामान बिखरा हुआ पड़ा था। अज्ञात चोर उनके मकान के मुख्य द्वार से चढ़ कर अंदर आये और लकड़ी की सीढ़ी लगा घर में प्रवेश कर गए। उसके बाद उन्होंने घर में पत्थर भी फेंके कि कहीं कोई जाग तो नहीं रहा है। पूरी संतुष्ठी के बाद उन्होंने चोरी की घटना को अंजाम दिया और पशुओं के कमरों के दरवाजे से दो बक्से लेकर फरार हो गए। चोरों ने दोनों बक्सों को गांव डूमा हरिनगर के बाहर बनी आंगनबाड़ी केंद्र में रखकर कर सारा सामन एकत्रित किया और खाली बक्से छोड़कर फरार हो गए। चोर उनके घर से करीब 12 तोला सोने, एक किलो चांदी और 155000 रुपये नगद लेकर फरार हो गये।

संक्षिप्त समाचार

व्रत की समाप्ति पर यज्ञ व भंडारे का आयोजन

पलवल। ग्राम पंचायत असावटी में सरपंच करण पहलवान व उनकी पत्नी सुनीता देवी ने नवरात्र की समाप्ति पर हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया। यह व्रत उन्होंने गांव की सुख शांति व भलाई के लिए मंदिर में पूरे नवरात्रों में खड़े खड़े ही किया था। इस अवसर पर गांव के मौजूदा लोग ठाकुर किशन सिंह, डालचंद रावत, ओमी रावत, पवन रावत, लक्खा, सुभाष डागर, मुकेश डागर, दौलती, शिवकुमार, अनिल रावत, मन्नू नंबरदार, जय सिंह आदि गांव के मौजूदा लोग थे। सरपंच करण पहलवान ने बताया कि यह व्रत वह पिछले कई वर्षों से करते आ रहे हैं। उनके गांव समाज पर कोई परेशानी न आए और देवी मां गांव पर आशीर्वाद बनाए रखें, सभी की मनोकामना पूरी करें। उन्होंने बताया कि गांव में सुख शांति के साथ भाईचारा कायम रहे तथा विकास की गति यूं ही निरंतर चलती रहे यही उनकी कामना रहती है। उनका मानना है कि गांव के लोगों ने उन्हें जिताया है तो उनकी सेवा करना व सदैव उनकी भलाई के लिए काम करना ही उनका कर्तव्य है।

कॉलेज में संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया

पलवल। स्थानीय गोस्वामी गणेशदत्त सनातन धर्म महाविद्यालय में हरियाणा उच्चतर शिक्षा निदेशालय के आदेशानुसार संयुक्त राश्ट्र का ध्वज फहराया गया। प्राचार्य डॉ जीके सपरा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के विषय में सबके सामने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसके उद्देश्यों में उल्लेखित है कि यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों को सुविधाजनक बनाने के लिए सहयोग, अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानव अधिकार और विश्व शांति प्रमुख हैं और यह इसके लिए कार्यरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को हुई। इसकी शुरूआत अधिकार-पत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई थी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीके सपरा के साथ एवं सभी शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला को तीन तलाक देने का आरोप, मामला दर्ज

नूंह। जिले के बिछोर थाना अंतर्गत एक गांव की एक विवाहिता को शादी के दो महीने बाद तीन तलाक देने के आरोप में बिछोर थाने में केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि विवाहिता की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। जांच अधिकारी नवनीत ने बताया कि महिला ने मुकदमा दर्ज कराया है कि उसकी शादी करीब दो महीने पहले फलैंडी निवासी तौफीक के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के साथ हुई थी। आरोप है कि ससुराल वाले शादी में मिले दहेज से खुश नहीं थे। शादी के बाद से ही ससुराल के लोग उसे दहेज में गाड़ी और रुपयों की मांग के चलते उससे मारपीट करते थे। दहेज की मांग पूरी नहीं करने पर पति ने तीन तलाक बोलकर और मारपीटकर घर से बाहर निकाल दिया। पुलिस ने इस मामले में ससुराल पक्ष के पति, सास अख्तरी, ससुर अब्दुल, देवर-जेठ सहित 6 नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

विशेष अतिक्रमण मुक्त सड़क-फुटपाथ अभियान चलाया

गुरुग्राम। सड़कों तथा फुटपाथों एवं बाजार क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शनिवार को जोन-1 तथा जोन-2 क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में नगर निगम की इंफोर्समेंट टीमों ने सेक्टर-10, भूतेश्वर मंदिर, सदर बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सड़कों-फुटपाथों तथा बाजार क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने के साथ ही अतिक्रमण करने वालों का सामान भी जब्त किया गया। सयुंक्त आयुक्त ने दुबारा से अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी दी तथा कहा कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इसलिए यह ना समझें कि फिर से अतिक्रमण कर लेंगे। यह विशेष अभियान लगातार चलेगा, ताकि सड़क, फुटपाथ और बाजार अतिक्रमण मुक्त रह सकें।

खेत में पानी देर रहे युवक पर जानलेवा हमला

सोहना। भोंडसी थाना क्षेत्र के गांव रायसीना में मध्यरात्रि खेत में पानी देर रहे 30 वर्षीय युवक पर जानलेवा हमला होने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने अज्ञात बाइक दो बाइक सवार पर गोली मारने का आरोप लगाया है। सोहना नगर परिषद के वार्ड-1 का गांव निवासी जाकिर पुत्र शेरखान पर खेत में पानी लगाते समय फायरिंग कर दी। उस समय जाकिर खेत में अकेला ही थी। जाकिर के बड़े भाई फकरुद्दीन ने बताया कि खून से लथपथ जाकिर खेत से घर पर पहुंचा। जिसके जख्म से खून बह रहा था। जाकिर को गंभीर हालत में बादशाहपुर के निजी अस्पताल में दाखिल कराया है। जहां पर जाकिर बेहोशी की हालत में है। फकरुद्दीन ने बताया कि उसके छोटे भाई ने घर पहुंचने पर बताया कि रात करीब डेढ़ बजे दो बाइक सवार आए। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने उस पर फायरिंग की। जो एक गोली उसके गुप्तांगों के निकट लगी है। भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर निरज कुमार ने बताया कि पुलिस मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है। जांच पूरी होने पर ही मामला दर्ज किया जाएगा।

मेयर कार्यालय में लगाया कोरोना जांच शिविर

गुरुग्राम। गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद के वार्ड-7 स्थित राजीव नगर कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क कोरोना जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मेयर की मौजूदगी में वार्ड के नागरिकों ने निशुल्क कोरोना जांच करवाई। मेयर ने वार्ड निवासियों से बातचीत करते हुए उन्हें कोरोना से बचाव करने के उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल बचाव उपाय करके ही हम खुद को और अपने परिवार को कोरोना से सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मास्क का नियमित इस्तेमाल तथा अपने हाथों को बार-बार धोएं। जब भी बाहर जाएं मास्क लगाकर जाएं तथा एक-दूसरे के बीच दो गज की दूरी का पालन करें। बिना किसी कारण के भाड़ वाली जगहों पर ना जाएं। बाजार में जाते समय विशेष ध्यान रखें। मेयर ने कहा कि हम इन छोटी-छोटी बातों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। बच्चों, बुजुर्गों तथा गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें। मेयर ने कहा की सरकार, जिला प्रशासन एवं नगर निगम गुरुग्राम द्वारा लॉक डाउन के दौरान बेहतर कार्य किया गया, जो अब भी जारी है।

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस ने किया शस्त्र पूजन कार्यक्रम

फरीदाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 95 वे स्थापना दिवस और विजयादशमी के उत्सव पर बल्लभगढ़ जिला के तिगांव खंड के बडोली गांव के प्राथमिक पाठशाला के प्रांगण में एक भव्य कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के समापन पर बोलते हुए हरियाणा प्रान्त के प्रान्त प्रचारक विजयजी ने दूरदराज गांव से आये हुए 80 पूर्ण गणवेश युक्त स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विजयादशमी और श्रीराम के आदर्शों का उल्लेख किया कि यह उत्सव शक्ति का उत्सव है। उन्होंने कहा की यूनान, मिश्र, रोम मिट गए जहां से कुछ बात है की हस्ती मिटती नहीं हमारी। भारत पर विदेशी आक्रमणकारियों ने कई बार आक्रमण किया। लेकिन वो हमारे संस्कृति को नहीं मिटा पाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सह प्रान्त कार्यवाह राकेश और बल्लबगढ़ जिला के जिला कार्यवाहक गौरी दत्त उपस्थित थे। इस मौके पर दूर दराज गांवों से आये हुए अन्य बहुत लोग उपस्थित रहे।

निधन पर किया शोक व्यक्त

फरीदाबाद। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं श्री महाराणा प्रताप राजपूत सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष किशन ठाकुर के बड़े भाई व युवा नेता विकास ठाकुर के ताऊ स्वर्गीय ठाकुर पोपन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने केंद्रीय मंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, पार्षद, पूर्व पार्षद व अन्य नेतागणों के साथ शहर की समस्त 36 बिरादरी के गणमान्य व्यक्ति पहुंच रहे हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी महेंद्र प्रताप सिंह, विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक राजेश नागर, पूर्व विधायक आनंद कौशिक के अनुज बलजीत कौशिक, पूर्व पार्षद राजेंद्र चपराना, पूर्व पार्षद राव महेंद्र, पूर्व पार्षद राजेश तंवर, चौधरी बिरजू तंवर जिला पार्षद व वीरपाल पहलवान, पंडित रोहतास पहलवान, डॉ. सुरेंद्र दत्ता पाराशर, रविंद्र भाटी समाजसेवी, पार्षद विनोद भाटी, पूर्व पार्षद नरेश गोसाईं, कुंवर राजकुमार गौड़, एडवोकेट डॉक्टर राजेश्वर सागर भारद्वाज, पंडित प्रहलाद शर्मा तिलपत, टीटू सिंगला, बालू सिंह तथा एडवोकेट मूलचंद भारद्वाज आदि ने किशन ठाकुर के निवास पर पहुंचकर शोकग्रस्त परिवार को सांत्वना दी और स्व. ठाकुर पोपन सिंह के परोपकारी सेवा कार्यों को याद किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्रशंसा पत्र सहदेव को सौंपा

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कोविड-19 महामारी से निपटने में प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन का सहयोग करने पर रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद सेंट्रल के प्रधान जगदीश सहदेव व उनकी टीम के सेवा कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और आशा जताई कि वे भविष्य में भी इसी तरह अपना सहयोग बनाए रखेंगे। सीएम द्वारा भेजे गये प्रशंसा पत्र को आज केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने अपने कर-कमलों द्वारा प्रधान सहदेव को सौंपा। इस मौके पर कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि सीएम खट्टर द्वारा प्रधान सहदेव को भेजे गये पत्र में कहा है कि पूरे विश्व में कोविड-19 महामारी एक अभूतपूर्व संकट के रूप में उभरकर आई है। जिससे निपटने में हरियाणा सरकार को अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं का अविस्मरणीय सहयोग मिला। संस्थाओं ने गरीब एवं जरूरतमंद लोगों विशेषकर प्रवासी मजदूरों को राशन, भोजन, दवाइयां, फेस मास्क, सेनेटाइजर आदि उपलब्ध करवाने के अलावा कोविड पीड़ितों के लिए आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध करवाकर एवं सामाजिक दूरी के बारे में जागरूक करके मानव सेवा का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसके अलावा संस्थाओं ने सरकार द्वारा प्रवासी मजदूरों के लिए लगाए गए राहत कैम्पों के संचालन में भी भरपूर सहयोग दिया। इन्हीं संयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप हरियाणा अन्य राज्यों की तुलना में इस महामारी से बेहतरीन ढंग से निपट रहा है। प्रधान सहदेव ने सीएम द्वारा उनके कार्यों की प्रशंसा करने पर उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्हें पूर्ण आश्वासन दिया कि वे तथा उनकी पूरी टीम जनहित के कार्यों में आगे भी इसी तरह बढ़-चढक़र भाग लेती रहेगी। इस मौके पर एसडीएम जितेंद्र कुमार, जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार व सहायक पुरुषोत्तम सैनी समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

घायल महिला का हाल जाना

फरीदाबाद। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के सेक्टर-8 पर आम आदमी पार्टी द्वारा दिए गए शांति प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने महिलाओं पर लाठी चार्ज किया। इस दौरान 35 वर्षीय कल्पना, खोरी गांव निवासी सहित कई कार्यकर्ता घायल हो गए। इस दौरान घायल हुई महिला कल्पना को बीके अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां कल्पना से मिलने के लिए राज्यसभा सांसद एवं आम आदमी पार्टी के हरियाणा सह प्रभारी सुशील कुमार गुप्ता बीके सिविल अस्पताल में देर शाम पहुंचे। सांसद सुशील गुप्ता ने घायल महिला कल्पना का हालचाल पूछा। कल्पना की गर्दन और कमर में चोट आई है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

प्रदूषण : ध्यान नहीं दिया तो जल्द मिलेगा पहला स्थान

रोगियों के लिए होगा खतरनाक, लंकादहन के कार्यक्रमों के बाद बढ़ गया प्रदूषण

प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए सताने लगी है अपनी जान की चिंता

कविता। फरीदाबाद

औद्योगिक नगरी को अन्य शहरों से अधिक प्रदूषित बताते हुए द्वितीय स्थान पर रखा गया है। शहर का अभी से यह हाल है तो रावण दहन और दिवाली पर क्या होगा? इस त्योहार के आने से जहां चारों तरफ खुशियां छा जाती हैं, लेकिन समाज का एक वर्ग ऐसा भी जिन्हें प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए अपनी जान की चिंता सताने लगी है। दमा एवं सांस से संबंधित बीमारियों से पीड़ित लोगों को इन त्योहारों के कारण भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सांस संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोगों को सुरक्षित दशहरा और दिवाली मनाने की सलाह देते हुए कहा है कि वे धुंए से बचे, घर में रहें और श्वास दिक्कत होने पर दवाइयों की खुराक बढ़ा लें।

बढ़ता है अक्टूबर में

वर्ष 2018 से प्रदूषण का स्तर अक्टूबर माह में ही बढ़ रहा है। वर्ष 2018 अक्टूबर में शहर के प्रदूषण स्तर 356 पर था। वहीं अब देश में फरीदाबाद प्रदूषण के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। फरीदाबाद का पीएम 2.5 स्तर 400 के करीब पहुंच गया है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा जारी किए गए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करने पर भी प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को काबू करने के प्रयास अब इस औद्योगिक नगरी में असफल होते नजर आ रहे हैं।

सिरदर्द, कफ की समस्याएं संभव

बादशाह खान अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक अधिकारी डॉ. योगेश गुप्ता ने दिवाली से पूर्व दमा एवं श्वास के मरीजों को सलाह दी है कि दिवाली के दौरान हवा में मिक्स कणों का स्तर खतरनाक हद तक बढ़ जाता है। जिससे सांस लेने में दिक्कत होती है और आंख, नाक एवं गले की समस्याएं उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि बचाव के लिए दमे और ब्रोंकाइटिस जैसी सांस संबंधी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधान रहने की जरूरत है। लोगों को आतिशबाजी से होने वाले धुएं से बचने के लिये घर में ही रहना चाहिए। दमा पीड़ित लोगों को दवाइयों की खुराक बढ़ा लेनी चाहिए और अगर परेशानी बढ़ जाए तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 'फूलझड़ी' और 'अनार' जैसे पटाखों में तांबा, कैडमियम, शीशा, मैग्नीज, जस्ता, सोडियम और पौटेशियम जैसे अत्यधिक भारी विषैले धातु मौजूद होते हैं। अगर ये धातु हवा में मिल जाएं तो यह मरीजों में दमा के प्रकोप को बढ़ा देते हैं। इनके कारण भारी सिर दर्द, फेफड़े में श्वसन संबंधी बीमारियां एवं कफ की समस्या पैदा होती हैं।

जिले में बढ़ रहे डेंगू के मरीजों की संख्या का आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है। शनिवार तक जिले में डेंगू के आठ मामलों की पुष्टि की गई। वहीं दूसरी तरफ जिले में बढ़ रहे डेंगू के मामलों को देखते हुए जिला डेंगू व मलेरिया विभाग चिंतित है, क्योंकि जहां एक तरफ कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, वहीं डेंगू ने भी शहर में पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में डेंगू के डंक और कोरोना के खतरे से शहरवासियों को बचाने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे है। डेंगू के लिए एंटी लारवा एक्टीविटी अभियान पूरे शहर में चलाया जा रहा है। अब तक करीब 350 घरों में लारवा मिलने पर नोटिस दिया गया है। बायोलॉजिस्ट पीके अरोड़ा ने बताया कि टीमें दोबारा से उक्त स्थानां पर जांच करेंगी। यदि दोबारा लारवा मिलेगा तो चालान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को बचाव करके रहना चाहिए। सुबह और शाम को पूरी बाजू के कमीज पहन कर रखें।

कृषि बिल व तोड़फोड़ के विरोध में सड़क पर उतरी आप

कैबिनेट मंत्री के घेराव के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं की हुई पुलिस से झड़प

आप कार्यकर्ताओं का जोश और उत्साह देखकर घबराए मंत्री : सुशील गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के खिलाफ पास किए गए कृषि अधिनियमों एवं फरीदाबाद के गांव खोरी में गरीब एवं प्रवासियों को उजाड़े जाने के विरोध में शनिवार को आम आदमी पार्टी के हजारों कार्यकर्ता राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सुशील गुप्ता के नेतृत्व में सडक़ों पर उतर आए। कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था, भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय की ओर कूच किया। आप कार्यकर्ताओं की मौजूदगी एवं संख्या बल से घबराए परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने भारी पुलिस बल लगाया हुआ था। चारों तरफ पुलिस बैरिकेड लगाए गए थे। इस दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि हरियाणा सरकार के मंत्री आप कार्यकर्ताओं का जोश एवं उत्साह देखकर घबरा गए हैं, इसलिए इतनी भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया हुआ है। मगर हम आम जनता एवं किसानों की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर दबाया नहीं जा सकता। शक्ति एवं लठतंत्र से शासन नहीं किया जाता, जब तक आप लोगों के हित में कार्य नहीं करेंगे, आम आदमी पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भारतीय जनता पार्टी के निरंकुश मंत्री अपनी मनमानी कर रहे हैं। हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देकर गरीबों को उजाड़ने वाली खट्टर सरकार बताए कि क्या इनको उजाड़ने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था नहीं करनी चाहिए। या केवल गरीबों और प्रवासी मजदूरों पर ही हाईकोर्ट के आदेशों की अनूपालना होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने कहा कि आम आदमी पार्टी गरीबों की झुग्गी बस्ती उजाड़े जाने का पुरजोर विरोध करती है और हर तरह से उनके साथ है। एक ही कानून को भाजपा सरकार अलग-अलग तरीके से लागू कर रही है। गरीब एवं प्रवासी मजदूरों पर सख्त कार्यवाही को रसूखदारों को ढील क्यों दी जा रही है। सूरजकुंड स्थित खोरी गांव में वर्षों से रह रहे प्रवासी मजदूरों को बिना उनके पुनर्वास की व्यवस्था किए उजाड़ना बिल्कुल अनैतिक है। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता आरएस राठी, ओमप्रकाश गुप्ता, प्रीति दीक्षित, दीपक जैन, धीरज यादव, हरेन्द्र भाटी, विनोद भाटी, धर्मेन्द्र, बडख़ल विधानसभा अध्यक्ष तेजवंत सिंह उर्फ बिट्टू, गीता शर्मा, रघवर दयाल, अमन गोयल, संतोष यादव, विनय यादव, भीम यादव, विजय गोदारा, विनय वशिष्ठ, सुमन वशिष्ठ, वीणा वशिष्ठ, सुनील ग्रोवर, रिजवान खान, मोहम्मद अली, आशीष कुमार, रेखा चौरसिया, राजेश कुमार एवं नरेन्द्र सरोहा आदि मौजूद रहे।

सरकारी स्कूल में मनाया संयुक्त राष्ट्र दिवस

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार और प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा के निर्देशानुसार संयुक्त राष्ट्र दिवस पर विशेष वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है तथा सहयोग, अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानव अधिकार और विश्व शांति के लिए कार्यरत है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकारपत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई। संयुक्त राष्ट्र के बारे में विचार पहली बार द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान उभरे थे। द्वितीय विश्व युद्ध में विजयी होने वाले देशों ने मिलकर प्रयास किया कि वे इस संस्था की संरचना, सदस्यता आदि के बारे में कुछ निर्णय कर सकें। भारत, संयुक्त राष्ट्र के उन प्रारंभिक सदस्यों में शामिल था जिन्होंने 01 जनवरी, 1942 को वाशिंग्टन में संयुक्त राष्ट्र घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे तथा 25 अप्रैल से 26 जून, 1945 तक सेन फ्रांसिस्को में ऐतिहासिक संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन सम्मेलन में भाग लिया था संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य सहित 2030 के एजेंडा के प्रति भारत सरकार के दृढ़ संकल्प का प्रमाण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में प्रधानमंत्री और सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के वक्तव्यों से मिलता है।

कोरोना से एक मौत, 193 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 23,713

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार को 193 मामले सामने आए। जिससे कोविड-19 का आंकड़ा 23,713 पर पहुंच गया। वहीं जिले में शनिवार को एक महिला की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या का आंकड़ा 242 पर पहुंच गया। राहत की बात यह रही कि जिले में 203 मरीजों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 95.3 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

सेहतपुर निवासी 53 वर्षीय एक महिला ने कोरोना व अन्य बीमारियों के चलते दम तोड़ दिया। वहीं 193 पॉजिटिव में श्याम कालोनी, बसेलवा कालोनी, ग्रीनफिल्ड कालोनी, सेक्टर-18, 37, 16, 23, 21, 10, 3, 20, पल्ला, डबुआ, सैनिक कालोनी, हीरापुर, बड़ौली, एसजीएम नगर, बल्लभगढ़, गड़खेड़ा, चंदावली, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, निमका जेल, सिही, फरीदपुर, खेड़ी कला, तिगांव, अमरनगर, नगला इंक्लेव, शिवदुर्गा बिहार से 2-2 मरीज है। कपड़ा कालोनी, सेक्टर-64, 86, 62, 30, 48, 91, 55, 7, ओल्ड फरीदाबाद, खतरीवाड़ा, सेहतपुर, सूर्या बिहार, गांधी कालोनी, सरपंच कालोनी, अजरौंदा, सरस्वती कालोनी, जनता कालोनी, एनएच-5 से 3-3 मरीज है। सेक्टर-49, जवाहर कालोनी, सेक्टर-23, स्प्रींग फिल्ड कालोनी से 4-4 मरीज है। मोहना, चार्मवुड, पटेल नगर, सेक्टर-34, सैनिक कालोनी, पाली से 1-1 मरीज है। सेक्टर-15 से 7 और अन्य एरियों से 55 मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल जांचे	236557
रिपोर्ट आई नेगेटिव	212563
रिपोर्ट आनी शेष	281
अब तक पॉजिटिव	23713
गंभीर हालत में	48
आईसीयू में भर्ती	6
अब तक मौत	242
अब तक ठीक हुए	22593

दुर्गा पूजा पंडालों में विशेष पूजा का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दुर्गा पूजा के पंडालों में अष्टमी पूजा के साथ संध्या पूजा का आयोजन भी किया गया। जिसमें मंदिरों में विशेष पूजा की गई। रविवार को आज महानवमी की पूजा होगी। हार्डवेयर-बाटा रोड स्थित दुर्गाबाड़ी मंदिर में शनिवार को अष्टमी पूजा का आयोजन किया गया। जिसके बाद 11 बजे संध्या पूजा की गई, यह अष्टमी की समाप्ति और नौवीं के प्रारंभ के मौके पर विशेष पूजा थी। वहीं रविवार को महानवमी और सोमवार को महादशमी के दिन यहां मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन श्रद्धालुओं द्वारा सिंदूर की होली खेल कर मां को विदाई दी जाएगी।

मां का आशीर्वाद लेने पहुंचे कमिश्नर

सेक्टर-16 स्थित फरीदाबाद कालीबाड़ी में शुक्रवार को देर शाम जिले के पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने संध्या आरती की एवं माता रानी से आशीर्वाद लिया। उन्होंने फरीदाबाद कालीबाड़ी के सामाजिक कार्यों एवं समाज की विपदाओं में हमेशा आगे रहने के लिए कालीबाड़ी के सदस्यों की सराहना की एवं आगे भी इसी तरह से नि:स्वार्थ सेवा के लिए प्रोत्साहित किया। फरीदाबाद कालीबाड़ी के वरिष्ठ सदस्य अभिजीत गांगुली ने सिंह एवं फरीदाबाद के सारे पुलिस महकमे का धन्यवाद करते हुए कालीबाड़ी के तरफ से हमेशा समाज के किसी भी जरुरत के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। सीपी के सम्मान समारोह में कालीबाड़ी के सक्रिय कार्यकर्ता अचिंत पंडित, सांतनु देब सरकार, मृण्मय चक्रवर्ती, सचिव स्वपन बोस एवं उपाध्यक्ष देवाशीष घोष इत्यादि के साथ फरीदाबाद कालीबाड़ी की महिला मंडल भी शामिल थी। इस बार महामारी के मद्देनज़र सामाजिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखते हुए फरीदाबाद कालीबाड़ी में बड़े ही हर्षोउल्लास एवं उत्साह के साथ दुर्गा पूजा मनाया जा रहा है। जो विजया दशमी के दिन तक जारी रहेगी। 25 अक्टूबर को दुर्गा अष्ठमी के दिन देवी महागौरी की पूजन होती है। दुर्गा पूजा में महाअष्ठमी एक विशेष और महत्वपूर्ण दिन होता है। सुबह सात बजे से ही भक्तगणों ने मंदिर में माता को अपनी श्रधासुमन अर्पण करने के लिए आना शुरू कर दिया था।

बैंक लोन वितरण मेले का आयोजन

फरीदाबाद। इंडियन बैंक की ओल्ड फरीदाबाद शाखा द्वारा गत दिवस रिटेल एवं एमएसएमई लोन वितरण मेला का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत लगभग 50 से ज्यादा ग्राहकों को 12 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये गये।

मेले में मुख्य अतिथि इंडियन बैंक के दक्षिण दिल्ली क्षेत्र के अंचल प्रबंधक हिमांशु कंसल ने बैंक के अन्य सेवाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की, साथ ही सरकार के डोर स्टेप बैंकिंग की सराहना करते हुये इसे वर्तमान ग्राहक और बैंकिंग सर्विस की मांग बताया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से सहायक महाप्रबंधक शरत कुमार प्रधान, एजीएम नरेंद्र कुमार एवं शाखा प्रबंधक रुचिर सिन्हा और अनुज सूद उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि हिमांशु कंसल ने कहा कि बैंक द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स (फुटपाथ के दुकानदार) को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 10-10 हजार रुपये का भी लोन दिया जाता है। इससे गरीब व्यक्ति स्वयं कोई व्यवसाय कर सके। 10 हजार रुपए का एक वर्ष में मात्र 63 रुपए ब्याज देना होगा तथा जो व्यक्ति लगातार 6 महीने तक 872 रुपये की किश्त समय से देता रहेगा वह 20 हजार रुपये का और ऋण ले सकेगा तथा अपने रोजगार को आगे बढ़ा सकेगा।

दम्पति पर जानबूझ कर कोरोना फैलाने का मामला हुआ दर्ज

महिला ने नहीं लगाया हुआ था अपना मास्क भी ठीक तरह से

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएच-तीन स्थित कोविड-19 अस्पताल (ईएसआई मेडिकल कॉलेज) की ओपीडी में कोरोना पॉजिटिव एक महिला अपने पति के साथ पहुंच गई और हंगामा करने लगी। जिस पर मेडिकल कॉलेज में सहायकत प्रोफेसर ने हंगामा होते देखकर जांच की, तो मालूम हुआ कि महिला पॉजिटिव थी। उन्होंने तुरंत पुलिस को फोन करके महिला और उसके पति के खिलाफ जानबूझकर कोरोना फैलाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवा दिया।

पुलिस को दी अपनी शिकायत में डॉ. दीपाली ने बताया कि वह अपने कार्यालय में बैठी थीं, तभी शोर सुनकर वे बाहर आईं। बाहर एक महिला और उसके पति ने शोर मचाया हुआ था। डा. दीपाली उनके पास पहुंचीं तो महिला का ओपीडी कार्ड देखकर वे सन्न रह गई। ओपीडी कार्ड पर उसे कोरोना पॉजिटिव लिखा था। डॉ. दीपाली के मुताबिक वह महिला खुद भी डाक्टर है। उसे अच्छी तरह मालूम है कि उसके कोरोना पॉजिटिव होने से दूसरे लोग भी चपेट में आ जाएंगे। इसके बावजूद वह बवाल कर रही थी। उसने डॉ. दीपाली को भी इस बारे में नहीं बताया। इस कारण डॉ. दीपाली ने उसे समझाने के चक्कर में शारीरिक दूरी भी सुनिश्चित नहीं कर पाईं। आरोप है कि उस महिला ने अपना मास्क भी ठीक तरह नहीं लगाया हुआ था। वहीं उसके साथ आए पति ने मास्क लगाया ही नहीं था। डॉ. दीपाली की शिकायत पर आरोपी महिला व उसके पति के खिलाफ महामारी अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

नई पहल : पुलिस का 'अपराधी सुधार कार्यक्रम'

वैचारिक परिवर्तन से व्यक्ति के आचार, विचार और व्यवहार को बदला जा सकता है : सीपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त कार्यालय में तैनात सभी अधिकारी व शाखा प्रभारियों की एक संगोष्ठी के दौरान उनके नियमित कार्य निष्पादन की जानकारी लेने उपरांत पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा विचार-विमर्श किया गया। जिसमें विभिन्न अभियोगों में संलिप्त अपराधियों का विश्लेषण करके देखा जाए कि किन-किन अपराधियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड नहीं है, क्योंकि कुछ लोग किसी के द्वारा अकस्मात उत्तेजना दिलाए जाने के कारण आवेगवश, कुछ लोग आपराधिक प्रवृति के लोगों के संपर्क में आने के कारण, कुछ नशे आदि की लत के कारण तथा कुछ लोग गरीबी और किसी अन्य मजबूरी से अपराध कर बैठते हैं, जबकि उनका पेशा या प्रवृति अपराध करने की नहीं है।

लेकिन ऐसे लोग जेल जाकर आपराधिक प्रवृति या पेशेवर अपराधियों के संपर्क में आकर आपराधिक प्रवृति को अपना लेते हैं। विचार करके देखा जाए तो पता चलता है कि एक अपराधी समाज के लिए कितना नुकसान दायक है और सरकार तथा प्रशासन को उसे पकड़ने, काबू में रखने व सुधारने के लिए कितना अमला और पैसा लगाना पड़ता है। अगर इसके सुधार की प्रक्रिया को इस दृष्टिकोण से देखा जाए कि व्यक्ति अपने विचारों के अनुसार कार्य करता है। अगर विचार असामाजिक होंगे तो व्यक्ति असमाजिक और विचार सामाजिक होंगे तो व्यक्ति सामाजिक कार्य करेगा। भावार्थ यह हुआ कि विचार परिवर्तन के माध्यम से एक असामाजिक या आपराधिक प्रवृति के व्यक्ति को एक सामाजिक इनसान या उत्तम नागरिक बनाया जाना सरल और स्थाई उपाय है।

इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए फरीदाबाद पुलिस 'इत्तेफाकन अपराधी सुधार कार्यक्रम' के माध्यम से ऐसे लोगों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करने की ओर अग्रसर है, जिसमें सेवा निवृत- न्यायाधीश, उच्च पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता, उद्योगपति, जेल अधीक्षक, अपराध शास्त्री और धर्म गुरूओं के व्याख्यानों, योग और अध्यात्म के माध्यम से ऐसे अपराधियों को छोटे-छोटे ग्रुपों में बुलाकर उनमें वैचारिक परिवर्तन लाकर उन्हें एक उत्तम नागरिक बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

पैदल गश्त कर मनाया पुलिस फ्लैग दिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस फ्लैग दिवस के चौथे दिन फरीदाबाद पुलिस के सभी अधिकारियों, थाना प्रबंधक, पुलिस चौकी इंचार्ज और उनके अधीन तैनात सभी पुलिसकर्मियों ने दिन व रात मे 5-5 किलोमीटर पैदल गस्त की। जैसा की विधित है फरीदाबाद पुलिस लगातार 10 दिन पुलिस फ्लैग दिवस का आयोजन कर रही है प्रत्येक दिन पुलिस विभाग अलग-अलग तरह की गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इस प्रोग्राम के मद्देनजर पुलिस फ्लैग दिवस के चौथे दिन 5 किलोमीटर पैदल गस्त धार्मिक स्थल, बाजार एवं भीड़ भाड़ वाली जगह इत्यादि पर की गई। इस दौरान प्रत्येक महिला थाना ने भी अपने अपने एरिया में पैदल गस्त की। अपने अपने एरिया में पैदल गश्त के दौरान पुलिस ने रास्ते में मिलने वाले लोगों से बातचीत कर साइबर क्राइम, चोरी- ठगी से बचने के बारे में जागरूक किया और उनका हाल-चाल भी जाना। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस फ्लैग दिवस के आने वाले दिनों में पुलिस अलग-अलग तरह के कार्यक्रम आयोजित करेंगे जैसे कि रन फॉर यूनिटी, ब्लड डोनेशन कैंप, वाद विवाद प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया जाएगा।

टीबी उपचार के लिए नई पहल जरूरी

यदि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का लक्ष्य प्राप्त करना है तो तपेदिक रोग के लिए डीओटी पर कम निर्भरता और वीओटी की अधिक स्वीकार्यता तथा अन्य रोगी केंद्रित उपचार पद्धतियों की आवश्यकता है।

स्वप्ना मजूमदार
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

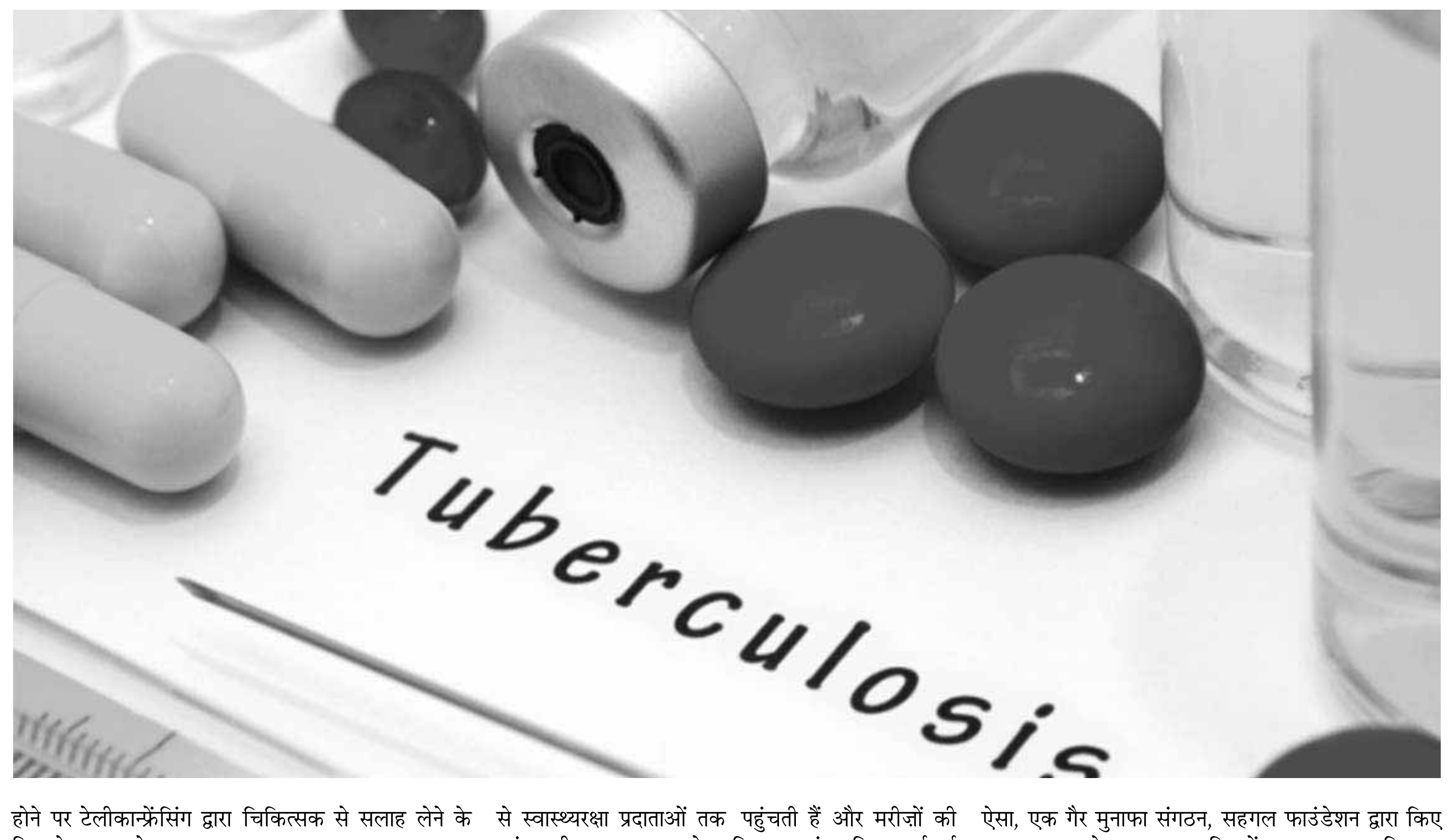

तपेदिक (टीबी) से पीड़ित होने की बात पता चलने के उपरांत, नियाम मोहम्मद को मानकीकृत प्रत्यक्ष उपचार अल्पकालीन कोर्स (डीओटी) का पालन करने को कहा गया। शुरुआत में, उसने कार्यप्रणाली का पालन किया, जिसका अर्थ था डीओटी प्रदाता (स्वास्थ्यरक्षाकर्मी अथवा स्वयंसेवी) के सामने टीबी की दवाएं लेना। ऐसा उपचार का पालन करने एवं उसे पूर्ण करना सुनिश्चित करने एवं दवा-प्रतिरोधी टीबी (डीआरटीबी) को विकसित होने से रोकने के लिए किया गया था। लेकिन उसके लिए, दवाएं लेने के लिए दैनिक रूप से स्वास्थ्यरक्षा केंद्र जाना और अनुपालन के पंजीकरण का अर्थ था काम के कई घंटे बर्बाद होना। एक निर्माण कर्मी के तौर पर, मोहम्मद का बचना उसकी दैनिक आमदनी पर निर्भर था और वह आय के इस नुकसान को सहन नहीं कर सकता था, तो वह न केवल स्वास्थ्यरक्षा केंद्र जाने बल्कि उपचार के प्रति प्रतिबद्धता के मामले में भी धीरे-धीरे अनियमित हो गया। अत:, यह आश्चर्य की बात नहीं थी कि जब उसे मार्च में घर-घर जाकर टीबी परीक्षण कार्यक्रम के दौरान डीआरटीबी से प्रभावित पाया गया। यह महसूस करते हुए कि काउंसेलिंग तथा व्यवहार परिवर्तन उसे वापस लाइन पर लाने के लिए आवश्यक था, विकास के लिए तकनीक का प्रयोग करने वाले एक सामाजिक उद्यम, जेडएमक्यू ग्लोबल, जिसने परीक्षण अभियान का संचालन किया था, उसे अपने दायरे में ले लिया।

एक बार जब टीम ने समझ लिया कि मोहम्मद द्वारा व्यवस्था का पालन करने की संभावना अधिक है यदि उसे काम का हर्जा न करना पड़े, उसे नवीन पहल के अंतर्गत पेशेंट एक्टिव कम्प्लायंस एंड ट्रीटमेंट (पैक्ट) औजार किट, एक मरीज-केंद्रित मोबाइल समाधान दिया जो खासकर डीटीआरबी प्रभावित लोगों के लिए प्रारूपित किया गया है। पैक्ट का इस्तेमाल करके निर्माण कर्मी को उपाचार के लिए काम का हर्जा नहीं करना पड़ा क्योंकि उसे रोज स्वास्थ्यरक्षाकर्मी के सामने उपस्थिति होने की जरूरत नहीं रह गई थी। इसके बजाए, वह यह दिखा सकता था कि वह दवा लेते समय एक वीडियो चला सकता था और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थित टीबी इकाई को वीडियो भेजने के लिए ऐप का इस्तेमाल कर सकता था।

जैसे ही मोहम्मद ने वीडियो आब्जर्व थेरेपी (वीओटी) का इस्तेमाल करते हुए अपना उपचार करवाना प्रारम्भ किया, कोविड महामारी के चलते देशव्यापी लाकडाउन घोषित कर दिया गया। लेकिन श्रमजीवी को पता था कि उसे उपचार को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि उसे पिछले दो महीनों तक उपचार दिया जा चुका था। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, मरीज को पता था कि वह कोई भी समस्या होने पर टेलीकान्फ्रेंसिंग द्वारा चिकित्सक से सलाह लेने के लिए ऐप का इस्तेमाल कर सकता था।

ऐसे समय पर जब भारत में 51 प्रतिशत टीबी के मरीज़ों, जिनका सर्वेक्षण टीबी ऐक्टिविस्टों के वैश्विक गठबंधन द्वारा किया गया था, ने कहा कि महामारी के दौरान उन्हें चिकित्सा देखभाल कराने की संभावना काफी कम थी क्योंकि कोरोना संक्रमण का डर था, ऐसे में डीआरटीबी देखभाल एवं प्रबंधन तक लगातार पहुंच सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उपचार तथा देखभाल को सीधे मरीजों के हाथों में देने के लिए टेलीमेडिसिन एवं रोगी केंद्रित मोबाइल उपकरणों की सुविधा उपलब्ध करा के, पैक्ट प्रतिबद्धता बढ़ाने में सफल रहा है।

जेडएमक्यू ग्लोबल द्वारा गहन शोध एवं परीक्षणों के उपरांत मुद्दे को संबोधित करने के लिए तीन प्रकार की रणनीति अपनाई। तकनीकी समाधानों को विकसित करने में अपनी दक्षता का इस्तेमाल करते हुए, उसने सर्वप्रथम एक रोगी औजार किट बनाई। इसमें एक घटक शामिल था जो डीआरटीबी मरीजों को दैनिक रूप से दवाएं लेने की आवश्कयता याद दिलाता है तथा वीओटी तकनीक के द्वारा अनुपालन की जानकारी देता है। उसके पास व्यक्तिगत विवरणों के साथ मरीज़ के विशिष्ट रूप से निर्मित आंकड़े होते हैं जैसे कि पूर्व की बीमारी का इतिहास, उपचार व्यवस्था, परीक्षण रिपोर्टें आदि।

यह सुनिश्चित करता है कि सभी जानकारियां निर्बाध रूप से स्वास्थ्यरक्षा प्रदाताओं तक पहुंचती हैं और मरीज़ों की पहुंच भी उन उपचार के इतिहास एवं अग्रिम कार्रवाई अनुसूची तक हो जाती है। दूसरे, ऐप के द्वारा मरीज़ दूर बैठकर वीडियो संपर्क उपकरण के द्वारा टीबी उपचार इकाई अथवा वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक से जुड़ जाता है। इसका अर्थ होता है कि टीबीयू तक आवागमन को कम किया जा सकता है और भारत में महामारी के धीमे पड़ने के संकेत न होने के कारण, रोग प्रतिरोधक क्षमता के अभाव वाले मरीजों के लिए यह जीवन रक्षक कारक साबित हो सकता है।

उपचार प्रक्रिया का पालन बढ़ाने के लिए तीसरी रणनीति है डिजिटल बर्ताव से संप्रेषण में बदलाव तथा डीआरटीबी रोगियों के लिए अभिप्रेरक सामग्री। रोचक डिजिटल कहानियां, सीखने के उपकरण एवं संदेश स्थानीय भाषाओं में विकसित किए जा रहे हैं और मरीजों को जोड़ने, संलिप्त करने एवं अभिप्रेरित करने के लिए श्रव्य-दृश्य रूप से पैकेज किए जाते हैं। इस तरह से, निम्न साक्षरता स्तर वाले लोग भी आसानी से ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

वर्तमान समय में, पैक्ट का उपयोग नूह (मेवात), हरियाणा में किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से मात्र 100 किलोमीटर दूर स्थित है और भारत का सर्वाधिक पिछड़ा जिला माना जाता है। 2018 में, इसे नीति आयोग की आकांक्षी जिलों की सूची में शामिल किया गया था अथवा ऐसे पिछड़े जिले की सूची में जो खराब स्वास्थ्यरक्षा एवं विकास संकेतकों के चलते विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है। ऐसा, एक गैर मुनाफा संगठन, सहगल फाउंडेशन द्वारा किए गए अध्ययन के बाद हुआ, जिसमें पाया गया था कि यह जिला हरियाणा के अन्य जिलों से भी पिछड़ गया है। नूह में प्रतिवर्ष 28,00 तपेदिक के मरीज आते हैं। डीआरटीबी रोगियों के उपचार की शुरुआत 24 प्रतिशत तथा उपचार सफलता दर केवल 35 प्रतिशत होने के कारण, नूह में सबसे पहले पैक्ट लागू करने का निर्णय लिया गया था। योजनाकारों का मानना है इस जिले में यदि कोई चीज कारगर होती है तो उसको भारत के 114 अन्य आकांक्षी जिलों में लागू किए जाने की क्षमता है।

पहल की शुरुआत को मात्र सात महीने हुए हैं लेकिन पहले से ही ऐसे संकेत मिल चुके हैं कि पैक्ट अनुपालन एवं प्रतिबद्धता को बढ़ा रहा है। मोहम्मद, नूह के 120 डीआरटीबी रोगियों में से एक है, जिसने वीओटी तकनीक का इस्तेमाल करते हुए 85 प्रतिशत इलाज का अनुपालन दर्ज कराया है। लाकडाउन खुलने के बाद वह अपने काम पर वापस लौटा और उसे अपने उपचार के मार्ग में बाधक नहीं बनने दिया। वह अब निर्माण कार्य स्थल से दवा लेने से संबंधी अपने वीडियो स्वास्थ्यरक्षा केंद्र को भेजता है। यद्यपि मोहम्मद को एक सफल मामला माना जाता क्योंकि उसने अपना व्यवहार बदला और उपचार के मानकों का पालन किया, टीम उसकी निगरानी करती रहती है। क्योंकि वह डीआरटीबी से प्रभावित है, उसे अधिक लंबे समय तक एवं ज्यादा जटिल उपचार अवधि से गुजरना पड़ेगा। टीम सुनिश्चित करना चाहती है कि श्रमजीवी अंत तक चौकन्ना रहे, अत: वह अगले छह महीनों तक उसकी निगरानी करना जारी रखेगी क्योंकि पैक्ट के अधीन आने वाले सभी रोगियों की कम सक कम एक वर्ष तक निगरानी की जाती है।

जो डीआरटीबी से पीड़ित होने की पहचान होने के बाद उपचार से गुजर रहे हैं पैक्ट रोगाणु के आलोक में उन्हें उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से प्रारूपित किया गया है। उसने हाल ही में एक बड़ी दवा कम्पनी जॉनसन एंड जॉनसन की ग्लोबल पब्लिक हेल्थ तथा जॉनसन एंड जॉनसन पहल द्वारा संस्थागत दवा प्रतिरोधक टीबी लाइफलाइन क्विकफायर चैलेंज जीता है। गैर मुनाफा संगठन के संह संस्थापक हिल्मी कुरेशी के अनुसार, उन्होंने समाधान को रोगी-केंद्रित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। चूंकि वे भारत तथा अफ्रीका के अन्य हिस्सों में टीबी तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए मोबाइल तकनीक समाधन मुहैया कराने में लगे हुए हैं, उन्होंने मरीजों के हाथों में उचित औजार मुहैया कराने के लिए अस्तित्वमान निचलल पादन से ऊपर तक ले जाने वाली तकनीक से जुड़े मॉडल को अपनाया है। इस काम के लिए इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता था क्योंकि हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम ने अपनी वैश्विक रिपोर्ट में आगाह किया है कि महामारी 2020 में 1.8 मिलियन टीबी पीड़ितों की मौतों का कारण बन सकती है। भारत उन देशों में से एक है जिस पर इन मौतों का सर्वाधिक बोझ पड़ने की संभावना है।

नवीन पहलकदमियों की आवश्यकता को फेफड़ों के स्वास्थ्य पर हाल ही में आभासी रूप से आयोजित किए गए 51वें यूनियन विश्व सम्मेलन में भी हरी झंडी दी गई है। इस सम्मेलन का संयोजन इंटरनेशन यूनियन अगेंस्ट टीबी एंड लंग डिजीज (दि यूनियन) द्वारा किया गया था जो दुनिया का सहला वैश्विक स्वास्थ्स एनजीओ है। नागरिकों के स्वास्थ्य में निवेश करने तथा रोकथाम के योग्य, उपचार योग्य एवं ठीक हो जाने वाली टीबी जैसी बीमारी को पराजित करने में विफलता नोवल कोरोनावायरस तथा भावी महामारियों के प्रभाव की संभावना में वृद्धिकारी है, यह कहना है दि यूनियन के कार्यकारी निदेशक, जोसे लुई कास्ट्रो का।

75 प्रतिशत टीबी शोधकर्ताओं का कहना है कि उनके पास आवश्यक संसाधन नहीं है, ऐसे में वर्तमान संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता बेहद अहम हो जाती है। इस चिंता को मैकगिल विश्वविद्यालय टीबी केंद्र के निदेशक, डॉ मधुकर पाई, ने उजाकर किया है कि टीबी की दवाएं, टीके, यहां तक कि स्पुटम कप भी संभवत: उपलब्ध न हों। ऐसे में पैक्ट जैसे टीबी रोकथाम एवं देखभाल के नए उपकरण अधिक जरूरी हो जाते हैं। इससे पहले इस नवीन पहल पर आधारित उपकरण किट की आवश्यकता इतनी नहीं थी, यह ध्यान में रखते हुए कि कोरोना के दौर में स्वास्थ्यरक्षा केंद्रों में आवागमन एवं स्वास्थ्यरक्षा कर्मियों से संपर्क कम से कम करने की अनिवार्यता है।

यदि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का लक्ष्य प्राप्त करना है तो तपेदिक रोग के लिए डीओटी पर कम निर्भरता और वीओटी की अधिक स्वीकार्यता तथा अन्य रोगी केंद्रित उपचार पद्धतियों की आवश्यकता है।

कोरोना संक्रमण से बढ़ा कैंसर का खतरा

भारत में अधिकांश कैंसर मरीजों के निदान में विलंब होता है। ऐसे में कोरोनावायरस वैश्विक महामारी से कैंसर के निदान और इलाज में खतरा बढ़ गया है। ऐसे में भारत जैसे देश में स्थिति और गंभीर हो सकती है

वेदांत काबरा
(लेखक सर्जिकल आंकोलाजी के विभागाध्यक्ष हैं)

इस वर्ष अप्रैल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक छोटे कस्बे की पचपन वर्षीय महिला को स्तन में बिना दर्द वाली छोटी सी गांठ का अनुभव हुआ। लेकिन कोरोनावायरस के कारण लागू लाकडाउन तथा अस्पताल जाने पर संक्रमण के भय से वह डाक्टर के पास नहीं गई। लाकडाउन में रियायत के बावजूद उसका परिवार चिकित्सा सलाह के लिए दिल्ली जाने से डर रहा था। इस कारण जब वह चार महीने बाद कैंसर विशेषज्ञ के पास पहुंची तो कैंसर तेजी से बढ़ कर तीसरे चरण में पहुंच गया था और उसका जीवन खतरे में पड़ गया था। दुर्भाग्य से यह गंभीर रूप से बीमार रोगी के निदान में विलम्ब का अकेला मामला नहीं है। ऐसे रोगियों की संख्या बहुत है। महामारी की शुरुआत में कैंसर क्लीनिकों में आने वाले रोगियों की संख्या में भारी कमी आई और संपूर्ण लाकडाउन में रियायत के बावजूद यह काफी समय तक कम रही। लेकिन अब एक ब्रिटिश दानदाता संगठन ने अनुमान लगाया है कि लगभग एक मिलियन ब्रिटिश महिलाओं में स्तन कैंसर का सही समय पर निदान नहीं हो पाया है। ऐसे में भारत जैसे देश में स्थिति और गंभीर हो सकती है क्योंकि यहां स्तन कैंसर का निदान काफी बाद में हो पाता है। कोरानावायरस महामारी के कारण निदान व इलाज में और ज्यादा विलम्ब हुआ है। इसका नकारात्मक असर कैंसर रोगियों की जीवन प्रत्याशा पर हो सकता है।

भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर तुलनात्मक रूप से सामान्य है और सभी प्रकार के कैंसर में यह 28 प्रतिशत है। देश में हर चार मिनट में एक महिला में इस कैंसर का निदान होता है तथा हर 13 मिनट में एक महिला की जान चली जाती है। अनुमान है कि 2018 में इसके कारण 87,000 महिलाओं ने प्राण गंवाए। अनेक कारणों से पिछले 25 साल में बीमारी का प्रकोप बहुत बढ़ा है जिनमें बढ़ता शहरीकरण, आरामदेह जीवनशैली, प्लास्टिक बर्तनों व माइ क्रोवेव ओवनों का प्रयोग, मुटापे में बढ़ोत्तरी, शारीरिक गतिविधियों में कमी, बच्चा पैदा करने की आयु में विलम्ब तथा स्तनपान में कमी शामिल हैं। इसके साथ ही धूम्रपान, मदिरापान व जंक फूड के प्रयोग से भी खतरा बढ़ रहा है। भारत में अधिक मृत्यु दर का कारण बहुसंख्य रोगियों में निदान देर से होना तथा उपयुक्त इलाज न मिलना है। कम आयु में स्तन कैंसर पाए जाने की घटनायें चिन्ताजनक रूप से बढ़ी हैं। शहरी भारत में लगभग आधी रोगी पचास साल से कम आयु की हैं। लक्षणों के बारे में जागरूकता की कमी, समग्र व व्यापक स्क्रीनिंग कार्यक्रम का अभाव तथा सामाजिक पूर्वाग्रह भी देर में निदान के कारण हैं। दुर्भाग्य से कोरोनावायरस वैश्विक महामारी के कारण अनेक गैर-कोरोना बीमारियों के निदान व इलाज में विलंब हुआ है जिनमें सभी प्रकार के कैंसर शामिल हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य को वैसे भी अनेक परिवारों में प्राथमिकता नहीं दी जाती है और वे बीमारी की नियमित जांच कराने के लिए अस्पताल जाने से बचती हैं।

कोरोनावायरस एक दीर्घकालीन समस्या है और निकट भविष्य में यह बनी रहेगी। ऐसे में महामारी पर नियंत्रण के साथ सभी सं क्रामक बीमारियों के इलाज पर ध्यान देना उच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकारों व स्वास्थ्यरक्षा प्रदाताओं को नीतिगत निर्णय लेते हुए अन्य गंभीर बीमारियों के निदान व इलाज पर ध्यान देना होगा। शिक्षित लोगों को भी स्वास्थ्य स्थितियों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए तथा इलाज में आने वाली बाधायें दूर करनी चाहिए। यह भी समान रूप से महत्वपूर्ण है कि अस्पतालों में गैर-कोरोनावयरस इलाज में बाधा न आने पाए। इसके लिए जनता में अस्पतालों में व खासकर ओपीडी में कोरोना से सुरक्षा के प्रति विश्वास पैदा किया जाना चाहिए। खुशी की बात है कि निदान व इलाज की परिष्कृत विधियों से दुनिया भर में स्तन कैंसर रोगियों का जीवन बचाने में बड़ी सीमा तक सफलता मिली है। हालांकि, उनका जीवन कैंसर के प्रकार, निदान के समय रोग के स्तर और इलाज की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। अनुमान है कि अमेरिका में निदान के बाद 90 प्रतिशत तक महिलायें पांच साल तथा 84 प्रतिशत 10 साल जीवित रह सकती हैं। लेकिन भारत में स्तन कैंसर रोगियों की जीवन प्रत्याशा अनेक कारणों से बहुत कम है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, 40 साल के बाद नियमित स्क्रीनिंग, स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली का पालन तथा अत्यधिक धूम्रपान का निषेध महत्वपूर्ण है।

अध्ययनों के द्वारा अनुमान लगाया गया है कि अमेरिका में निदान के बाद 90 प्रतिशत तक महिलायें पांच साल तथा 84 प्रतिशत 10 साल जीवित रह सकती हैं। लेकिन भारत में स्तन कैंसर रोगियों की जीवन प्रत्याशा अनेक कारणों से बहुत कम है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, 40 साल के बाद नियमित स्क्रीनिंग, स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली का पालन तथा अत्यधिक धूम्रपान का निषेध महत्वपूर्ण है।

नवीन तकनीकों से कोरोनावायरस महामारी के प्रकोप से बचने में सहायता मिल सकती है जिससे रोगियों की जीवन गुणवत्ता में सुधार होता है। अब स्तन कैंसर में सर्जरी का अर्थ पूरा स्तन निकालना नहीं है। 60-70 प्रतिशत रोगियों में कीमोथेरेपी के बाद या उसके पहले ब्रेस्ट कंजरवेशन सर्जरी संभव होती है। इसी प्रकार दो दशक पहले सभी रोगियों में आमतौर से आर्मपिट नोड हटाए जाते थे, पर अब ट्यूमर की उपस्थिति का पता लगाने वाली लिम्फनोड बायोप्सी से केवल प्रभावित नोड ही हटाए जाते हैं। इस प्रकार बाकी नोड बचे रहने पर कंधे सामान्य रूप से काम करते रहते हैं तथा हाथों की सूजन काफी सीमा तक कम हो जाती है। सर्जरी के साथ ही व्यक्तिगत रोगियों के अनुसार व्यवस्थित इलाज हो सकता है जिसमें कीमो, हारमोन, इम्यून व लक्षित चिकित्सा शामिल हैं। समान आकार के ट्यूमर वाली दो रोगियों में नतीजे एकदम अलग हो सकते हैं। नई निदान तकनीकों से स्तर कैंसर का बहुत जल्दी सटीक निदान संभव है जिससे रोगियों का जोखिम कम होता है। कम जोखिम वाले रोगियों को कीमोथेरेपी से बाहर रखा जा सकता है।

कैंसर रोगियों में कोरोनावायरस संक्रमण का खतरा अधिक होता है। यह खतरा बीमारी के इम्यूनो-सप्रेसिव चरण में और गंभीर हो जाता है जब कीमोथेरेपी का प्रयोग होता है। इसलिए यदि कीमोथेरेपी से बचाने वाले निदानों का समुचित प्रयोग किया जाए तो इससे रोगी इम्यूनिटी घटाने वाली कीमोथेरेपी से बचते हैं तथा उनको इसके लिए अस्पताल जाने से मुक्ति भी मिलती है। पिछले दशकों में रेडियेशन थेरेपी में भी व्यापक बदलाव आए हैं तथा आधुनिक मशीनों से सटीक रेडियेशन दिए जा सकते हैं। इससे फेफड़ों व हृदय को अत्यधिक रेडियेशन से बचाया जा सकता है तथा कुछ रोगियों में रेडियेशन देने का समय पांच सप्ताह से घटा कर दो सप्ताह किया जा सकता है। कनाडा में शोध से एक नई सस्ती तकनीक का पता चला है जिससे स्तन कैंसर से ग्रस्त महिलाओं को नियमित स्क्रीनिंग में रेडियेशन से बचाया जा सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस तकनीक में हानिरहित माइक्रोवेव तथा कृत्रिम बुद्धि साफ्टवेयर के प्रयोग से मिनटों में शुरुआती चरण पर छोटे ट्यूमरों का पता चल जाता है।

एक स्तन के ऊतकों की दूसरे स्तन के ऊतकों से तुलना कर यह व्यवस्था अत्यन्त संवेदनशील रूप से एक सेंटीमीटर से भी छोटे व्यास वाले स्थानों में विकृतियों का पता लगा सकती है। इसके नकारात्मक नतीजे से कैंसर को फौरन खारिज किया जा सकता है, जबकि सकारात्मक परिणाम के बाद मैमोग्राफी या मैग्नेटिक रिजोनेंस जैसे परीक्षणों की जरूरत होती है। इससे रोगियों द्वारा प्रतीक्षा का समय कम होता है तथा जल्दी निदान संभव हो जाता है। इस उपकरण से रेडियेशन से मुक्ति मिलती है, रोगी सहज अनुभव करता है तथा मैमोग्राम की अन्य जटिलताओं से भी राहत मिल सकती है। लेकिन यह तकनीक अभी शुरुआती चरण में है और इसके भारत आने में कुछ समय लगेगा। इस प्रकार जनता को समझना चाहिए कि कोरोनावायरस गंभीर महामारी है।

उनको ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही से बचते हुए नियमित चेकअप व खासकर कैंसर जैसे रोगों की आशंका होने पर डाक्टर से मिलने में विलम्ब नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही अस्पताल जाते समय पूरी सावधानी बरतना अब सामान्य बात हो जानी चाहिए।

मुझको भी लिफ्ट करा दे

राज्यसभा के लिए नामांकन शुरू हो गया है। भगवा दल के एक पदाधिकारी अदनाम सामी का गीत गा रहे हैं कि ऐसे वैसे को दिया है। अपनी भी कोई लिफ्ट करा दे। वह इसलिए क्योंकि कुलश्रेष्ठ हैं। कांग्रेस के गढ़ से आने वाले पदाधिकारी पर नेतृत्व को काफी भरोसा भी है। वह इसलिए क्योंकि पिछले राज्यसभा चुनाव में पार्टी ने उनका भी नामांकन करा दिया था। वह इसलिए क्योंकि उस समय जिनको राज्यसभा भेजा जाना था वह कोविड से पीड़ित थे। एक बार पर्चा दाखिल करने के बाद उनके मन में अरमान जगे कि शायद ऊपर वाला मेहरबान ही हो जाए और प्रदेश पदाधिकारी से सीधे उनको राज्यसभा में जाने का अवसर मिले लेकिन ऊपर वाला मेहरबान नहीं हुआ। अब एक बार फिर राज्यसभा के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में पदाधिकारी महोदय अब प्रभु की माला जप रहे है कि कोई तो लिफ्ट करा दें।

नमक का कर्ज

अपने संस्थान में मैनेजमेंट गुरु की एक खोज ने आजकल उनको परेशान कर दिया है। इस परेशानी का जिक्र मैनेजमेंट गुरु सार्वजिनक तौर पर कर भी चुके हैं। इस परेशानी से निजात पाने के लिए मैनेजमेंट गुरु ने खबरी की खोज के लिए अपने कैबिनेट के एक मंत्री को यह जिम्मेदारी सौंप रखी है। कभी समाप्त न होने वाली अनंत ऊर्जा को लेकर सुर्खियों में आई यह मंत्री खबरी की खोज के लिए खबरची का सहारा ले रही है जिससे पता चल जाय कि भेदिया कौन है। वह सुबह फोन कर कुछ लोगों से जानने का प्रयास करती हैं कि आखिर वह भेदिया कौन है। लेकिन उन्हें यह नही पता कि खबरची का भी अपना धर्म है। वह अपने राज उनसे शेयर नहीं कर सकता है और न ही अपने सूत्र का खुलासा कर सकता है। अब मंत्री को कौन समझाए कि जितना दिमाग आप भेदिया की खोज करने में लगा रही हैं अगर उतना दिमाग आप उपलब्धि पर दे देती तो इस तरह की शिकायत न आती। ऐसा नहीं है कि कमी से वह वाकिफनही हैं। उन्हें पूरी जानकारी है पर दिक्कत यह है कि उन्हें नमक का कर्ज भी तो अदा करना है।

खुशी के साथ फिक्र

यूपी कैडर के एक बडे अधिकारी की अभी पिछले दिनों योगी सरकार ने काफी अच्छी जगह पोस्टिंग की है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद से इन्हें अलग थलग बेकार के विभागों में डाल रखा गया था। अचानक मिली अच्छी पोस्टिंग के पीछे की वजह इस अधिकारी को समझ में नहीं आ रही है। उनका कहना है कि न तो इस पोस्टिंग के लिए उन्होंने कोई जुगाड़ लगाया और न ही खुद कोई कोशिश की। इसके बाद भी उन्हें अहम पोस्टिंग न जाने कैसे मिल गई। यह अधिकारी अपने करीबियों से मलाईदार पोस्टिंग होने पर आश्चर्य जताते है। पीसीएस संगठन की कमान थामे यह अधिकारी पिछले दिनों संगठन की कुछ मांगों को लेकर सीएम योगी से मिले थे। मिलने के बाद मांगों पर तो कुछ नहीं हुआ लेकिन उन्हें अहम पद की जिम्मेदारी जरूर मिल गई। फिलहाल तात्कालिक रूप से अच्छी पोस्टिंग मिलने के पीछे की वजह एसोसिएशन की मांगों को लेकर सीएम से मुलाकात को बताया जा रहा है लेकिन इस अधिकारी के एक शुभचिन्तक ने उन्हें बधाई देने के साथ साथ आगाह भी कर दिया है। शुभचिन्तक का कहना है कि अधिकारी को जिस विभाग में अहम पद दिया गया है उस विभाग के माध्यम से योगी सरकार माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर निर्माण को गिरवा रही है। शुभचिन्तक का कहना है कि कहीं अच्छी तैनाती देकर इस अधिकारी का अपराधियों के खिलाफ सरकार इस्तेमाल तो नहीं करना चाहती। बहरहाल शुभचिन्तक की सलाह ने इस अधिकारी को चिन्ता में डाल दिया है।

पानी की आस

बात बात पर लोगों को पानी पिलाने का आश्वासन देने वाले ठाकुर साहब आजकल बिहारी बाबू बन गए हैं। आजकल उनका अधिकतर समय बिहारियों के बीच गुजर रहा है और वहीं पर वे अपने ज्ञान की वर्षा कर रहे हैं। ठाकुर साहब इस समय बिहारियों के बीच में कभी आकाशगंगा तो कभी जीव और आत्मा का प्रवचन करके लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर उनके प्रदेश में पानी की चाहत रखने वाले ठाकुर साहब उनके पानी दिए जाने के आश्वासन में बैठे हुए हैं कि अब कब ठाकुर साहब आएंगे और हमें पानी मिलेगा। वैसे तो बिहार जाने से पहले ठाकुर साहब कह गए थे की पानी की बूंद अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे लेकिन समस्या यहां यह है कि पहला व्यक्ति तो पानी को छोड़ें तो आगे पानी पहुंचे। ऐसी स्थिति में अब लोगों के पास ठाकुर साहब का ही सहारा है कि कब वह आएंगे और तब उन्हें पानी मिलेगा।

आह का असर

खाकी की तरह ही वर्दीधारी एक अन्य महकमा हमेशा से भ्रष्टाचार की गाथा लिखता रहा है। महकमे में सालों से एक नहीं दर्जनों साहूकार हैं जो लूट रहे हैं और अपना खजाना भर रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां साहूकारों का रोल मुख्यालय से लेकर जिलों में तैनात बड़े अधिकारी अदा कर रहे हैं और गरीबों की भूमिका में मातहत जवान हैं। देर से ही सही लेकिन जवानों की आह रंग लायी और भगवा सरकार के मुखिया की नजर भ्रष्टाचारियों पर पड़ गई। फिर क्या था। एक साथ दो दो भ्रष्ट कमांडेंट को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। भगवा सरकार की इस कार्रवाई के बाद महकमे में एक डीआईजी साहब को लेकर जबरदस्त चर्चा है। वजह यह है कि दो कमांडेंट जो बर्खास्त हुए हैं उनमें से एक की दो दो बार जांच डीआईजी साहब ने की थी। डीआईजी साहब ने दोनों बार उसे क्लीन चिट देते हुए पाक साफ बता दिया था लेकिन भगवा सरकार ने बर्खास्त कर दिया। अब अफसरों और कर्मचारियों के बीच खुसफुसाहट चल रही है कि आखिरकार डीआईजी साहब ने कृपा पर जो कृपा बरसाई उसके पीछे का राज क्या है।

यूपी-112 को कॉल कर दूसरों को मदद पहुंचाने वालों को डीजीपी ने किया सम्मानित

- 4500 पीआरवी रात-दिन प्रदेश के लोगों की सेवा में तत्पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में नारी सुरक्षा के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रम मिशन शक्ति के तहत शनिवार को यूपी.112 मुख्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यूपी.112 द्वारा महिलाओं के लिए दी जा रही सेवाएं, नई योजनाएं विषय पर हुए कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक हितेश चन्द्र अवस्थी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान बेहतर काम करने वाली 112 की महिला कर्मियों और मुसीबत में लोगों तक मदद पहुंचाने वाली समाज के विभिन्न क्षेत्र की महिलाओं को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

एडीजी 112 असीम अरुण ने बताया कि 4500 पीआरवी रात-दिन प्रदेश के लोगों की सेवा में तत्पर है। किसी ने दूसरों के लिए 112 को कॉल कर दवाई मंगवाई तो किसी ने परिवार से बिछड़ गए बच्चों को उनके परिवार से मिलवाया। समाज के लिए इस तरह अपना योगदान देने वाली मधु श्रीवास्तव , रश्मि मिश्रा , नमिता शुक्ला , प्रतिमा , मानसी अग्रवाल व प्रतिभा को पुलिस महानिदेशक ने प्रशस्तिपत्र दे कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त बेहतर काम करने वाली 112 कर्मियों संवाद अधिकारी प्रियंका कुमारी साहू , नेहा तिवारी , सुरेख वर्मा , शिल्पी यादव और सम्प्रेषण अधिकारी मुख्य आरक्षी तमन्ना खान , आरक्षी जयंती गंगवार , आरक्षी पंकज कुमार, उपनिरीक्षक देवेन्द्र कुमार मिश्र को भी पुलिस महानिदेशक ने सम्मानित किया। महिलाओं को सुरक्षित माहौल देना उद्देश्य: मिशन शक्ति के तहत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश भर की महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करना यूपी.112 का मुख्य उद्देश्य है। रात्रि में अकेली महिला को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए महिला स्कार्ट की सुविधा शुरू की गयी है।

राजधानी में शनिवार को नवरात्र पर लोगों ने कन्याओं को कराया भोज

प्रदेश में सत्ता संरक्षित दबंगों का हर तरफ आतंक: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज का परिचय अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार और चारों तरफभय, भ्रम का वातावरण हो गया है। हत्या, लूट, अपहरण और बलात्कार का बोलबाला है। बेतहाशा मंहगाई, अवरूद्ध विकास, बेकारी, किसानों की बर्बादी से जिंदगी दूभर हो गई है। फर्जी एनकाउण्टर, निर्दोषों के जीवन से खिलवाड़ पर कोई अफसोस नहीं। बच्चियों के साथ आए दिन दुष्कर्म की घटनाओं से हर परिवार दहला हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सत्ता संरक्षित दबंगों का हर तरफ आतंक है। सरकार के बड़े.बड़े नेताओं के संरक्षण में खनिज का काला धंधा चलता है। इस धंधे पर उंगली उठाते ही माफिया, सत्ताधीश और अफसरशाही का त्रिकोण सक्रिय हो जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में दलितों पर अत्याचार काफी बढ़ गए हैं। जिला हमीरपुर के कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम खरौंज निवासिनी सावित्री पत्नी स्वर्गीय भोला दलित बाल्मीकि समाज से है। पीड़िता ने अपनी व्यथाकथा समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ में आकर लिख कर दी है। उसका कहना है कि गांव के सवर्णों से झगड़े के फलस्वरूप उसके पति भोला बाल्मीकि की सुनियोजित तरीके से हत्या करा दी गई। उसका शव 23 मई 2020 को खेत में मिला जबकि वह 22 मई 2020 की सुबह घर से निकले तो वापस नहीं आए। अब इस बाल्मीकि परिवार को गांव छोड़कर जाने की धमकियां दी जा रही हैं।

अधिक संख्या में पॉजिटिव वाले जिलों में टेस्ट की संख्या बढ़ायी जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- मुख्य सचिव ने की कोविड-19 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

मुख्य सचिव आरके तिवारी ने अनलाक व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि कोरोना के कारण जिन मरीजों की हॉस्पिटल में मृत्यु हो रही है। उन सभी मामलों का सर्विलांस चेक किया जाए कि सर्विलांस टीम समय से पहुंची या नहीं तथा टेस्ट व इलाज शुरू होने में किसी प्रकार का विलम्ब तो नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त निजी चिकित्सालयों में जो मरीज टेस्ट में पॉजिटिव पाये जाते हैं। उसकी सूचना मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर को समय से दी जा रही है या नहीं इसकी भी पड़ताल की जाए। निजी प्रयोगशालाओं में जांच में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की सूचना लैब द्वारा इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर व सीएमओ को अनिवार्य रूप से भेजी जा रही है अथवा नहीं, इसकी भी जांच कर अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन जिलों में अधिक पॉजिटिव केस आ रहे हैं। वहां टेस्ट की संख्या बढ़ा दी जाये।

उन्होंने निर्देश दिये कोविड हॉस्पिटल्स में ऐसे सभी चिकित्सक एवं पैरा मेडिकल स्टाफजो कि पीपीई किट पहनकर मरीजों को देखने व इलाज के लिए कोविड वार्ड में जाते हैं। वह अनिवार्य रूप से अपने नाम व पदनाम की पट्टिका अवश्य लगाएं ताकि मरीजों व तीमारदारों को इसकी पूरी जानकारी रहे तथा कोविड चिकित्सालयों में स्थापित सीसीटीवी फुटेज का भी नियमित अवलोकन किया जाए कि मरीजों के इलाज, भोजन, साफ-सफाई आदि सेवाओं में कोई कमी तो नहीं है और इलाज व हॉस्पिटल की सेवाओं से मरीज व उनके परिजन पूर्णतया संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि कोविड काल में विभिन्न विभागों द्वारा जो सराहनीय कार्य किये गये हैं तथा इलाज के फलस्वरूप स्वस्थ हुए मरीजों द्वारा जो फ ीडबैक दिया गया है उसका विभिन्न प्रचार माध्यमों द्वारा जन सामान्य तक पहुंचाया जाए।

लल्लू, प्रमोद तिवारी व मोना ने की प्रदेशवासियों के मंगलमय भविष्य की कामना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने विजयदशमी पर्व पर प्रदेशवासियों के मंगलमय भविष्य की कामना की है। लल्लू ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि दशहरा का पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय एवं असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है, अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता विजयादशमी का पर्व सदमार्ग पर चलने और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन भगवान श्री राम ने बुराई के प्रतीक रावण का वध किया था। आज ही के दिन मां भगवती देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। यह पर्व हमें भगवान राम के सिद्धान्तों पर चलने के लिए प्रेरित करता है। यह पर्व हमें समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने और सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। अंहकार, अन्याय और अवगुणों से दूर रहकर मानव कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। प्रमोद तिवारी तथा आराधना मिश्रा, मोना ने कहा है कि नवरात्रि का पर्व जहां मातृ शक्ति का द्योतक है, वहीं विजय का पर्व दशहरा हमें बुराई पर अच्छाई की एवं असत्य पर सत्य की तथा अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश देता है।

राज्यपाल ने विजय दशमी पर्व की बधाई दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विजय दशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके मंगलमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना की है।

राज्यपाल ने अपने बधाई सन्देश में कहा है कि बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक पर्व ष्विजय दशमीष् का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। हमें इससे प्रेरणा लेनी चाहिए कि सत्य के मार्ग का अनुसरण करते हुए बुराई से दूर रहें।

राज्यपाल ने अपील की है कि सभी लोग आपसी प्रेम, शांति और भाईचारे के वातावरण में पर्व मनायें। आनंदीबेन पटेल ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया है कि सभी लोग कोरोना महामारी के परिप्रेक्ष्य में सामूहिक आयोजन एवं भीड़भाड़ से बचें तथा सामाजिक दूरी बनाते हुए मास्क का प्रयोग अवश्य करें।

यूपी में फिल्मसिटी प्रादेशिक फिल्मों के लिये साबित होगी वरदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकार द्वारा यूपी में फिल्म इंडस्ट्री की स्थापना से प्रदेश के स्थानीय कलाकारों में काफी उत्साह है। सरकार ने प्रदेश में विश्वस्तरीय फिल्म सिटी बनाने की घोषणा की थी और अब सरकार इस ओर बहुत तेजी से बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री योगी चाहते हैं कि शीघ्र ही सारी औपचारिकताएं पूरी कर फिल्म सिटी के निर्माण का कार्य जल्द से जल्द शुरु हो जाए।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में तकरीबन 70 फीसदी से अधिक अवधी, ब्रज एवं भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग भी हो रही है। निर्माताओं को मुबंई में लोकेशन के लिए काफी खर्च करना पड़ता है। स्टूडियो, डबिंग, मिक्सिंग गानों की रिकार्डिंग की जो सुविधा मिलेगी। फिल्मसिटी से एक छत के नीचे सारी सुविधाएं मिलने से स्थानीय निर्माताओं की बहुत सारी मुश्किलें दूर होंगी। प्रादेशिक भाषा की फिल्मो के लिए स्थानीय भाषा में पकड़ रखने वाले कलाकार भी मिल जाएंगे। कई मायनों में यूपी में फिल्मसिटी प्रादेशिक फिल्मो के लिये के लिए वरदान साबित होगी। फिल्मसिटी बनने से न सिर्फ फिल्मों का बजट भी काफी कम हो जाएगा साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों को बढ़ावा मिलेगा। मथुरा में माधवास रॉक बैंड के संस्थापक गायक निर्दोष सोबती का मानना है कि नोएडा में फिल्म सिटी एक बड़ा बेंचमार्क साबित हो सकती है। हमारे सीएम योगी अदित्यनाथ को सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति उनके अगाध प्रेम के लिए जाना जाता है। उम्मीद है की यूपी में बनने वाली ष्एंटरटेनमेंट इंडस्ट्रीष् में इस प्रेम की झलक ज़रूर देखने को मिलेगी। आशा है आने वाले दिनों में हमें कुछ सार्थक, प्रेरणादायक, ऐसा कुछ देखने को मिलेगा, जो हमें अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस कराएगा। दुर्भाग्य से यह सब अब बॉलीवुड में देखने को नहीं मिलता है। लेकिन अब, आशा बँधी है,हमारे आदरणीय श्री योगी जी बॉलीवुड की तमाम विसंगतियों के खिलाफ खड़े हो सकते हैं और कलाकारों को साफसुथरे और स्वस्थ मनोरंजक फिल्मो के निर्माण के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक बेहतरीन पहल। रियलिटी शो लेखक आनंद श्रीवास्तव के मुताबिक यूपी फिल्मसिटी के निर्माण से, चलचित्र सृजनकर्ताओं के लिए जन्मभूमि ही कर्मभूमि बनेगी। अब सपनो को पूरा करने के लिए सड़कों की दूरी नही सिर्फ रचनात्मक सफर तय करना होगा। ये कुछ ऐसा हुआ कि सपनो का रोजगार हम आपके द्वार पहुंच गया है, हमे झोला उठाकर किसी दूसरे राज्य में पलायन करने की आवश्यकता नही। हम कुछ समय पहले ऐसी कल्पना ही नही कर सकते थे, लेकिन माननीय योगी जी की दूरदर्शी सोंच, जनता के भविष्य के प्रति उनकी अभिभावक परक नीति ने यह अतुलनीय योजना बनाई। वरिष्ठ रंगकर्मी ललित पोखरिया यूपी फिल्म सिटी को रोजगार के सुअवसर के रूप में मानते हैं।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल का होगा सर्वांगीण विकास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी सरकार इस समय इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी और खासतौर पर एक्सप्रेस-वे की परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी कड़ी में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण ने स्पीड पकड़ ली है। यह एक्सप्रेस-वे गोरखपुर और आजमगढ़ को जोड़ेगा। महतवपूर्ण बात यह है कि आजमगढ़ में जहां पर यह एक्सप्रेस-वे समाप्त होगा वहां से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे गुजर रहा है।

यूपीडा के अनुसार यह एक्सप्रेस-वे गोरखपुर में गोरखपुर बाईपास एनएच 27 ग्राम-जैतपुर के पास से शुरू होगा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के चैनेज 190855 पर ग्राम सलारपुर के पास आजमगढ़ में समाप्त होगा। इस एक्सप्रेस वे की कुल लम्बाई 91.352 किमी है। यह गोरखपुर, अंबेडकरनगर, संतकबीरनगर और आजमगढ़ तक जाएगा। यह एक्सप्रेस-वे 4 लेन चौड़ा है जिसे 6 लेन तक विस्तार किया जा सकेगा। एक्सप्रेसवे के एक ओर 3.75 मीटर चौड़ाई की सर्विस रोड स्टैगर्ड रूप में बनाई जायेंगी जिससे परियोजना के आस-पास के गांव के निवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

इस एक्सप्रेस-वे के बीच में आमी, कुवानों, घाघरा और टांस नदी पड़ेगी। इस परियोजना में 2 टोल प्लाजा, 3 रैम्प प्लाजा, 7 फ्लाई ओवर, 16 व्हेकुलर अण्डरपास, 50 लाइट व्हेकुलर अण्डरपास, 35 पेडेस्ट्रियन अण्डरपास, 7 दीर्घ सेतु, 27 लघु सेतु तथा 389 पुलियों का निर्माण भी किया जायेगा। इस परियोजना को दो पैकेजों में वितरित किया गया है। पैकेज एक गोरखपुर बाईपास से प्रारम्भ होकर फुलवरिया अम्बेडकर नगर तक है। इसकी कुल लम्बाई 48.317 किमी है। कार्य की अनुबन्धित लागत 1774.09 करोड़ है। पैकेज 2 फुलवरिया अम्बेडकर नगर से प्रारम्भ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे आजमगढ़ तक है। इसकी कुल लम्बाई 43.035 किमी है तथा कार्य की अनुबन्धित लागत 1250.01 करोड़ है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे से होने वाला लाभ

लखनऊ। एक्सप्रेसवे के निर्माण से गोरखपुर क्षेत्र पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से लखनऊ, आगरा एवं दिल्ली तक त्वरित एवं सुगम यातायात कॉरिडोर से जुड़ जाएगा। साथ ही गोरखपुर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रवेश नियंत्रित होने से वाहनों के ईंधन खपत में महत्वपूर्ण बचत, समय की बचत एवं पर्यावरणीय प्रदूषण का नियंत्रण भी संभव हो सकेगा।

परियोजना से अच्छादित क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ ही कृषि, वाणिज्य, पर्यटन तथा उद्योगों की आय को बढ़ावा मिलेगा। एक्सप्रेसवे से अच्छादित क्षेत्रों में स्थित विभिन्न उत्पादन ईकाईयों, विकास केन्द्रों तथा कृषि उत्पादन क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने एके लि एक औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में सहायक होगा। एक्सप्रेसवे के निकट इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, मेडिकल संस्थान आदि की स्थापना के लिए भी अवसर सुलभ होंगे।

एक्सप्रेस-वे खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों, भण्डारण ग्रह, मण्डी तथा दुग्ध आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। परियोजना के लिए आवश्यक कुल 1094.65 हेक्टेअर भूमि के सापेक्ष अब तक कुल 994.68 हेक्टेअर भूमि अधिग्रहीत की जा चुकी है।। दोनों पैकेजों में कुल 34 लाख घन मीटर मिट्टी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। घाघरा नदी पर दीर्घ सेतु का निर्माण भी प्रारम्भ कर दिया गया है।

अच्छाई पर बुराई की विजय का प्रतीक है दशहरा का पर्व: कोविंद

● त्योहार पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें: नायडू

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को दशहरे की पूर्व संध्या पर देश के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार कोविड-19 महामारी के बुरे प्रभावों से सभी की रक्षा करे और देशवासियों के लिए समृद्धि लाए। कोविंद ने कहा कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह त्योहार पूरे भारत में अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक एकता को मजबूत करता है और हमें सद्भाव के साथ रहने तथा बुराई का त्याग करके सदाचार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। कोविंद ने कहा कि यह त्योहार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन एवं मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, उनका जीवन नैतिकता और नीतिपरायणता का शानदार उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आनंद और खुशी का यह त्योहार महामारी के बुरे प्रभावों से बचाए और देशवासियों के लिए समृद्धि और सम्पन्नता लाए। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा, दशहरे के पावन अवसर पर, मैं भारत और विदेशों में सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

दूसरी ओर उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को देशवासियों को दशहरे की पूर्व संध्या पर बधाई दी और लोगों से आग्रह किया कि वे कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए सादगी से इस पर्व को मनाएं। नायडू ने अपने संदेश में कहा, यह त्योहार हमें भगवान राम के मर्यादापूर्ण जीवन की याद दिलाता है, वे एक आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श राजा हैं और धर्म, सत्य, न्याय और नैतिकता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि दशहरा, परिवारों और मित्रों से मिलने और उत्सव मनाने का अवसर होता है। उन्होंने कहा, लेकिन इस साल कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण, मैं सभी नागरिकों से यह आग्रह करता हूं कि वे स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रोटोकॉल और निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए दशहरे को पारंपरिक श्रद्धा के साथ सादगी से मनाएं। उन्होंने कामना की कि यह पर्व देश में शांति, सद्भाव और समृद्धि लाए।

कोरोना वायरस के खिलाफ संघर्ष को बनाया गया दुर्गा पूजा का विषय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता शहर की प्रसिद्ध दुर्गा पूजा समितियों में से एक मोहम्मद अली पार्क दुर्गा पूजा समिति की दुर्गा पूजा इस बार कोरोना वायरस के खिलाफ संघर्ष के विषय पर आयोजित की गई है। समिति के संयुक्त सचिव अशोक ओझा ने पीटीआई-भाषा को बताया, हमने राक्षस महिषासुर को कोविड-19 की तरह कांटेदार आकार दिया है। वह कोरोनासुर है जिसे हमारी देवी दुर्गा परास्त करेगी। देवी की प्रतिमा के चरणों के पास दृश्यों को जीवंत बनाने के लिए कोविड योद्धाओं जैसे डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों और पुलिसकर्मियों की संरचनाएं बनाई गई हैं। ओझा ने कहा, इस महामारी में डॉक्टर, पुलिसकर्मी, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी जैसे कोरोना योद्धा अपनी जान खतरे में डालकर हमारे जीवन को सुरक्षित रखने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा, मोहम्मद अली पार्क की दुर्गा पूजा में प्रतिमाएं हमेशा से समसामयिक मुद्दों से प्रेरित रही है। इस वर्ष यह स्थिति और अधिक गंभीर है।

पटना में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रेसवार्ता करते छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हम देश विरोधी नहीं हैं

भाषा। श्रीनगर

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि हाल ही में गठित पीपुल्स एलायंस फॉर गुपकर डिक्लेयरेशन (पीएजीडी) एक भाजपा विरोधी मंच है न कि देश विरोधी। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि भाजपा द्वारा यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि पीएजीडी एक देश विरोधी मंच है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह सच नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह भाजपा विरोधी है लेकिन यह देश विरोधी नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर का पूर्ववर्ती विशेष दर्जा बहाल कराने के वास्ते संघर्ष करने के लिए पीएजीडी को बनाया गया है। इसके अध्यक्ष श्रीनगर से लोकसभा सांसद अब्दुल्ला चुने गए हैं। उन्हें पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के आवास पर हुई पीएजीडी की पहली बैठक के बाद अध्यक्ष चुना गया। अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने जैसे कृत्यों के माध्यम से संघीय ढांचे को तोड़ने की कोशिश की है। नेकां अध्यक्ष ने कहा, उन्होंने देश के संविधान को नष्ट करने की कोशिश की है, उन्होंने राष्ट्र को विभाजित करने की कोशिश की है, हमने देखा कि संघीय ढांचे को तोड़ने के लिए उन्होंने पिछले साल पांच अगस्त को क्या किया था। उन्होंने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह (पीएजीडी) एक देश विरोधी जमात नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों के अधिकार सुनिश्चित हों। यही हमारी लड़ाई है, हमारी लड़ाई इससे ज्यादा के लिए नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा जम्मू और देश के अन्य हिस्सों में पीएजीडी में शामिल घटकों के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा, वे धर्म के नाम पर हमें (जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों को) बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह प्रयास सफल नहीं होगा। यह धार्मिक लड़ाई नहीं है, यह हमारी पहचान की लड़ाई है और उस पहचान के लिए हम एक साथ खड़े हैं।

नक्सली हमले में पुलिस जवान की मौत

भाषा। नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सली हमले में पुलिस के एक जवान की मौत हो गई तथा एक अन्य जवान घायल हो गया। नारायणपुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिले के ओरछा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तादुर गांव के करीब नक्सली हमले में डीआरजी जवान संतु वड्डे की मौत हो गई जबकि बज्जु राम कचलाम घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ओरछा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। दल जब तादुर गांव के पास जंगल में था, तभी नक्सलियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की और कुछ देर तक गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि घटना स्थल पर भारी मात्रा में खून के निशान मिले हैं। इससे संकेत मिलता है कि इस घटना में कई नक्सली घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों ने नक्सली शिविर को नष्ट कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हरक सिंह रावत नहीं लड़ेंगे 2022 का उत्तराखंड विधानसभा चुनाव

देहरादून। उत्तराखंड के मंत्री हरक सिंह रावत ने कहा है कि वह 2022 में होने वाला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।रावत ने शुक्रवार को यहां अपने निवास में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को सूचित कर दिया है कि वह 2022 में होने वाला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। रावत के इस फैसले को उन्हें राज्य श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद से हाल में हटाए जाने से जोड़कर देखा जा रहा है।

क्विक न्यूज

मप्र की जेलों में कैदियों और उनके परिजनों की मुलाकात सुविधा एक नवंबर से होगी फिर शुरू

भोपाल। कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए लगाए गए प्रतिबंधो के बीच मध्यप्रदेश सरकार ने एक नवंबर से जेलों मे कैदियो की उनके परिजनो से मुलाकात की सुविधा फिर से शुरु करने की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश के जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को जारी एक आदेश मे राज्य शासन ने जेलो मे बंद कैदियो की उनके परिजनो से मुलाकात एक नवंबर से शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की है। अब कैदियो के परिजन जेलो मे जाकर उनसे मुलाकात कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस बीमारी से बचाव के लिए राज्य सरकार ने 21 अगस्त 2020 को जेलो में बंदियो की परिजनो से मुलाकात को 31 अक्टूबर तक प्रतिबंधित कर दिया था।शासन द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार बंदियो की परिजनो से मुलाकात के दौरान कोरोना वायरस से बचाव संबंधी राज्य सरकार के निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। इस बीच प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि प्रतिबंध के दौरान जेलों में शुरु की गई वीडियो कॉल सुविधा एक नवंबर के बाद भी जारी रहेगी।

सांसदों व विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सूची दो सप्ताह में पेश करने का अदालत का निर्देश

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने रजिस्ट्रार जनरल को पूर्व एवं मौजूदा सांसदों व विधायकों के खिलाफ अदालतो मे चल रहे आपराधिक मामलो की सूची दो सप्ताह के अंदर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। सहायक सॉलिसिटर जनरल जे के जैन ने बताया कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय यादव और न्यायमूर्ति सुजॉय पाल की पीठ ने रजिस्ट्रार जनरल को दो सप्ताह के अंदर पूर्व एवं वर्तमान सांसदो और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलो विशेष कर ऐसे मामले जिनमे स्थगन आदेश दिया गया है, की सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि अदालत ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के 16 सितंबर के आदेश के अनुपालन मे दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह निर्देश जारी किया।शीर्ष अदालत ने राज्यो से पूर्व और वर्तमान सांसदो तथा विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुक़द्दमो की प्रगति की निगरानी के लिए कहा था। उच्चतम न्यायालय ने अश्विनी कुमार उपाध्याय व अन्य बनाम भारत सरकार व अन्य के एक मामले की सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया था।

मौजूदा समय 1962 जैसा नहीं है: पेमा खांडू

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि मौजूदा हालात 1962 से अलग है और भले ही चीन इस क्षेत्र पर चाहे जितनी भी बार अपना दावा जताता रहे, राज्य की जनता तथा भारतीय सेना पीछे नही हटने वाली। खांडू ने 1962 के भारत-चीन युद्ध में शहीद हुए सैनिक सूबेदार जोगिन्द्र सिंह के सम्मान मे अरुणाचल प्रदेश मे भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित एकर्दे बूम ला मे शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम मे यह बात कही। उन्होंने कहा, यह 1962 नही, 2020 है। समय अब बदल चुका है। जम्मू-कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, हम पूरी तरह तैयार है। जरूरत पड़ी तो अरुणाचल प्रदेश के लोग भारतीय सेना के साथ खड़े होने के लिए भी तैयार है।

राहुल ने जीडीपी में गिरावट और नौकरियां जाने के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जीडीपी मे गिरावट और लोगो की कथित तौर पर नौकरियां जाने के मुद्दे को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री देश को सच्चाई से दूर भागना सिखा रहे है, जिसका नतीजा है कि लाखो लोगो की आजीविका चली गई। उन्होने एक खबर शेयर करते हुए ट्वीट किया, हमारे प्रधानमंत्री भारत को यह सिखा रहे है कि सच्चाई से कैसे दूर भागा जा सकता है। इसका नतीजा है कि लाखों लोगों की गरिमा और आजीविका चली गई। कांग्रेस नेता ने जो खबर साझा की है, उसके मुताबिक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने संकेत दिया है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नुकसान की भरपाई होने मे वर्षो का समय लग सकता है।

उत्तराखंड भाजपा ने राज्यसभा के लिए पांच नामों की सूची भेजी

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा ने राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले चुनाव के लिए उम्मीदवार का नाम तय करने के वास्ते पार्टी आलाकमान को पांच नाम की सूची भेजी है। प्रदेश भाजपा के सूत्रो ने बताया कि सूची मे पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडेय, पूर्व सांसद बलराज पासी, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष अनिल गोयल और पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेश बंसल का नाम शामिल है।

मदरसों के पक्ष में उतरा जमीयत उलेमा ए हिंद

नई दिल्ली(भाषा)। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने मध्य प्रदेश सरकार की एक मंत्री की ओर से मदरसों के संदर्भ में की गई हालिया नकारात्मक टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि भारत के मदरसों में मानवता एवं राष्ट्रीय एकता की शिक्षा दी जाती है। जमीयत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारित प्रस्ताव में यह दावा भी किया गया है कि नई शिक्षा नीति अल्पसंख्यकों के साथ धार्मिक रूप से भेदभाव करने वाली है। संगठन की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कार्यकारिणी की बैठक में विशेषकर नई शिक्षा नीति, मदरसों के खिलाफ नकारात्मक प्रचार, मदरसों में आधुनिक शिक्षा के लिए व्यवहारिक कार्यक्रम की तैयारी और सोशल मीडिया में धार्मिक घृणा वाले संदेशों के प्रसार पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बयान में कहा गया है, जमीयत महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने देश के वर्तमान हालात विशेषकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का सीएए को लागू करने से संबंधित बयान और असम सरकार की तरफ से सहायता प्राप्त मदरसों को सरकारी अनुदान बंद करने जैसे मामलों का उललेख किया और कहा कि इस तरह भेदभावपूर्ण कार्य निंदनीय हैं।

जमीयत के प्रस्ताव में कहा गया, यह बात किसी भी छुपी नहीं है कि मदरसों में मानवीयता और राष्ट्रीय एकता की शिक्षा दी जाती है। मदरसों से जुड़े लोगों का देश की आज़ादी में प्रमुख योगदान रहा है और आज भी मदरसे के लोग विभिन्न क्षेत्रों में देश की तरक्की के लिए अपनी अत्यधिक महत्वपूर्ण सेवाएं पेश कर रहे हैं। पिछले दिनों मध्य प्रदेश की अध्यात्म एवं संस्कृति मंत्री ने अपने बयान में मदरसों को सरकारी खजाने से मिलने वाली आर्थिक सहायता बंद किए जाने की पैरवी की थी। उन्होंने कथित तौर पर यह दावा भी किया कि देश के सारे कट्टरवादी और आतंकवादी मदरसों में पले-बढ़े हैं।

नई दिल्ली के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव

इमामगंज में पूर्व सीएम व बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष चुनाव मैदान में आमने-सामने

भाषा। गया (बिहार)

बिहार के नक्सल प्रभावित गया जिले में इमामगंज विधानसभा सीट (सुरक्षित) पर दूसरी बार कब्जा बरकार रखने के लिए प्रयासरत पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को चुनाव मैदान में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, यहां के एक पूर्व विधायक की पुत्र वधु भी चुनाव मैदान में है, जिससे इसबार मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावना जताई जा रही है।इमामगंज विधानसभा सीट, जहां पहले चरण में 28 अक्टूबर को मतदान होना है, कुल दस उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। हालांकि, मुख्य मुकाबला प्रदेश में सत्ताधारी राजग में शामिल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर के उम्मीदवार मांझी, महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे राजद के प्रत्याशी चौधरी और इस सीट से विधायक रह चुके रामस्वरूप पासवन की पुत्र वधु एवं लोजपा उम्मीदवार शोभा सिंह के बीच होने की संभावना है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कभी विश्वासपात्र रहे मांझी और चौधरी, पहले उनकी पार्टी जद (यू) में थे।मांझी, 20 मई 2014 से 20 फरवरी 2015 तक बिहार के 23वें मुख्यमंत्री रहे थे। फरवरी 2015 के राजनीतिक संकट के बाद मांझी को जदयू से निष्कासित कर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर नाम की नई राजनीतिक पार्टी बना ली। मांझी ने 2015 के चुनाव में चौधरी को करीब 30,000 मतों के अंतर से शिकस्त दी थी। मांझी तब राजग के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे, जबकि चौधरी पुराने महागठबंधन के उम्मीदवार थे जिसमें राजद और कांग्रेस के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू) भी शामिल थी।दलित नेता मांझी ने पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में मखदूमपुर विधानसभा सीट के साथ-साथ इमामगंज से भी चुनाव लड़ा था। पर वे मखदूमपुर सीट पर राजद उम्मीदवार सुबेदार दास से पराजित हो गए थे।वहीं, कभी नीतीश के विश्वासपात्र माने जाने वाले चौधरी ने जदयू के फिर से राजग में शामिल होने पर 2017 में राजद में शामिल हो गए और इसबार राजद के टिकट पर इमामगंज से चुनावी मैदान में हैं। इस बीच, चिराग पासवान की पार्टी लोजपा ने इमामगंज से पूर्व विधायक रामस्वरूप पासवान की पुत्र वधु और गया जिला परिषद की 2006 से 2011 तक पूर्व अध्यक्ष रहीं तथा इमामगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बांकेबाजार प्रखंड निवासी शोभा सिन्हा को चुनाव मैदान में उतारा है।

आईटीबीपी ने शक्तिशाली सेना होने का कुछ देशों का भ्रम तोड़ दिया

भाषा। ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)

● रेड्डी ने कहा, यह हमें सिखाती है कि शत्रु कभी भी और कही भी अपना सिर उठा सकता है। इसलिए हमें किसी भी अंदेशे का सामना के लिए तैयार रहना चाहिए। आईटीबीपी देश की उस तैयारी का एक अहम स्तंभ है

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को लद्दाख में चीन के साथ चल रहे गतिरोध की पृष्ठभूमि में कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने बीते कुछ महीनों के दौरान कुछ देशों का यह भ्रम तोड़ दिया कि उनके पास शक्तिशाली सेना है। रेड्डी आईटीबीपी के 59वें स्थापना दिवस के मौके पर बल के कर्मियों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि भारत वसुधैव कुटुम्बकम(धरती ही परिवार है) के दर्शन पर विश्वास रखता है और देश की संस्कृति हमें शास्त्र और अस्त्रै दोनों की पूजा करना सिखाती है। रेड्डी ने कहा, यह हमें सिखाती है कि शत्रु कभी भी और कहीं भी अपना सिर उठा सकता है। इसलिए हमें किसी भी अंदेशे का सामना के लिए तैयार रहना चाहिए। आईटीबीपी देश की उस तैयारी का एक अहम स्तंभ है। उन्होंने कहा, कुछ देशों की सेनाओं को यह भ्रम था कि वे विश्व की शक्तिशाली सेनाओं में शामिल हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों के घटनाक्रम के दौरान आईटीबीपी ने यह भ्रम तोड़ दिया है। मंत्री ने कहा कि देश और इसके नागरिकों को आईटीबीपी की वीरता और समर्पण पर गर्व है।आईटीबीपी भारत-चीन के बीच की 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रखवाली करने वाला विशिष्ट बल है।गौरतलब है कि आईटीबीपी ने कुछ समय पहले कहा था कि 15-16 जून को भारत और चीन के बीच हिंसक संघर्ष के दौरान उसने पूरी रात लड़ाई लड़ी थौ और चीन के पीएलए के सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। रेड्डी ने कहा कि बल सिर्फ सरहदों और देश की आंतरिक सुरक्षा की रखवाली नहीं कर रहा है, बल्कि देश के आर्थिक हितों की भी रक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारा देश शत्रूतापूर्ण पड़ोसियों से घिरा हुआ है और हमारे दुश्मन बार-बार हमारा आर्थिक विकास रोकने के लिए अड़ंगे लगाते हैं। जब आप दुश्मनों की इस योजना को पराजित करते हैं तो आप देश का आर्थिक विकास सुनिश्चित करते हैं। रेड्डी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार बल को मजबूत और आधुनिकै करने के लिए दृढ़ै है और उन्होंने हाल में बल को दी गईं कुछ मंजूरियों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आईटीबीपी को 47 सीमा चौकियों पर स्थापित करने के लिए, समान विशेष कपड़े और ज्यादा ऊंचाई वाले स्थानों के लिए पर्वतारोहण उपकरणों के वास्ते गृह मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है तथा आधुनिकतम हथियार प्रदान किए जा रहे हैं।मंत्री ने कहा कि केंद्र ने वित्त वर्ष 2019-20 में बल के लिए 7,223 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी थी।

आईटीबीपी के महानिदेशक सुरजीत सिंह देसवाल ने कार्यक्रम में लद्दाख में हाल में जवानों द्वारा बहुत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियौं में प्रदर्शित की गई बहादुरी के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने बताया कि चीनी सैनिकों के खिलाफ लड़ने वाले कुछ जवानों को वीरता मेडल देने के लिए सरकार को सिफारिश की गई है।

देसवाल ने बताया कि बल ने भारत-चीन सीमा सड़क के फेज-2 निर्माण के लिए एक प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर गृह मंत्रालय को भेज दिया है। आईटीबीपी का गठन 1962 में चीनी हमले के बाद किया गया था। बल की क्षमता 90,000 कर्मियों की है जिसमें 60 बटालियन हैं।

कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कदम उठा रही है सरकार

भाषा। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार देश में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कदम उठा रही है ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। मोदी ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब किसान समूह और विपक्षी दल नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए गुजरात में कृषि, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यटन विकास से संबंधित तीन परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने और उत्पादन लागत तथा उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए हमें बदलते समय के साथ अपने प्रयासों को भी बढ़ाना होगा। मोदी ने कहा कि चाहे किसानों को देश में कहीं भी फसल बेचने की आजादी देना हो, हजारों किसान उत्पादन संगठनों का गठन हो, रुकी हुई सिंचाई परियोजनाओं का पूरा करना हो, फसल बीमा योजना में सुधार हो, यूरिया की 100 प्रतिशत नीम कोटिंग हो या फिर मृदा स्वास्थ्य कार्ड हो...सभी का लक्ष्य कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाना है ताकि किसानों के खेती में कोई दिक्कत न आए। इस प्रकार की पहल लगातार की जा रही हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने गुजरात के किसानों को सिंचाई और कृषि से संबंधित कार्यों के लिए दिन के समय बिजली मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ किसान सूर्योदय योजना की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने अहमदाबाद के यू एन मेहता हृदयरोग विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 470 करोड़ रुपए की लागत से तैयार बाल हृदय रोग अस्पताल का भी उद्घाटन किया। मोदी ने अहमदाबाद में प्रमुख तीर्थस्थल जूनागढ़ शहर के निकट गिरनार पर्वत में 2.3 किलोमीटर लंबी रोप-वे परियोजना का भी उद्घाटन किया। इसे एशिया का सबसे लंबा मंदिर रोपवे बताया जा रहा है। इस दौरान मोदी ने अपने संबोधन में रोप-वे परियोजना के पूरे होने में देरी को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना 1983 में पेश की गई थी। कई वजहों, मुख्य रूप से पर्यावरण चिंताओं के चलते इसमें देरी होती गई। 2011 में संप्रग सरकार ने इसे सशर्त मंजूरी दी। प्रधानमंत्री ने कहा, अगर उन्होंने गिरनार रोपवे की राह में रोड़े न अटकाए होते तो इसका काम वर्षों तक न रुका रहता। लोगों और पर्यटकों को काफी समय पहले ही इसका लाभ मिलना शुरू हो जाता। उन्होंने कहा कि एक देशवासी के तौर पर हमें ऐसी (गिरनार रोपवे) जन महत्व की परियोजनाएं लंबे समय तक रुके रहने से देश को लोगों को होने वाले नुकसान के बारे में सोचना चाहिए। मोदी ने कहा कि नई परियोजना से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को फायदा होगा। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए नई नौकरियों का भी सृजन होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, और अधिक लोग तभी (एक स्थान की) यात्रा करेंगे जब पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। पर्यटक ठहरने और यात्रा करने में आसानी चाहते हैं। उन्होंने कहा, सरदार साहेब (वल्लभ भाई पटेल) को समर्पित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को देखिए। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बड़ी संख्या में पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन गई है। 45 लाख से अधिक लोग यहां आ चुके हैं। इतने कम समय में यह वाकई बड़ी उपलब्धि है। इसे (हाल ही में) दोबारा खोल दिया गया है और (पर्यटकों की) संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन अक्टूबर 2018 में किया गया था। किसान सूर्योदय योजना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, किसानों को पानी बचा कर पर ड्रॉप, मोर क्रॉप यानी प्रति बूंद, अधिक फसल का मंत्र अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब जब किसानों को दिन में भी बिजली मिलेगी तो उन्हें अधिक पानी बचाने पर भी जोर देना चाहिए।

सीजीडब्ल्यूबी ने राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को भूजल की बर्बादी रोकने को कहा

नई दिल्ली। केन्द्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूडी) ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में जलापूर्ति कर रहीं एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि भूजल की बर्बादी या दुरुपयोग न हो। साथ ही उसने ऐसा होने पर कड़ी कार्वाई करने का भी निर्देश दिया है। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश पर राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को आठ अक्टूबर को आदेश जारी किया गया था। बोर्ड के एक और अधिकारी ने कहा कि ऐसा होने पर पर्यावरण (संरक्षण अधिनियम) 1986 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड के आदेश में कहा गया है कि राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में जलापूर्ति कर रहे संबंधित नगर निकायों जैसे जल विभाग, नगर निगम, नगर परिषद, विकास प्राधिकरण, पंचायत या अन्य एजेंसियां यह सुनिश्चित करें कि भूमिगत जल के नलों से पानी की बर्बादी या इसका दुरुपयोग न हो। ऐसा होता पाए जाने पर दंडात्मक कार्वाई की जाए।

चंडीगढ़ के मलोया ग्राम में शनिवार को दीपावली के अवसर पर मिट्टी के दीपक बनाता कुम्हार

अमरिंदर ने होशियारपुर दुराचार मामले पर टिप्पणी को लेकर भाजपा नेताओं की आलोचना की

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने होशियारपुर में एक बच्ची से बलात्कार एवं उसकी हत्या के मामले को लेकर भाजपा नेता निर्मला सीतारमण और प्रकाश जावड़ेकर की टिप्पणियों के कारण शनिवार को उन पर प्रहार किया। साथ ही, सिंह ने उनकी टिप्पणियों को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए उसे बेबुनियाद बताया।

सिंह ने अपनी सरकार पर और कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाद्रा पर भाजपा के हमलों को खारिज कर दिया। इससे पहले, भाजपा ने होशियारपुर में छह वर्षीय से बच्ची से कथित बलात्कार एवं उसकी हत्या के मामले में शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा था। साथ ही, विपक्षी दल के नेताओं, राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाद्रा से सवाल किया कि वे पीड़िता के परिवार से मिलने अभी तक क्यों नहीं गए। अमरिंदर सिंह ने कहा कि भाजपा के नेता जो कुछ दावा कर रहे हैं, उसके उलट होशियारपुर घटना और हाथरस मामले के बीच कोई तुलना नहीं है। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि हाथरस मामले में, उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस न सिर्फ सख्त कार्वाई करने में नाकाम रही, बल्कि अगड़ी जाति के आरोपियों को बचाने की कोशिश करते हुए भी नजर आई।

उन्होंने कहा कि जबकि इसके ठीक उलट पंजाब पुलिस ने त्वरित कार्वाई की और आरोपी को फौरन गिरफ्तार कर लिया तथा अब एक हफ्ते में चालान दाखिल करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी हाथरस मामले में बोलने के लिए और प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हो गई थी क्योंकि राज्य सरकार वहां दलित लड़की को न्याय दिला पाने में नाकाम रही थी। सिंह ने कहा कि सीतारमण ने राहुल और प्रियंका के खिलाफ जो चुनिंदा तरीके से राजनीति और टिप्पणी की है, वह भाजपा के लिए पूरी तरह से अनुकूल है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के किसी भी नेता ने हाथरस घटना के विरोध में एक शब्द भी नहीं बोला, जब पूरे देश में रोष छाया हुआ था।

उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी होशियारपुर घटना पर राजनीति से प्रेरित होकर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। उन्होंने राहुल, प्रियंका और कांग्रेस के अन्य नेताओं के पिकनिक टूर करने संबंधी सीतारमण और जावड़ेकर की टिप्पणी पर हैरानगी जताते हुए कहा कहा कि इससे भाजपा की दलित विरोधी और महिला विरोधी मानसकिता का पता चलता है।

कोविड-19 दिशानिर्देशों को लागू कराना चुनाव आयोग के लिए मुश्किल काम

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों का कहना है कि चुनाव आयोग (ईसी) के पास चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कोविड-19 के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर रैलियों पर रोक लगाने और चुनाव रद्द करने जैसे कड़े कदम उठाने के अभिष्ट अधिकार तो हैं लेकिन उनका अनुसरण सुनिश्चित कराना एक कठिन कार्य है।

बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में उपचुनावों के लिए प्रचार अभियान चल रहा है और चुनाव आयोग पहले ही राजनीतिक दलों को आगाह कर चुका है कि उल्लंघनों को लेकर जिलाधिकारी द्वारा दंडात्मक प्रावधानों का इस्तेमाल किया जा सकता है। वैसे तो ज्यादातर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान स्वास्थ्य दिशानिदशों का क्रियान्वयन उम्मीदवारों, दलों और मतदाताओं की संख्या के लिहाज से आसान नहीं है लेकिन उनमें से दो का कहना है कि चुनाव आयोग कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव स्थगित कर तथा रैलियों पर रोक लगाने जैसे प्रदर्शन करने वाले कदम उठा सकता है और यह बता सकता है कि उसके लिए नियम मायने रखते हैं। चुनाव आयोग ने प्रचार अभियान के दौरान एक दूसरे के बीच दूरी बनाकर रखने के नियमों के खुला उल्लंघन तथा उसके दिशानिर्देशों के प्रति पूर्ण असम्मान दिखाते हुए नेताओं द्वारा बिना मास्क के जनसभाओं को संबोधित करने को गंभीरता से लिया है।

मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों एवं क्षेत्रीय दलों के अध्यक्षों एवं महासचिवों को बुधवार को जारी किए गए परामर्श में आयोग ने कहा था कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं जिला मशीनरी से ऐसे उल्लंघनों के सिलसिले में संबंधित उम्मीदवारों एवं जिम्मेदार आयोजकों के खिलाफ उपयुक्त एवं प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के इस्तेमाल की आशा की जाएगी। जब यह सवाल पूछा गया कि कैसे चुनाव आयोग दिशानिर्देशों को लागू कराएगा तब एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आयोग के पास क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सारे साधन हैं। उन्होंने कहा कि हमें उल्लंघन की जितनी ही अधिक रिपोर्ट मिलेंगी, उतनी ही अधिक कार्वाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने इसक ब्योरा नहीं दिया। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त वी एस संपत ने कहा कि यदि किसी एक दल या उम्मीदवार द्वारा उल्लंघन किया जाता है तो कार्वाई की जा सकती है। उन्होंने कहा, लेकिन यदि यह सभी का उल्लंघन है, आप चुनाव स्थगित नहीं कर सकते। जब आप ऐसी स्थिति में चुनाव आदेश दे रहे हैं तो आपको इस तरह के प्रभाव का अनुमान लगाना चाहिए।

लेकिन इसी के साथ संपत ने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि ईसी चीजों को यूं ही रहने दे, आखिरकार यह जनस्वास्थ्य का विषय है। 2012 से 2015 तक मुख्य चुनाव आयुक्त रहे संपत ने कहा, ऐसा कोई तरीका नहीं है कि आप इसे शतप्रतिशत लागू कर सकते हैं लेकिन उसे (ईसी) को यथासंभव प्रयास करना होगा। उसे संतुलन बनाना होगा, जो वह शायद कर रह है। बिहार में 28 अक्टूबर, तीन नवंबर और सात नवंबर को तीन चरणों में विधानसभा चुनाव है। जयादातर विधानसभा उपचुनाव तीन नवंबर को है। बिहार में वाल्मिकी नगर लोकसभा और मणिपुर के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में सात नवंबर को उपचुनाव होंगे। अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर एक अन्य मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि दिखावे के लिए चुनाव आयोग एक या दो निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव रद्द करने के लिए रोजाना आधार पर उल्लंघनों का संज्ञान लेकर मामला बना सकता है। उन्होंने कहा, 28 अक्टूबर के स्थान पर तीन नवंबर को चुनाव कराए जा सकते हैं। लेकिन इससे एक संदेश जाएगा कि उल्लंघनों को हल्के में नहीं लिया जाता है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ पी रावत ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक या दो साल की कैद की सजा दी जा सकती है। जनवरी-दिसंबर 2018 तक आयोग की अगुवाई कर चुके रावत ने कहा, लेकिन मुद्दा यह है कि यदि हजारों लोग उल्लंघन करते हैं तो आप कितनी कार्वाई कर सकते हैं।

एदियुरप्पा ने सभी प्रभावित परिवारों को 25 हजार मुआवजा देने की घोषणा की

बेंगलुरु बारिश

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने भारी बारिश की वजह से शहर के कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने की वजह से प्रभावित हुए परिवारों को 25,000-25,000 रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए एक स्थाई समाधान निकालने का आश्वासन भी दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि शहर के नालों पर से अतिक्रमण को तोड़ दिया जाएगा। एदियुरप्पा ने कहा, बारिश और बाढ़ की वजह से घर में पानी घुसने से जिन लोगों को अनाज, कपड़ों और अन्य चीजों का नुकसान हुआ है, उन सभी परिवारों को हमने चेक के जरिए 25,000-25,000 रुपए देने का निर्णय लिया है। आज या आने वाले दिनों में बारिश से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

दुर्गा महाष्टमी पर नुसरत जहां ने ढाक की धुन पर नृत्य किया

भाषा। कोलकाता

अभिनेत्री से नेता बनीं तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां कोविड-19 महामारी के सख्त नियमों के बीच शनिवार को दुर्गा पूजा महाष्टमी के अवसर पर भक्ति के रंग में रंगी हुई दिखाई दीं। महाष्टमी के अवसर पर न्यू अलीपुर स्थित सुरुचि संघ पंडाल में सफेद और लाल पाट की साड़ी तथा मास्क में पहुंची नुसरत ने देवी दुर्गा को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उनके पति भी साथ थे। इसके बाद टॉलीवुड (बांग्ला भाषा फिल्म उद्योग) अभिनेत्री ढाक की धुन पर पंडाल में अन्य डांसरों के साथ थिरकती नजर आईं। नृत्य का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास भी नुसरत के साथ थे और दोनों ने सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मां दुर्गा की आरती की। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस की महामारी के चलते इस वर्ष दुर्गा पूजा का त्योहार सादे तरीके से मनाया जा रहा है। कलकत्ता उच्च न्यायाल ने महामारी को देखते हुए पश्चिम बंगाल के सभी पूजा पंडालों को निषेध क्षेत्र घोषित कर दिया है।

चार वैज्ञानिकों को आईआईएससी के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र सम्मान के लिए चुना गया

भाषा। बेंगलुरु

वायुसेना में शामिल स्वदेशी हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली (एक तरह आधुनिक रडार) विकसित करने में योगदान देनी वाली डॉ.राजलक्ष्मी मेनन उन चार वैज्ञानिकों और इंजीनियरों में शामिल हैं जिन्हें आईआईएससी ने इस वर्ष के प्रतिष्ठित पूर्व छात्राछात्रा पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया है।

विज्ञप्ति के मुताबिक यह वार्षिक सम्मान भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) अपने पेशे, समाज और संस्थान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पूर्व छात्राछात्रा को देता है। बयान के मुताबिक इस सम्मान के लिए आए नामांकनों का मूल्यांकन संस्थान के निदेशक द्वारा नियुक्त समिति ने किया। डॉ.राजलक्ष्मी के अलावा इस सम्मान से प्रोफेसर बीएस मूर्ति, प्रोफेसर सेतुरमन पंचनाथन और डॉ.केशव पांडा को भी सम्मानित किया जाएगा। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर गोविंदन रंगराजन ने कहा, पुरस्कार प्राप्त करने वाले अति प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं और उन्होंने अपने क्षेत्र और समाज में अभूतपूर्व योगदान दिया है...हम उन्हें यह सम्मान उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए दे रहे हैं। राजलक्ष्मी मेनन इस समय रक्षा अनुंसधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के इंटेलीजेंस, सर्विलांस, टार्गेटिंग एंड रीकानिसन्स (आईएसटीआर) कार्यक्रम की कार्यक्रम निदशक हैं।

उन्होंने आईआईएससी से इंजीनियरिंग में परास्नातक और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी क्रमश: वर्ष 1994 और 2002 में किया था। वहीं, प्रोफेसर बीएस मूर्ति इस समय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के निदेशक हैं। उन्होंने मिश्र धातु के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। प्रोफेसर सेतुरमन पंचनाथन मौजूदा समय में अमेरिका स्थित नेशनल साइंस फांउडेशन के निदेशक हैं और मानव केंद्रित कंप्यूटशन में शोध में अहम योगदान दिया है।

पेज 1 का शेष

कैसे मनेगी...

और थोक विक्रेताओं के लिए 25 टन स्टॉक रखने की पाबंदी लगा दी है। यह नियम 31 दिसंबर तक लागू रहेगा। कीमतों को स्थिर रखने के लिए मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 35,000 मीट्रिक टन प्याज भेजी है। पिछले रबी सीजन में देश में 10 लाख हेक्टेयर में प्याज बोई गई थी, जबकि 2018-19 में यह आंकड़ा 7 लाख हेक्टेयर था, लेकिन फसल खराब होने से आपूर्ति प्रभावित हो गई। ऑल इंडिया दाल मिलर एसोसिएशन के सुरेश अग्रवाल के अनुसार वर्श 2018 से किसानों के दलहन के मुकाबले गेहूं ओर सोयाबीन को प्राथमिकता देने के कारण देश में दालों की कमी है। इसके अलावा, सरकार की नीतियों के कारण भी यह स्थिति पैदा हुई है। ज्यादातर दालें दक्षिण अफ्रीकी देशों, कनाडा और म्यांमार से आती हैं। दोलों के आयात में 2014 से लगातार वृद्धि हो रही थी और 2018 में यह बढ़कर 5.6 मीट्रिक टन हो गया था, लेकिन 2018-19 में इसमें सीधी गिरावट आई और आयात घटकर सिर्फ 2.527 मीट्रिक टन रह गया। हालांकि दालों की कीमत को थामने के लिए केंद्र ने हाल ही में खुले बाजार में बिक्री के लिए बफर स्टॉक से 40,000 टन तुअर की दाल जारी की है, लेकिन इसका खास फर्क नहीं पड़ा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के 24 अक्टूबर के आंकड़ों के अनुसार पुणे और तिरुचिरापल्ली में चावल की अधिकतम कीमत 55 रुपये प्रति किलो है। नासिक में गेहूं 48 रुपये किलो बिक रहा है। पोर्ट ब्लेयर में आटा 55 रुपये किलो है जबकि नासिक में चना दाल 96 रुपये है। वाराणसी और तिरुचिरापल्ली में अरहर और उड़द दाल की अधिकतम कीमत 130 रुपये प्रति किलो बताई गई है। मुंबई में मूंग की दाल 138 रुपये किलो बिक रही है। आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में प्याज भी 95 रुपये किलो है, जबकि रायगंज में टमाटर 80 रुपये किलो पहुंच गया है। प्याज और अन्य खाद्य सामग्री की कीमतों पर अंकुश के लिए धीरे-धीरे राज्य सरकारें सक्रिय हो रही हैं। तेलंगाना सरकार ने शनिवार को सरकारी बाजारों में प्याज 35 रुपये किलो बेचने का ऐलान किया है। पहचान पत्र दिखाकर कोई भी व्यक्ति दो किलो प्याज खरीद सकता है।

सरकारी नौकरियों...

स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद, समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया एवं कर्पूरी ठाकुर, लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित अन्य लोगों के चित्र हैं किंतु पार्टी के संस्थापक एवं करिश्माई नेता लालू प्रसाद की तस्वीर नहीं है। मुख्य पृष्ठ पर तेजस्वी यादव का चित्र प्रमुखता से है। राजद के घोषणापत्र के दस्तावेज मे हालांकि लालू प्रसाद का संदेश है जिसमें सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और कमजोर तबकों के उत्थान के लिए उनकी सरकार के संघर्षों एवं कार्यों का उल्लेख किया गया है। लालू प्रसाद करोड़ों रुपये के चारा घोटाले से जुड़े मामले में फिलहाल जेल में हैं। बहरहाल, पार्टी मुख्यालय में तेजस्वी यादव ने महागठबंधन को जनादेश देने की अपील करते हुए कहा, आइए हम मिलकर अपनी पीढ़ी और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐसे बेहतर बिहार का निर्माण करें जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए पलायन करने की जरूरत न पड़े। उन्होंने संवाददाओं से कहा, हम 10 लाख सरकारी नौकरी देंगे। राजद नेता ने कहा कि सभी को पक्की नौकरी मिलेगी और एक जैसे काम के लिए सभी को एक जैसा वेतन मिलेगा। भाजपा के 19 लाख नौकरियां देने के वादे पर तंज करते हुए राजद नेता ने कहा, भाजपा बताए कि उनका मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन है? उनका मुख्यमंत्री पद का चेहरा नीतीश कुमार है। नीतीश जी ने तो पहले ही 10 लाख नौकरियों पर हाथ खड़े कर दिए, अब भाजपा कैसे 19 लाख नौकरियां देगी? तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि नौकरी देने के नाम पर भाजपा लोगों को बेवकूफ बना रही है। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ने कहा कि उन्होंने तार्किक आधार पर 10 लाख नौकरियों का वादा किया है क्योंकि 4.5 लाख पद तो रिक्त पड़े हैं। नौकरियों के लिए पैसे के बारे में नीतीश कुमार के बयान पर तेजस्वी ने कहा कि बिहार का बजट 2.5 लाख करोड़ रुपये है और इसमें से नीतीश कुमार की सरकार सिर्फ़ 60 प्रतिशत बजट का हिस्सा ही ख़र्च कर पाती है। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत राशि बिना खर्च रह जाती है जो 80 हजार करोड़ रुपये बनता है। उन्होंने कहा, क्या बाकी बचे धन को भी जनकल्याण व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कोई योग्य व तत्पर सरकार सदुपयोग नहीं कर पाएगी? राजद के संकल्प में कहा गया है, राजद का संकल्प-समग्र विकास एकमात्र विकल्प। आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ, तेजस्वी संग नया बिहार बनाएँ। घोषणापत्र में किसानों के फसलों की खरीद बोनस के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करने के साथ सरकार बनने पर कृषि ऋण माफ करने की बात भी कही गई है। राजद ने वादा किया है कि सभी सरकारी स्कूलों में अभियान चलाकर युद्ध स्तर पर अध्यापकों की भर्ती की जाएगी और सभी रिक्त पदों को प्राथमकिता के आधार पर भरा जाएगा। इसमें कहा गया है कि राज्य के बजट में शिक्षा बजट का हिस्सा 22 प्रतिशत होगा। राजद ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि राज्य में पूंजी निवेश और उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए मास्टर प्लान बनाने के साथ रियायती दर पर जमीन देने और कर छूट की व्यवस्था की जाएगी। इसमें कहा गया है कि हर पंचायत में ग्रामीणों के लिए नि:शुल्क कम्प्यूटर केंद्र बनाया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि राज्य में विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। नियोजित शिक्षकों को वेतनमान कार्यपालक सहायकों, लाइब्रेरियन, उर्दू शिक्षकों की बहाली की जाएगी राज्य के मूल निवासी युवाओं के भी सरकारी बहाली परीक्षाओं में फॉर्म निशुल्क होंगे तथा राज्य में गृह जिला से परीक्षा केंद्र तक की यात्रा मुक्त होगी।

दिल्ली की...

कि अनुमान है कि एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में बरकरार रहेगा लेकिन प्रदूषण का स्तर और अधिक नहीं गिरेगा। सफर ने कहा, वर्तमान स्थिति में 26 अक्टूबर तक धीमा सुधार होने की उम्मीद है जो बहुत खराब श्रेणी के मध्य तक जा सकती है। सफर के अनुसार शुक्रवार को पराली जलाने की ।,292 घटनाएं हुई और दिल्ली के प्रदूषण में इसका योगदान नौ प्रतिशत रहा। उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

नीतीश और...

सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिए सोचा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजद के शासनकाल में न पढ़ाई की व्यवस्था थी, न इलाज का इंतजाम था और न लोगों के आने जाने की सुविधा थी और शाम के बाद लोगों की घर से निकलने की हिम्मत नहीं होती थी। उन्होंने कहा कि पहले अपराध की कितनी घटनाएं होती थी, कितने नरसंहार, हत्या की घटनाएं होती थी जिसके कारण डाक्टरों एवं व्यापारियों को भागना पड़ा था। उन्होंने कहा, जंगलराज था पहले। हमने अपराध की घटनाओं को नियंत्रित करने का काम किया है। हमने जंगलराज से बाहर निकालकर कानून का राज कायम किया। नीतीश कुमार ने लोगों से कहा, जो पूरी स्थिति को देखे हुए हैं, वे नई पीढ़ी को पहले की स्थिति और आज की स्थिति के बारे में बताएं, उस दौर की तस्वीर दिखाएं। राजद नेतृत्व पर प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को मौका मिला तो क्या किया ? अपने पिता से पूछो, अपनी माता से पूछो कि क्या कोई स्कूल बना ? क्या कोई कॉलेज बना ? उन्होंने लालू प्रसाद का नाम लिए बिना कहा कि जब राज करने का मौका मिला तब राज करके सिर्फ ग्रहण करते रहे और जेल चले गए तब पत्नी को गद्दी पर बैठा दिया।

मुफ्त कोविड...

कहा, यह घोषणा-पत्र में किया गया ऐलान है। एक दल इस बात की घोषणा कर सकता है कि वह सत्ता में आने पर क्या करना चाहता है। बिल्कुल वही घोषणा की गई है। स्वास्थ्य राज्य का विषय है। यह पूरी तरह सही है। उन्होंने कहा कि हर दल अपने घोषणा-पत्र में यह बताता है कि सत्ता में आने पर वह क्या करना चाहता है।

हिमालय के...

स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क 15 स्तनपायी प्रजातियों का घर है। इसी तरह उत्तर और पश्चिम सिक्किम जिलों में स्थित खानचेनडोंगा में करीब 18 दुर्लभ प्रजातियां रहती हैं। अरुणाचल प्रदेश का नामदफा राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र और जैव विविधता के मामले में देश का तीसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय पार्क है। वर्चुअल बैठक के दौरान सुप्रियो ने 'हिमाल संरक्षक' कार्यक्रम की शुरुआत की तथा एक ओरिगामी नोटबुक लांच किया जो वन्यजीवों के अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई की थीम पर आधारित है।

गुपकर गैंग की साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

● जम्मू कश्मीर भाजपा के प्रमुख रविंदर रैना ने कहा

भाषा। जम्मू

जम्मू कश्मीर भाजपा प्रमुख रविंदर रैना ने शनिवार को कहा कि गुपकर गैंग की साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और देश की एकता एवं अखंडता को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए जेल में जगह होगी। उन्होंने दिवाली और स्वतंत्रता दिवस समारोह की तरह ही 26 अक्टूबर को विलय दिवस के रूप में मनाने की भी घोषणा की, ताकि यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सिर्फ राष्ट्रीय ध्वज फहरेगा। उन्होंने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के एक बयान के जवाब में यह कहा। महबूबा ने शुक्रवार को कहा था कि जब तक जम्मू-कश्मीर को लेकर पिछले साल पांच अगस्त को संविधान में किए गए बदलावों को वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक उन्हें चुनाव लड़ने अथवा तिरंगा थामने में कोई दिलचस्पी नहीं है। रैना ने नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का जिक्र करते हुए दावा किया कि जब वे सत्ता में थे तो भारत की सराहना करते थे, लेकिन जब वे सत्ता से बाहर हैं तो उन्हें पाकिस्तान और चीन की याद आ रही है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, उन्हें भारत विरोधी एजेंडा आगे नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। उन्हें कोशिश कर लेने दीजिए, गुपकर गैंग छह दलों से बढ़ कर 600 तक पहुंच रहा है लेकिन हम उनके सपनों को पूरा नहीं होने देंगे। वे सत्ता के भूखे लोग हैं और जम्मू कश्मीर की जनता उन्हें बखूबी जानती है। नेकां और पीडीपी सहित जम्मू कश्मीर की मुख्य धारा की राजनीतिक पार्टियों ने राज्य का विशेष दर्जा बहाल करने के लिए इस महीने की शुरूआत में गुपकर घोषणापत्र के लिए एक गठबंधन बनाया था।

फारूक अब्दुल्ला गुपकर घोषणापत्र गठबंधन के अध्यक्ष एवं महबूबा मुफ्ती उपाध्यक्ष चुनी गईं

भाषा। श्रीनगर

नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को हाल में गठित गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) का शनिवार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती को उपाध्यक्ष चुन लिया गया। पीएजीडी ने यह जानकारी दी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता युसूफ तारिगामी इस गठबंधन के संयोजक हैं जबकि पीपुल्स कांफ्रेंस के सज्जाद लोन उसका प्रवक्ता नामित किया गया है। इस गठबंधन के बनने के बाद पहली बार उसके नेताओं की महबूबा मुफ्ती के निवास पर बैठक हुई और उन्होंने पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के झंडे को अपने निशान के रूप में अपनाया। बैठक के बाद लोन ने संवाददाताओं से कहा कि यह गठबंधन अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाए के बाद, पिछले एक साल में जम्मू कश्मीर में चल रहे शासन पर एक महीने में श्वेत पत्र लाएगा। उन्होंने कहा, यह श्वेत पत्र शब्दों की बुनावट नहीं होगा। यह जम्मू कश्मीर और देश के लोगों के सामने असलियत पेश करने के लिए तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित होगा.... एक धारणा बनाई जा रही है कि केवल जम्मू कश्मीर में भ्रष्टाचार हुआ था। पीएजीडी ने एक पखवाड़े बाद जम्मू में अगली बैठक करने का निर्णय लिया है और उसके बाद 17 नवंबर को श्रीनगर में एक सम्मेलन होगा।

फारूक अब्दुल्ला ने दुर्गा नाग मंदिर में प्रार्थना की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को दुर्गा अष्टमी और महानवमी के मौके पर यहां स्थित प्राचीन दुर्गा नाग मंदिर में दर्शन किए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने शांति और मानवजाति के कल्याण के लिए प्रार्थना की। वह इसी सप्ताह 84 साल के हुए हैं। वह डलगेट इलाके में स्थित मंदिर में अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ पहुंचे। उस वक्त कश्मीरी पंडित समुदाय के लोग वहां हवन कर रहे थे। लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने कहाकि यह हमारे हिंदू भाइयों और बहनों के लिए अहम दिन है और इस मंदिर की अहमियत है। मैं यहां मनाए जा रहे धार्मिक उत्सव की बधाई देने आया हूं। विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय के जल्द से जल्द अपने घरों को लौटने की भी प्रार्थना की। पारंपरिक पठानी सूट पहने अब्दुल्ला ने मास्क लगाया हुआ था और उन्होंने कोविड-19 के कारण लोगों से सार्वजनिक स्थलों पर महामारी से बचाव के सभी उपायों का पालन करने की अपील की।

तिरंगे के संबंध में महबूबा का बयान अस्वीकार्य: कांग्रेस

भाषा। जम्मू

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती से कहा कि वह राष्ट्रीय ध्वज को लेकर भड़काऊ और गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचें। इसके साथ ही पार्टी इकाई ने पीडीपी प्रमुख की तिरंगे को लेकर दिए गए बयान की कड़ी निंदा की।

तिरंगे को लेकर महबूबा मुफ्ती द्वार दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति (जेकेपीसीसी) के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा ने कहा कि यह बहुत ही भड़काऊऔर गैर जिम्मेदाराना बयान है और उन्होंने लोगों की देशभक्ति की भावना को आहत किया है। उन्होंने कहा, इस तरह के बयान किसी भी समाज में बर्दाश्त योग्य नहीं है और अस्वीकार्य हैं। शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश के सम्मान और गौरव का प्रतीक है और लोगों को याद दिलाता है कि देश की स्वतंत्रता प्राप्त करने और देश के सम्मान और क्षेत्रीय अखंडता के लिए करोड़ों भारतीयों ने कुर्बानी दी है। कांग्रेस नेता ने कहा, उन्हें इस तरह के भड़काऊबयान देकर प्रत्एक भारतीय की भावनाओं को आहत करने से बचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 14 महीने की हिरासत से रिहा होने के बाद पहली बार मीडिया से संवाद करते हुए महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा था कि वह तिरंगा तभी उठाएंगी जब जम्मू-कश्मीर के भूतपूर्व झंडे को बहाल कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, जहां तक मेरी बात है, तो चुनाव में मेरी रुचि नहीं है। मैं आपको स्पष्ट कर दूं कि जिस संविधान के तहत मैं चुनाव लड़ती थी उसे जबतक वापस नहीं कर दिया जाता तब तक मेरा चुनाव से कोई लेना देना नहीं है। विरोध प्रकट करने के लिए प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पीडीपी अध्यक्ष के टेबल पर राज्य के पूर्व झंडे को पार्टी के झंडे के साथ प्रमुखता से रखा गया था।

रूपाणी की आवाज वाली कॉलर ट्यून पर कांग्रेस ने जताई आपत्ति

● निर्वाचन आयोग को लिखा पत्र

भाषा। अहमदाबाद

कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की है कि गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के बारे में कॉलर ट्यून के रूप में दिया जा रहा संदेश, आचार संहिता का उल्लंघन है। राज्य में तीन नवंबर को आठ विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव होने वाले हैं। रूपाणी ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संदेश देने का उद्देश्य, त्यौहार के मौसम में लोगों को संक्रमण के प्रति जागरूक करना भर है। भारत निर्वाचन आयोग और गुजरात के मुख्य चुनाव अधिकारी को लिखे पत्र में कांग्रेस नेता निशित व्यास ने रूपाणी और भाजपा के विरुद्ध कार्वाई करने की मांग की। व्यास की ओर से शुक्रवार को लिखी गई शिकायत में कहा गया कि सभी मोबाइल संचार सेवा प्रदाता कंपनियों के फोन पर घंटी बजने से पहले रुपाणी की आवाज में धर्म आधारित वक्तव्य दिया जाता है जिससे मतदाताओं पर प्रभाव पड़ता है। संदेश में रूपाणी, लोगों को नवरात्रि उत्सव के दौरान सामाजिक दूरी का पालन करने के साथ मास्क लगाने और सेनिटाइजर का प्रयोग करने का सुझाव देते हैं।

कांग्रेस का दावा है कि कॉलर ट्यून के रूप में यह संदेश, आचार संहिता लागू होने के बाद प्रसारित किया गया। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि भाजपा और उसके उम्मीदवार कॉलर ट्यून के लिए दूरसंचार कंपनियों को दिए गए पैसे का विवरण भी छुपा रहे हैं। आरोपों का खंडन करते हुए रुपाणी ने कहा कि कॉलर ट्यून में चुनाव संबंधी कोई अपील नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने उप चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। उसके पास कोई मुद्दे नहीं हैं। यह कोई चुनाव अभियान की ट्यून नहीं है। इसमें केवल मेरी आवाज है, मेरा नाम भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने जूनागढ़ में संवाददाताओं से कहा, यह त्यौहार के दौरान केवल लोगों को एहतियात बरतने का सुझाव देने के लिए है। लेकिन बेवजह विवाद खड़ा करना कांग्रेस की रणनीति रही है।

केरल में सीबीआई को दी गई सहमति वापस लेने संबंधी माकपा के सुझाव की विपक्ष ने आलोचना की

तिरुवनंतपुरम। केरल में विपक्षी कांग्रेस और भाजपा ने सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने के संबंध में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) द्वारा दिए गए सुझाव की शनिवार को आलोचना की। राज्य की इन दोनों विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया कि वह वाम सरकार के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को छिपाना चाहती है। राज्य के कानून मंत्री ए के बालन ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों सहित कई अन्य राज्यों ने भी सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने पत्रकारों से कहा, केरल सरकार सीबीआई जांच से भयभीत है। उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या राष्ट्रीय स्तर पर भी सीबीआई के संबंध में उनका यही रुख है।

ठाणे जिले के सामुदायिक पंडाल में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान महाष्टमी के अवसर पर दीए जलाती हुई महिलाएं

पुरी के तट पर कलाकार सुदर्शन पटनाइक रेत पर उकेरी भगवती दुर्गा की मूर्ति। साथ ही कोविड-19 के नियमों का पालन करने का दिया संदेश

पंजाब के सीएम के बेटे को ईडी ने किया तलब

हरीश रावत ने समय को लेकर खड़े किए सवाल

भाषा। चंडीगढ़

कांग्रेस नेता हरीश रावत ने विदेशी मुद्रा के नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के बेटे को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तलब किए जाने के समय को लेकर सवाल खड़ा किया है। मुख्यमंत्री के बेटे रनिंदर सिंह को जारी किए गए इस समन का संबंध विदेश में कथित रूप से अज्ञात संपत्ति होने के सिलसिले में विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत ईडी द्वारा दर्ज मामले से है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने ट्वीट किया, ईडी के समन से अमरिंदर सिंह की आवाज दबाई नहीं जा सकती है। कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब की और इस देश के किसानों की आवाज हैं। ईडी के समन के समय पर ध्यान दीजिए। यदि आप आवाज उठाएंगे तो ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई आपके पीछे पड़ जाएगी। क्या यही संदेश नहीं है? कांग्रेस महासचिव रावत पार्टी के पंजाब मामलों के प्रभारी हैं। अमरिंदर सिंह तीन विवादास्पद केंद्रीय कृषि कानूनों को लेकर केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना कर रहे है। पंजाब विधानसभा ने नए कृषि कानूनों को खारिज करते हुए मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित किया था और संसद के कानूनों का मुकाबला करने के लिए चार विधेयक पारित किए थे। रनिंदर सिंह को 27 अक्टूबर को जालंधर में एजेंसी के कार्यालय में पेश होने को कहा गया है। उनसे 2016 में इसी मामले में ईडी ने पूछताछ की थी और स्विट्जरलैंड में धन के कथित अंतरण और ब्रिटिश वर्जिन आईसलैंड में एक न्यास और कुछ सहायक संस्थाएं खोलने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था। विदेश में कथित रूप से संपत्तियां होने के मामले की पहले आयकर विभाग ने जांच की थी।

तीन वर्षीय बालिका से दुष्कर्म, आरोपी की तलाश में पुलिस

ग्वालियर। पुलिस ने तीन वर्षीय बालिका के साथ बलात्कार के आरोप में 30 वर्षीय एक आटो रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया, घटना शुक्रवार रात की ग्वालियर थाने के सेवानगर इलाके की है। इलाके में नवरात्रि के अवसर पर दुर्गा मां का पंडाल लगा है। तीन वर्षीय एक बालिका अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। तभी उस के पड़ोस में रहने वाला वसीम खान उसे ऑटो रिक्शा में घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद वसीम खान ने पंडाल के पास ही ऑटो रिक्शा में बालिका के साथ बलात्कार किया और उसे वहां छोड़कर फरार हो गया। सिकरवार के मुताबिक बालिका घर पहुंची तो उसकी हालत देखकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बालिका को अस्पताल भेजा गया।

रिश्वतखोरी में दो गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक जेईएन सहित दो लोगों को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में एमएनआईटी का सह पंजीयक भी शामिल है।

Public Notice

To be known to all that **I Narender Kumar Kharbanda** S/o Madan Lal Kharbanda R/o Flat No.45A GF Pkt-J/A Rajouri Garden, ND allottee of **DDA LIG Flat No. 45A,** G.F.,Pkt -J/A,Rajouri Garden,New Delhi-64 has applied for conversion of the aforesaid flat from leasehold to freehold vide **application no. 214215** dated 04.02.20 in DDA.One of the original document i.e. allotment-cum-Demand Letter,of the above flat have been lost, An FIR against this effect has been lodged in police station. Any persons claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write or contact with above named person at above address/ph **9820692422** within 15days from the date of publication of this notice.The person claiming any right, interest,objections with respect to this property can personally inform/write to Dy. Director (LAB) or Director (H)-1, D-Block, 3rd floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that my client Mr. Mahaveer Parsad & Mrs. Pushpa Devi owner of Shop of land ad measuring 12.00 sq.yds. out of 48.00 sq.yds., situated at Mohalla Govindpuri, Modinagar Pargna Jalalabad, Tehsil Modinagar, Distt:- Ghaziabad, U.P. By virtue of Sale Deed dated 13.07.1998 Registered as Doc. No. 3980, Book No. 01, Volume No. 489, Page No. 447-454, on dated 13.07.1998-SRO-Modinagar-Ghaziabad and at present at present property /shop no. is 1/228 and same property to be loan financed by M/s Vastu Housing Finance Corporation Ltd. A-32, 2nd Floor, Industrial Area, Phase-1, Naraina New Delhi-110028.If any person(s) have any objection(s) or Claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property then contact us within 7 days from the date of this notice on the number mentioned herein below failing which my client i.e. M/s Vastu Housing Finance Corporation Ltd. A-32, 2nd Floor, Industrial Area, Phase -1, Naraina New Delhi-110028 shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Naveen Kumar Verma, Advocate
F-211, Sector-3 vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010

20 करोड़ की हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने शहर के गार्डन रीच क्षेत्र में माल ले जा रहे एक वाहन से चार किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर कार्वाई करते हुए पुलिस के दल ने एक वाहन को रोका और बीस करोड़ रुपए मूल्य की 4.20 किलोग्राम हेरोइन जब्त की।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मै रोहन भारती S/o चमन लाल R/o 3248, गली नल वाली आर्य पुरा सब्जी मंडी, मलका गंज S-O दिल्ली–110007 कि शिक्षा दस्तावेज में मेरे पिता का नाम चमन लाल भारती है जहां सभी कानूनी और भविष्य के लिए सही नाम चमन लाल है।

PD(8786)A

एमके स्टालिन ने पलानी स्वामी की खिंचाई की

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रमुख एम के स्टालिन ने मेडिकल पाठयक्रमों में सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री के पलानस्वामी की आलोचना की और सवाल किया कि क्या उनके लिए यह सही है कि कि शीर्ष पद पर रहने के बावजूद वह राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को आरक्षण संबंधी विधेयक को मंजूरी दिलाने के लिए राजी नहीं कर पाए।

राज्यपाल के पास लंबित आरक्षण संबंधी विधेयक को मंजूरी दिलाने के वास्ते दबाव बनाने के लिए द्रमुक द्वारा आयोजित प्रदर्शन की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन ने नीट के प्रति अपनी पार्टी का विरोध दोहराया।

उन्होंने कहा, हम नीट के खिलाफ हैं। कलैगनार और दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता के समय तक तमिलनाडु में नीट नहीं था। उन्होंने कहा कि जब से पलानीस्वामी केंद्र के अधीनस्थ हो गए तब से यह राष्ट्रीय परीक्षा राज्य में अस्तित्व में आ गई। उन्होंने कहा, द्रमुक के सत्ता में आते ही हम कानूनी रास्त से नीट को निरस्त करने में पूरी तरह जुट जाएंगे और हम विजई होकर सामने आएंगे। स्टालिन ने पिछले एक साल में नीट को लेकर 13 विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या कर लेने, किसी अन्य के स्थान पर परीक्षा देने और परीक्षा परिणम की घोषणा को लेकर संशय जैसे पहलुओं का हवाला दिया। राज्य में अप्रैल-मई, 2021 में विधानसभा चुनाव होने हैं। द्रमुक प्रमुख ने कहा, यह प्रदर्शन का पहला चरण है। मैं आपको आश्वासना देना चाहूंगा कि द्रमुक तबतक विरोध प्रदर्शन करेगा जबतक इस मामले पर पूर्ण विराम नहीं लग जाता। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री के पद पर आसीन पलानीस्वामी राज्यपाल को छात्र आरक्षण विधेयक के लिए राजी नहीं कर पाना सही है।

शासन में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी: किरण बेदी

पुडुचेरी। पुडुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी ने शनिवार को उम्मीद जताई कि करीब एक दशक से लंबित निकाय चुनाव पूर्ण होने के बाद स्थानीय शासन में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका में रहेंगी। उल्लेखनीय है कि परिसीमन और अन्य संबंधित कार्यों के पूरा होने के बाद पांच नगर पालिकाओं, 10 समूह पंचायतों और 98 ग्राम पंचायतों के चुनाव होने की उम्मीद है जिनमें संयुक्त रूप से 800 से अधिक वार्ड हैं। बेदी ने जनता के लिए जारी एक वीडियो संदेश में कहा, स्थानीय निकायों में एक तिहाई जन प्रतिनिधित्व महिलाओं के लिए उपलब्ध होगा। इसलिए महिलाएं स्थानीय शासन और कुल मिलाकर पुडुचेरी में आने वाले वर्षों में बदलाव के लिए नेतृत्व करेंगी। उन्होंने कहा कि एक बार नगर निकाय के प्रतिनिधियों का चुनाव जनता द्वारा हो जाए, तो संभवत: लोगों को शिकायतों के समाधान के लिए राजनिवास तक आना नहीं पड़ेगा।

जैश इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : 43/5, बहलगढ़ रोड, सोनीपत –131021, फोन : 0130 – 2216666, फैक्स : 011–66173923
सीआईएन : एल24302एचआर1985पीएलसी022758 वेबसाइट : www.jaschindustries.com, ई–मेल : accounts@jasch.biz

30 सितम्बर, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु पृथक्कृत पुनरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त			अर्द्ध वर्ष समाप्त		वर्ष समाप्त
		30.09.20	30.06.20	30.09.19	30.09.20	30.09.19	31.03.20
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय	2645.23	1488.66	3117.23	4133.89	6597.24	13077.64
2	ब्याज, मूल्यह्रास एवं करों से पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए)	331.08	181.40	59.79	512.48	446.05	1154.72
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर तथा अपवाद मदों से पहले)	245.53	85.37	(74.25)	330.90	172.13	620.02
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर से पहले (अपवाद मदों के बाद)	245.53	85.37	(74.25)	330.90	172.13	620.02
5	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	183.73	63.88	(60.99)	247.61	123.80	453.72
6	अवधि हेतु कुल समावेशी आय खजिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित हैं,	183.73	63.88	(60.99)	247.61	123.80	453.72
7	इक्विटी शेयर पूंजी	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00
8	संचेय	4904.18	4387.64	4326.65	4904.18	4326.65	4656.57
9	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/– प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत :	1.62	0.56	(0.54)	2.19	1.09	4.00

नोट्स :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com तथा कम्पनी की वेबसाइट www.jaschindustries.com पर भी उपलब्ध है।
2. कम्पनी ने ये परिणाम कम्पनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 (आईएनडी एएस) के अनुसार तैयार किए हैं, जैसाकि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित है।
3. पूर्व अवधियों हेतु आंकड़े, जहां कहीं आवश्यक है, चालू अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए पुनर्समूहित किए गए हैं,

हस्ता./– (जे. के. गर्ग)
प्रबंध निदेशक

सोनीपत, 24 अक्टूबर, 2020

भारतीय पुरुष और महिला टीम फाइनल में

चेन्नई। बी अधिबान और आर वैशाली के चमकदार खेल से शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने शनिवार को क्रमशः कजाखस्तान और मंगोलिया पर जीत के साथ एशियाई नेशन्स (क्षेत्रीय) ऑनलाइन कप चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष टीम ने कजाखस्तान को 2.5-1.5 और 3-1 से शिकस्त दी जबकि महिला टीम ने मंगोलिया पर 3.5-0.5 और 4-0 से जीत दर्ज की। बी अधिबान ने रिनात जुमाबायव के खिलाफ अपने दोनों मैचों में जीत हासिल की।

एंजर्स ने लीग-वन में रेनेस के अजेय रहने का सिलसिला तोड़ा

पेरिस। एंजर्स ने लीग-वन (फ्रांस की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) में रेनेस को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हराकर टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने का सिलसिला तोड़ दिया। इस हार से रेनेस की टीम तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई। लिली और मौजूदा चैम्पियन पेरिस सेंट जर्मेन क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर है।

ब्रैडी का सामना ओस्ट्रावा ओपन के सेमीफाइनल में सबालेंका से

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य)। तीसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने ओस्ट्रावा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में क्वालीफायर सारा सार्बिवेस टोर्मो को 0-6, 6-4, 6-0 से शिकस्त दी। अब सेमीफाइनल में बेलारूस की इस खिलाड़ी का सामना अमेरिका की जेनिफर ब्रैडी से होगा जिन्होंने रूसी क्वालीफायर वेरोनिका कुदेर्मेतोवा को 6-7, 6-3, 6-1 से पराजित किया। चौथी वरीयता प्राप्त विक्टोरिया अजारेंका ने सातवीं वरीय एलिसे मर्टेन्स को 6-4, 6-1 से हराकर बाहर किया। अब उनकी भिड़ंत मारिया सक्कारी से होगी।

टेटे अभ्यास शिविर 28 अक्टूबर से सोनीपत में

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने शनिवार को कहा कि टेबल टेनिस का राष्ट्रीय प्रशिक्षण (अभ्यास) शिविर सोनीपत में 28 अक्टूबर से आठ दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों के चार बार के स्वर्ण पदक विजेता शरत कमल के साथ 10 अन्य खिलाड़ी भाग लेंगे। साइ ने इस शिविर के लिए 18 लाख रुपए मंजूर किए हैं, देशभर में लगे लॉकडाउन के बाद इस खेल का पहला राष्ट्रीय शिविर होगा।

सासुओलो और टोरिनो ने 3–3 से ड्रा खेला

सासुओलो (इटली)। सासुओलो ने अंत में वापसी के बावजूद सीरी ए में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया और टोरिनो से 3-3 से ड्रा खेला।टोरिनो ने शुक्रवार को इस मैच से सत्र मे पहला अंक हासिल किया। इस मैच के दौरान अंतिम आठ मिनट में चार गोल हुए। सासुओलो शीर्ष पर चल रही टीम एसी मिलान से दो अंक पीछे दूसरे स्थान पर है।

वरुण के पंजे में फंसी दिल्ली, केकेआर जीता

- कैपिटल्स को 59 रन से करारी शिकस्त दी
- राणा (81 रन) और नारायण (64 रन) के अर्धशतक

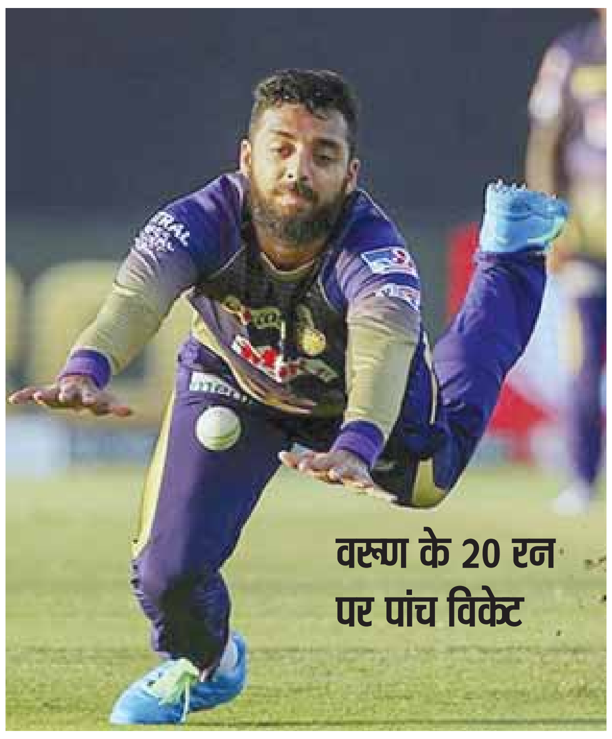
वरुण के 20 रन पर पांच विकेट

अबुधाबी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीतिश राणा (81 रन) और हरफनमौला सुनील नारायण (64 रन) के अर्धशतकों के बाद वरुण चक्रवर्ती (20 रन देकर पांच विकेट) की फिरकी की बदौलत शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 59 रन से करारी शिकस्त दी। पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ महज 84 रन पर सिमटकर हार का सामना करने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इस जीत से शानदार वापसी की। इसके अब 11 मैचों में 12 अंक हो गए हैं जिससे वह चौथे स्थान पर बनी हुई है। केकेआर ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारे गए राणा (53 गेंद में 13 चौके और एक छक्का) और नारायण (32 गेंद में छह चौके और चार छक्के) के बीच चौथे विकेट के लिए 56 गेंद में 115 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 194 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में नौ विकेट पर 135 रन ही बना सकी। उसके लिए कप्तान श्रेयस अय्यर 47 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। स्पिनर वरूण चक्रवर्ती इस सत्र में पांच विकेट झटकने वाले पहले गेंदबाज बने, जिन्होंने चार ओवर में 20 रन देकर पांच विकेट चटकाए। पैट कमिंस ने चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए जबकि लॉकी फर्गुसन को एक विकेट मिला। दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के 14-14 अंक हैं। दिल्ली 11 मैचों सात जीत से बेहतर रन रेट की बदौलत बेंगलोर से आगे दूसरे स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को पहला झटका पारी की पहली ही गेंद पर लगा जिसमें कमिंस ने अजिंक्य रहाणे को पगबाधा आउट किया। दूसरा झटका भी इसी आस्ट्रेलियाई ने दिया जब पिछले दो मैचों में शतक जड़ने वाले शिखर धवन तीसरे ओवर में उनकी गेंद पर बोल्ड हो गए। इससे दिल्ली ने भी पॉवरप्ले में केकेआर की तरह दो विकेट गंवाकर 36 रन बनाए। केकेआर ने अपनी गेंदबाजी से दबाव बनाए रखा और दिल्ली कैपिटल्स का 10 ओवर के बाद स्कोर 64 रन था। टीम को 66 गेंद में 137 रन बनाने थे। कप्तान अय्यर और ऋषभ पंत (27) के बीच तीसरे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी बनी। पर वरुण चक्रवर्ती ने आते ही अपने पहले ओवर में पंत को आउट किया और फिर दूसरे ओवर में लगातार गेंदों पर अय्यर और शिमरोन हेतमायर (10) के विकेट झटक लिए। वरूण चक्रवर्ती ने अपना चौथा विकेट मार्कस स्टोइनिस के रूप में मिला जो उनकी लेग कटर पर लांग आफ में कैच देकर आउट हुए और इसी ओवर में उन्होंने रंग उन पर अक्षर पटेल (09) को बोल्ड किया। उन्होंने तीन ओवर में 12 रन देकर पांच विकेट झटके। दिल्ली इसके बाद मैच से बाहर हो चुकी थी। इससे पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद केकेआर ने शुरूआती तीन विकेट 42 रन के अंदर गंवा दिए थे। उसने राणा को शुभमन गिल के साथ बल्लेबाजी के लिए भेजा। लेकिन पॉवरप्ले में गिल और राहुल त्रिपाठी के विकेट गंवा दिए, दोनों नोर्जे की गेंदों पर पवेलियन लौटे।

स्कोर

कोलकाता नाइट राइडर्स : गिल का पटेल बो नोर्जे 09, राणा का देशपांडे बो स्टोइनिस 81, त्रिपाठी बो नोर्जे 13,कार्तिक का पंत बो रबाडा 03,नारायण का रहाणे बो रबाडा 64,मोर्गन का रबाडा बो स्टोइनिस 17,कमिंस नाबाद 00,**अतिरिक्त** : 07, **कुल योग** : 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन, **विकेट पतन** : 1-11, 2-35, 3-42, 4-157, 5-194, 6-194, **गेंदबाजी** : देशपांडे 4-0-40-0,नोर्जे 4-0-27-2 ,रबाडा 4-0-33-2,पटेल 1-0-7-0,स्टोइनिस 4-0-41-2, अश्विन 3-0-45-0

दिल्ली कैपिटल्स : रहाणे पगबाधा कमिंस 00,धवन बो कमिंस 06, अय्यर का नागरकोटी बो वरूण चक्रवर्ती 47, पंत का शुभमन गिल बो वरूण चक्रवर्ती 27,हेटमायर का त्रिपाठी बो वरूण चक्रवर्ती 10, स्टोइनिस का त्रिपाठी बो वरूण चक्रवर्ती 06, पटेल बो वरूण चक्रवर्ती 09, रबाडा का त्रिपाठी बो कमिंस 09,अश्विन नाबाद 14, देशपांडे का मोर्गन बो फर्गुसन 01, एनरिच नोर्जे नाबाद 00,**अतिरिक्त** : 06, **कुल योग** : 20 ओवर में नौ विकेट पर 135 रन, **विकेट पतन** :1-0, 2-13, 3-76, 4-95, 5-95, 6-110, 7-112, 8-132, 9-135, **गेंदबाजी** : कमिंस 4-0-17-3,कृष्णा 2-0-19-0, नागरकोटी 2-0-11-0,फर्गुसन 4-0-30-1,नारायण 4-0-37-0, चक्रवर्ती 4-0-20-5

राजस्थान रॉयल्स का सामना मजबूत मुंबई इंडियंस से

अबुधाबी। गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने दबदबे भरे प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी, हालाकि उसके लिए कप्तान रोहित शर्मा की फिटेनस चिंता का विषय बनी होगी। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए इस मैच में जीत दर्ज करना जरूरी होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 10 विकेट की जीत से मुंबई ने फार्म में वापसी की जबकि इससे पिछले मैच में वह किंग्स इलेवन पंजाब से सुपर ओवर में हार गई थी। वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स को पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से आठ विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही मुंबई इंडियंस प्ले ऑफ में पहुंचने की ओर है लेकिन राजस्थान के लिए यह मैच काफी अहम है जो सातवें स्थान पर है और एक और हार उसे बाहर होने के करीब पहुंचा देगी। लेकिन सवाल यही होगा कि रोहित रविवार को इस मैच के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच नहीं खेले थे।

आरसीबी के खिलाफ सीएसके जीत और सम्मान हासिल करने की कोशिश करेगा

दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 11 में से आठ मुकाबलों में हार का सामना करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंच चुकी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोशिश रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ जीत दर्ज कर सम्मान हासिल करने की होगी। सीएसके के नाम 11 मैचों में छह अंक है और टीम अपने तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ में अगर-मगर के फेर के साथ पहुंच सकती है। इसके लिए दूसरी टीमों के नतीजे भी उसके मुताबिक होने चाहिए।आईपीएल की तीन बार की चैम्पियन मौजूदा सत्र में हर विभागों में संघर्ष कर रही है। युवा खिलाड़ियों पर भरोसा नहीं जताने के लिए टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की आलोचना भी हुई। सीएसके ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ युवा रुतुराज गायकवाड़ और नारायण जगदीशन को अंतिम 11 में शामिल किया, लेकिन दोनों बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट हो गए। शुक्रवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सैम कुरेन के अलावा टीम का कोई भी बल्लेबाज नहीं चल सका।

अगले साल को ध्यान में रखकर बाकी तीन मैचों में युवाओं को मौका देंगे : धोनी

शारजाह। अब तक 11 में से आठ मैच गंवाकर आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि अगले साल को ध्यान में रखते हुए बाकी तीन मैचों में युवाओं को परखा जाएगा। मुंबई इंडियंस के हाथों दस विकेट से मिली हार के बाद धोनी ने कहा , इस तरह के प्रदर्शन से दुख होता है। हमें देखना होगा कि गलती कहां हुई। यह हमारा साल नहीं था।

पावरप्ले में ही मैच हमारे हाथ से निकल गया था: फ्लेमिंग

शारजाह। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 10 विकेट से मैच गवांने पर कहा कि उनकी टीम के लिए पावरप्ले काफी बुरा रहा जिसमें उनकी टीम में बहुत ज्यादा विकेट खो दिए थे।फ्लेमिंग ने मैच के बाद शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम वास्तव में बहुत स्तब्ध हो गए थे।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स चहका

- पंजाब को 126 रन पर रोका

भाषा। दुबई

अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को किंग्स इलेवन पंजाब को सात विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी के कप्तान डेविड वार्नर के फैसले को सनराइजर्स के गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया। पंजाब के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। पंजाब के लिए कप्तान के एल राहुल (27), मनदीप सिंह (17) और क्रिस गेल (20) ने अच्छी शुरूआत की लेकिन ठोस पारियां नहीं खेल सके।पंजाब को एक भी बड़ी साझेदारी नहीं मिल पाई। गेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्हें सनराइजर्स के गेंदबाजों ने आफ स्टम्प के बाहर गेंद डालकर खुलकर खेलने की नहीं दिया। आखिर में झल्लाकर गेल ने वेस्टइंडीज के अपने साथी खिलाड़ी जैसन होल्डर की गेंद पर खराब शॉट खेला और लांग आफ में वार्नर ने शानदार कैच लपका। होल्डर ने 27 रन देकर और राशिद ने 14 रन देकर दो दो विकेट लिए। वहीं संदीप शर्मा ने 29 रन देकर दो विकेट चटकाए। राशिद ने 11वें ओवर की पहली ही गेंद पर राहुल को बोल्ड करके पंजाब को करारा झटका दिया। इस समय स्कोर तीन विकेट पर 66 रन था। ग्लेन मैक्सचवेल (12) का खराब फार्म जारी रहा और वह संदीप की गेंद पर लांग आन में वार्नर को कैच देकर लौटे। दीपक हुड्डा को राशिद ने चकमा दिया और आगे निकलकर खेलने के प्रयास में वह बेयरस्टॉ की स्टम्पिंग का शिकार हो गए। सनराइजर्स के गेंदबाजों ने इस कदर दबाव बनाया था कि 11 ओवर तक पंजाब की पारी में कोई चौका छक्का नहीं लगा। निकोलस पूरन ने 19वें ओवर में इस दबाव को तोड़ा जो 28 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहे।

स्कोरबोर्ड

किंग्स इलेवन पंजाब पारी : राहुल बो राशिद 27, मनदीप का राशिद बो संदीप 17,गेल का वार्नर बो होल्डर 20, पूरन नाबाद 32, मैक्सवेल का वार्नर बो संदीप 12, हुड्डा स्ट बेयरस्टॉ बो राशिद 0,जोर्डन का अहमद बो होल्डर 7,अश्विन रन आउट ,बिश्नोई नाबाद 0, **अतिरिक्त** : सात रन, **कुल योग** : 20 ओवर में सात विकेट पर 126 रन, **विकेट पतन** :1-37, 2- 66, 3- 66, 4-85, 5 . 88, 6- 105, 7- 110, **गेंदबाजी** : संदीप 4-0 -29- 2, खलील 4-0-31- 0, होल्डर 4-0 -27- 2, राशिद 4-0- 14-2, नटराजन 4-0-23-0

पिचें धीमी और सूखी होने से मदद मिल रही है : बोल्ट

शारजाह। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि उन्हें इस इंडियन प्रीमियर लीग सत्र में पिचों से निरंतर सटीक गेंदबाजी करने में मदद मिल रही हैं जो प्रत्एक मैच के साथ धीमी और सूखी होती जा रही हैं। मुंबई इंडियंस ने अनुभवी लसिथ मलिंगा की जगह इस बाएं हाथ के गेंदबाजी टीम में शामिल किया, जिन्होंने शुक्रवार को यहां चार विकेट – पॉवरप्ले में तीन – झटककर चेन्नई सुपर किंग्स पर 10 विकेट की जीत दर्ज करने में मदद की।

विराट सभी प्रारूपों में संपूर्ण बल्लेबाज : रूट

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने विराट कोहली को सभी प्ररूपों का संपूर्ण बल्लेबाज मानते हुए कहा कि सीमित ओवरों के प्रारूप में रनों का पीछा करने की उनकी क्षमता असाधारण है। मौजूदा समय में व्यापक रूप यह माना जाता है कि कोहली, न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और रूट वर्तमान में विश्व टेस्ट क्रिकेट में अग्रणी बल्लेबाज हैं।

तन्मय श्रीवास्तव ने क्रिकेट से संन्यास लिया

मुंबई। भारत के अंडर–19 (2008) विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे बल्लेबाज तन्मय श्रीवास्तव ने शनिवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने नए सपने देखे हैं, जिस पर काम करने की बड़ी महत्वकांक्षा है। बाएं हाथ के इस तीस साल के बल्लेबाज ने सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, लेकिन अपने आगे कि योजना के बारे में नहीं बताया। कानपुर में जन्में इस क्रिकेटर ने ट्वीट किया, यह मेरे क्रिकेट करियर को अलविदा कहने का समय है। मैंने यादें और दोस्त बनाने के साथ जूनियर क्रिकेट, रणजी ट्रॉफी और अंडर –19 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे टीम के साथ कप लेकर घर (देश) लौटा। श्रीवास्तव ने इसके साथ ही लगातार समर्थन के लिए अपने कोचों, उत्तर प्रदेश क्रिकेट प्रशासकों, माता–पिता और पत्नी का धन्यवाद किया। मुझे लगता है कि मैंने मैदान के अंदर और बाहर क्रिकेट से जुड़ी ऐसी यादें बनाई है जो जीवन भर मेरे साथ जुड़ी रहेंगी। मैंने नए सपने देखे है और उसके लिए बड़ी महत्वकांक्षा है। अब अगले अध्याय का समय है। वह मलेशिया में 2008 में खेले गए अंडर–19 विश्व कप में 262 रन के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर थे। उन्होंने फाइनल में 43 रन का अहम योगदान दिया था। इस टीम के कप्तान विराट कोहली थे। श्रीवास्तव ने प्रथम श्रेणी के 90 मैचों में 10 शतकों और 27 अर्धशतकों की मदद से 4,918 रन बनाए है। वह हालांकि सीनियर भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके। घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधित्व के बाद उन्होंने उत्तराखंड का नेतृत्व किया। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में उन्होंने किंग्स इलेवन पंजाब और पूर्व टीम कोच्चि टस्कर्स का प्रतिनिधित्व किया था।

मिस्टर ब्राउन ने नया बेकरी ब्रांड डेनब्रो उतारा

लखनऊ। प्रसिद्ध बैकरी ब्रांड मिस्टर ब्राउन ने इटली के डेनबो के साथ तकनीकी सहयोग से अपना नया बेकरी ब्रांड डेनब्रो प्रारंभ किया है। डेनबो में एक छत के नीचे पौष्टिक, जैविक और अंतरराष्ट्रीय बेकरी उत्पाद मिलेंगे। कंपनी अगले तीन वर्षों में 50 आउटलेट खोलकर 200 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए एक मेगा विस्तार योजना पर काम कर रही है। इस विस्तार में किसानों को आश्वासन दिया जायेगा कि उनके जैविक उत्पादों को सीधे ख़रीदा जायेगा। हमने लखनऊ में 2018 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट के दौरान राज्य सरकार के साथ 500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। हम अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए निवेश कर रहे हैं,कंपनी की संस्थापक तनुश्री गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में अपने नए ब्रांड डेनब्रो का पहला आउटलेट शुरू करने के बाद, अब हम 31 मार्च, 2021 तक लखनऊ में तीन, चंडीगढ़ में एक और दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पांच और नए डेनब्रो आउटलेट लॉन्च कर रहे हैं। उन्होंने आगे जोड़ा की इससे 5,000 प्रत्यक्ष और 3,500 अप्रत्यक्ष नौकरियां दी जाएंगी।

एनपीपीए के तहत गोवा में मूल्य निगरानी एवं संसाधन इकाई की स्थापना हुईः सरकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के तहत गोवा में एक मूल्य निगरानी एवं संसाधन इकाई की स्थापना की गई है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एनपीपीए की पहुंच को बढ़ाने के लिए मूल्य निगरानी एवं संसाधन इकाई (पीएमआरयू) राज्य दवा नियंत्रक की प्रत्यक्ष निगरानी में काम करेगी।

सीपीआई- औद्योगिक श्रमिकों के आधार वर्ष में संशोधन संदेहजनकः एटक

नई दिल्ली। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने शनिवार को कहा कि औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई–आईडब्ल्यू) के आधार वर्ष को संशोधित करने के लिए श्रम मंत्रालय द्वारा उठाया गया कदम संदेहजनक है। ऐसा लगता है कि इस कदम से श्रमिकों को दिए जाने वाले महंगाई भत्ते (डीए) में कमी होगी। श्रम मंत्रालय ने हाल ही में सीपीआई–आईडब्ल्यू के लिए आधार वर्ष को 2001 से संशोधित कर 2016 कर दिया है। खुदरा महंगाई के मूल्यांकन में सीपीआई–आईडब्ल्यू एक मात्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण मूल्य सूचकांक है, जिसके वित्तीय निहितार्थ हैं। सीपीआई–आईडब्ल्यू का इस्तेमाल मुख्य रूप से सरकारी कर्मचारियों और औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के महंगाई भत्ते को विनियमित करने के लिए किया जाता है।

आईसीआईसीआई बैंक ने श्रीलंका में परिचालन बंद किया

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को कहा कि उसने श्रीलंका के मौद्रिक प्राधिकरण से मंजूरी लेकर वहां अपना काम बंद कर दिया है। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के मौद्रिक बोर्ड ने वहां परिचालन बंद करने तथा निर्गत लाइसेंस समाप्त करने के उसके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। उसने कहा, बैंक पर्यवेक्षण के निदेशक मौद्रिक बोर्ड द्वारा तय की गई नियम व शर्तों के बैंक के द्वारा अनुपालन से संतुष्ट थे। श्रीलंका में व्यवसाय करने के लिए बैंक को जारी किया गया लाइसेंस 23 अक्टूबर 2020 से खत्म कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने कर्जदारों को बड़ी राहत दी

- किशत भुगतान से राहत नहीं चुनने वालों को भी दो करोड़ तक के कर्ज पर ब्याज लाभ

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्जदारों को बड़ी राहत दी है। उन्हें एक तरह से दिवाली का उपहार तोहफा देते हुए उनके दो करोड़ रुपए तक के कर्ज पर ब्याज–राहत देने की घोषणा की। यह राहत इस सीमा के तहत आने वाले सभी कर्जदारों को मिलेगा, चाहे उन्होंने किस्त भुगतान से छह महीने की मोहलत (मोरेटोरियम) का विकल्प चुना हो या नहीं। उच्चतम न्यायालय द्वारा ब्याज राहत लागू करने का निर्देश दिए जाने के बाद वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने इस योजना को लागू करने संबंधी दिशानिर्देश जारी किए। इस निर्णय से सरकारी खजाने पर 6,500 करोड़ रुपए का बोझ पड़ने का अनुमान है। शीर्ष अदालत ने 14 अक्टूबर को केंद्र को निर्देश दिया था कि वह कोविड–19 महामारी और लॉकडाउन के मद्देनजर रिजर्व बैंक की किस्तों के भुगतान से छूट की योजना के तहत दो करोड़ रुपए तक के कर्ज पर ब्याज माफ करने के बारे में यथाशीघ्र निर्णय ले। न्यायालय ने कहा था कि आम लोगों की दिवाली अब सरकार के हाथों में है। मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार विनिर्दिष्ट ऋण खातों पर एक मार्च से 31 अगस्त 2020 की अवधि के लिए ब्याज राहत का लाभ दिया जाएगा। इसमें कहा गया, जिन कर्जदारों के ऋण खाते की मंजूर सीमा या कुल बकाया राशि 29 फरवरी तक दो करोड़ रुपए से अधिक नहीं थी, वे इस योजना के लाभ के पात्र होंगे। दिशानिर्देश की शर्तों के अनुसार, 29 फरवरी तक इन खातों का मानक होना अनिवार्य है। मानक खाता उन खाताओं को कहा जाता है, जिन्हें गैर निष्पादित संपत्ति (एनपीए) नहीं घोषित किया गया हो। इस योजना के तहत आवास ऋण, शिक्षा ऋण, क्रेडिट कार्ड का बकाया, वाहन ऋण, एमएसएमई ऋण, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद ऋण और उपभोग ऋण लेने वाले कर्जदारों को लाभ मिलेगा। योजना के तहत, कर्ज देने वाले संस्थानों को योजना की अवधि के लिए पात्र कर्जदारों के संबंधित खातों में संचई ब्याज व साधारण ब्याज के अंतर की राशि जमा करनी होगी। योजना में कहा गया है कि कर्जदार ने रिजर्व बैंक के द्वारा 27 मार्च 2020 को घोषित किस्त भुगतान से छूट योजना का पूर्णतः या अंशतः लाभ ल्रने का विकल्प चुना हो यह नहीं, उसे ब्याज राहत का पात्र माना जाएगा। कर्ज राहत योजना का लाभ उन कर्जधारकों को भी मिलेगा, जो नियमित किस्तों का भुगतान करते रहे। कर्ज देने वाले संस्थान इस योजना में दी गई छूट के तहत संबंधित कर्जधारक के खाते में अपनी ओर से धन जमा करने के बाद केंद्र सरकार से उसके बराबर की राशि पाने के लिए दावा करेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 14 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करते हुए कहा था, वह इस बारे में चिंतित है कि कर्जदारों को ब्याज राहत का लाभ किस तरह से दिया जाए। उच्चतम न्यायालय ने तब कहा था कि केंद्र सरकार ने आम लोगों की बदहाल स्थिति का संज्ञान लेते हुए अच्छा निर्णय लिया है।

भारत के डेटा सुरक्षा कानून में डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने की क्षमताः फेसबुक

नई दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने शुक्रवार को कहा कि देश में अपनाए जा रहे डेटा सुरक्षा कानून में भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक डिजिटल व्यापार को गति देने की क्षमता है। कंपनी का यह बयान डेटा सुरक्षा विधेयक 2019 पर संसद की संयुक्त समिति की सुनिवाई के बाद आया है। इस समिति की अध्यक्ष भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि निजी डेटा सुरक्षा विधेयक पर संयुक्त समिति के सदस्यों के साथ डेटा विनियम के मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिलने से हम गौरवान्वित हैं। हमें भरोसा है कि देश के डेटा सुरक्षा कानून में देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक डिजिटल व्यापार को गति देने की क्षमता है। हम सरकार के इस प्रयास में पूरा सहयोग देंगे।

सरकार मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त पोषक तत्वों से युक्त चावल उपलब्ध कराएगी

नई दिल्ली। सरकार ने मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के दायरे में आने वाले स्कूलों में अतिरिक्त पोषक तत्व युक्त (फोर्टिफाइड) चावल की आपूर्ति करने का निर्णय किया है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ए चावल तीन अतिरिक्त सूक्ष्म पोषक तत्वों... विटामिन बी12, आयरन और फोलिक एसिड... से युक्त होंगे। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों की महत्वपूर्ण भमिका होती है। पांडे ने कहा, ...बच्चों के शुरूआती वर्ष काफी महत्वपूर्ण होते हैं। इसीलिए सभी बच्चे जो आईसीडीएस (समन्वित बाल विकास सेवा) केंद्रों में जा रहे हैं और जो भी बच्चे स्कूल जा रहे हैं तथा मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत आते हैं, उन्हें अतिरिक्त पोषक तत्व वाला चावल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ–साथ मानव संसाधन विभाग के साथ बातचीत हुई है। सचिव ने कहा, हमने निर्णय किया है कि पूरे देश में सभी आईसीडीएस केंद्रों और सभी मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में अतिरिक्त पोषक तत्वों वाले चावल की आपूर्ति की जाएगी। अतिरिक्त पोषक तत्वों से युक्त चावल में तीन सूक्ष्म पोषक तत्व... बी–12, आयरन और फोलिक एसिड होंगे। इससे सरकार के कुपोषण से निपटने को लेकर जारी प्रयास को एक मजबूती मिलेगी।

चीन की कंपनियों से मुख मोड़ कर बुल्गारिया ने अमेरिका के साथ 5जी समझौता किया

सोफिया (बुल्गारिया)। बुल्गारिया ने बाल्कन क्षेत्र के कुछ अन्य देशों की तरह 5जी प्रौद्योगिकी को लेकर अमेरिका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बुल्गारिया का यह कदम अपने यहां 5जी पारिस्थितिकी से चीन की कंपनियों को बाहर रखने पर केंद्रित है। इससे पहले बाल्कन के अन्य देश जैसे उत्तरी मेसीडोनिया और कोसोवो आदि भी अमेरिका के साथ इसी तरह का समझौता कर चुके हैं। बुल्गारिया ने क्लीन नेटवर्क सुरक्षा समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। यह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के द्वारा दुनिया भर में 5जी पारिस्थितिकी से चीन की कंपनियों को बाहर रखने की मुहिम का हिस्सा है।

कंपनी के कारोबारी मॉडल में अत्यधिक ऋण का होना बुनियादी समस्या का सूचक है : एसबीआई कार्यकारी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने शनिवार को कहा कि किसी कंपनी के कारोबारी मॉडल में क्षमता से अधिक कर्ज का का होना बुनियादी समस्या का सूचक है। एसबीआई के वाणिज्यिक ग्राहक समूहों के प्रबंध निदेशक अरिजीत बसु ने कहा कि दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) ने कॉरपोरेट क्षेत्र और बैंकों को बराबर का मौका दिया है। वह आईसीएआई के भारतीय दिवाला पेशेवर संस्थान (आईआईआईपीआई) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में बोल रहे थे। यह सम्मेलन शनिवार से शुरू हुआ। किसी कंपनी के कारोबारी मॉडल में क्षमता अधिक का ऋण का होना बुनियादी समस्या का सूचक है। बसु ने कर्ज नहीं चुकाने वाली कंपनियों से निपटने में दिवाला कानून की उपयोगिता को रखांकित करते हुए कहा, अगर आपके (कंपनी के) पास मजबूत ऋण समाधान योजना नहीं है, तो हमारे (बैंकों) पास आईबीसी के तहत एक व्यवहार्य समाधान योजना है। भारतीय ऋण सोधन–अक्षमता एवं दिवाला बोर्ड (आईबीबीआई) की सदस्य मुकुलिता विजयवर्गिया ने कहा कि इस संहिता का उद्येश्य कंपनियों का व्यवहार ठीक करना है और इस मोर्चे पर हमें काफी कामयाबी मिली है।

महिला सुरक्षा के लिए ऐप आधारित समाधान माय अंबर लॉन्च

नई दिल्ली। नासकॉम फाउंडेशनए सेफ्टी ट्रस्टए और यूएन वुमन के साथ मिलकर वोडाफोन आईडिया लिमिटेड की सीएसआर विंग वोडाफोन आइडिया फाउंडेशन ने आज श्माय अंबर माई स्काई ऐप के लांच की घोषणा की। जो विशेष रूप से भारत में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए डिज़ाइन और विकसित किया गया समाधान है। कनेक्टिंग फॉर गुड प्रोग्राम के तहत विकसित किए गए माय अंबर ऐप का उद्देश्य महिलाओं को अपने खिलाफ होने वाली हिंसा को समझने और उसका विरोध करने में मदद करना है।

टाटा मोटर्स ने 40 लाख का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली। प्रमुख ऑटो कंपनी टाटा मोटर्स ने शनिवार को कहा कि उसकी यात्री वाहन शाखा ने कुल उत्पादन के लिहाज से 40 लाख के आंकड़े को पार किया है। कंपनी ने करीब तीन दशक पहले 1991 में इस खंड में अपना पहला मॉडल टाटा सिएरा एसयूवी पेश किया था।

आईजीएल जनरेटर बदलने में करेगा मदद

नई दिल्ली। दिल्ली और पड़ोसी शहरो मे डीजल से चलने वाले जनरेटर पर रोक लगने के बाद इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि वह आवासीय परिसरो और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को उनके डीजल जनरेटरों के स्थान पर उन्हें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक गैस से चलने वाले जनरेटर उपलब्ध कराने में मदद करेगी।

त्रिस्वरा ने पांच आउटलेट खोलने की योजना बनाई

नई दिल्ली। पारंपरिक परिधानों की डिजाइन और बिक्री करने वाले स्टार्टअप त्रिस्वरा ने अगले एक साल में पांच नए आउटलेट खोलने की योजना बनाई है। क ंपनी मुख्य रूप से पुरुषों और महिलाओं के लिए हाथ से बुने रेशम के कपड़े से तैयार परिधान बनाती है और इस समय उसका दिल्ली के शाहपुर जाट में एक स्टोर है।

बाइडेन, हैरिस समर्थक भारतीय-अमेरिकियों ने ट्रम्प को बताया शत्रु

● भारतीय अमेरिकियों ने शुक्रवार को कहा कि बाइडेन ने अमेरिकी सीनेटर और उपराष्ट्रपति के रूप में समुदाय की मदद की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति पद के लिए पार्टी उम्मीदवार एवं भारतीय-अमेरिकी सीनेटर कमला हैरिस के समर्थक भारतीय-अमेरिकियों ने कहा है कि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार समुदाय को सबसे अच्छी तरह समझते हैं, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शत्रु है, जो वैश्विक मंच पर भारत की आलोचना करते हैं।

भारतीय अमेरिकियों ने शुक्रवार को कहा कि बाइडेन ने अमेरिकी सीनेटर और उपराष्ट्रपति के रूप में समुदाय की मदद की। सिलिकॉन वैली के उद्यमी अजय जैन भुटोरिया ने कहा, ट्रम्प प्रशासन के चार साल के बाद हम यह जानते हैं कि हमारे बच्चों और नाती-पोतों के पास वह अवसर नहीं होंगे, जो हमारे पास थे। हमें ऐसे नेता की आवश्यकता है, जो हमारे समुदाय, हमारे मूल्यों, हमारे गौरव को समझता हो, जो हमारी कड़ी मेहनत की सराहना करे और अपने प्रशासन में समान अवसर दे और हमारी राय ले। भुटोरिया ने शुक्रवार को ट्रम्प और बाइडेन के बीच राष्ट्रपति पद के लिए हुई अंतिम बहस का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने वैश्विक मंच पर भारत की आलोचना की।

उन्होंने कहा, समुदाय समझता है कि भारत का असली मित्र और दुश्मन कौन है। ट्रम्प दुश्मन हैं। ट्रम्प ने बहस के दौरान कहा कि आप भारत में कोविड-19 संक्रमण के मामलों की संख्या पर भरोसा नहीं कर सकते और भारत दूषित है। उन्होंने एच। वीजा कार्यक्रम निलंबित कर दिया, भारत के साथ व्यापार समझौतों को खतरे में डाल दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मित्रता को केवल तस्वीर खिंचवाने के अवसर के तौर पर इस्तेमाल किया। भुटोरिया ने कहा, बाइडेन ने व्हाइट हाउस में (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक) ओबामा के साथ दीपावली मनाई थी। उन्होंने कहा कि बाइडेन और हैरिस का भारतीय-अमेरिकियों के साथ गहरा नाता है। कैलिफोर्निया स्टेट असेम्बली की सदस्य ऐश कालरा ने कहा कि वह पिछले दो दशक से हैरिस और उनकी बहन माया को जानती है।उन्होंने कहा कि हैरिस को अपनी भारतीय विरासत पर गर्व है। कारोबारी अशोक भट्ट ने कहा कि ओबामा-बाइडेन के पूर्व प्रशासन ने भारत को प्राथमिकता दी थी।

तेजी से पटरी पर लौटने और बाइडेन की मंदी के बीच का चयन होगा तीन नवंबर का चुनावः राष्ट्रपति ट्रम्प

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी इस चुनाव में उनके प्रशासन के प्रयासों के चलते अर्थव्यवस्था के अत्यंत तेजी से पटरी पर लौटने और उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन के कारण पैदा होने वाली मंदी के बीच चयन करेंगे।

ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुई अंतिम बहस के एक दिन बाद कहा, बाइडेन ने कल रात साबित कर दिया कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं है। ट्रम्प ने अपने हजारों समर्थकों के बीच कहा कि इस देश ने स्वयं देखा कि यह चुनाव तेजी से पटरी पर लौटने के ट्रम्प के प्रयास और बाइडेन की मंदी के बीच चयन होगा।उन्होंने कहा कि तीन नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए होने वाला चुनाव अमेरिका की सफलता को लेकर आशावादी एवं देशभक्ति वाली सोच और बाइडेन की निराशाजनक सोच के बीच चयन होगा। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि बाइडेन कट्टरपंथी, समाजवादी वामपंथियों के पूरे नियंत्रण में हैं।

उन्होंने कहा, यह देश कभी समाजवादी देश नहीं होगा। कभी नहीं। कल रात का सबसे अहम क्षण तब था, जब जो बाइडेन ने स्वीकार किया कि वह तेल उद्योग को समाप्त करना चाहते हैं।उन्होंने उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को भी अत्यंत कट्टर वामपंथी बताया।

कमला हैरिस ने राष्ट्रपति ट्रंप को नस्लवादी बताया

न्यूयॉर्क। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नस्लवादी बताया और कहा कि ऐसा नहीं है कि वह अचानक कुछ करते या कहते हैं बल्कि उनमें एक तरह का स्वरूप (पैटर्न) दिखता है।द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार सवालों का जवाब देते हुए हैरिस ने कहा, लोगों ने मुझसे पूछा कि क्या वह नस्लवादी हैं? हां, वह हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि आप देखते हैं कि यह कोई अचानक या बिना सोचे समझे नहीं है। हम इस स्वरूप को देख चुके हैं। चाहे वह बराक ओबामा की वैधता पर सवाल करना हो या फिर शर्लोट्सविले जाना हो। हैरिस ने कहा कि ट्रंप ने कहा था, दोनों ही तरफ अच्छे लोग हैं। हैरिस ने कहा कि अमेरिका को एक ऐसे राष्ट्रपति की जरूरत है जो अमेरिका के इतिहास व प्रणालीगत नस्लवाद की मौजूदगी को स्वीकार करता हो और इससे निपटने के इरादे से सच बोलता हो।

पेंसाकोला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चुनावी सभा को संबोधित करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

टू प्लस टू वार्ता में की जाएगी भारतीय अमेरिकी वैश्विक सहयोग की समीक्षा

भाषा। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने कहा है कि अगले सप्ताह नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच होने वाली टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता में विश्व के दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच वैश्विक सहयोग की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी और आगे उठाए जाने वाले कदमों का खाका तैयार किया जाएगा।

अमेरिका में तीन नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है और यह चुनाव से पहले ट्रंप सरकार की आखिरी सबसे बड़ी राजनयिक वार्ता होगी। इस दो दिवसीय वार्ता में भारत और अमेरिका के शीर्ष चार कैबिनेट मंत्री भाग लेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के संबंधों की आगामी चार साल के लिए आधारशिला रखे जाने की संभावना है, भले ही चुनाव कोई भी जीते।अमेरिका के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारत के साथ संबंधों को लेकर अमेरिका में द्विदलीय समर्थन है।एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने वाशिंगटन डीसी में फॉरेन प्रेस सेंटर द्वारा आयोजित कांफ्रेंस कॉल के दौरान संवाददाताओं से कहा, इस टू प्लस टू वार्ता में अमेरिका और भारत के बीच समग्र रणनीतिक साझेदारी की दिशा में की गई प्रगति की समीक्षा की जाएगी और आगामी कदमों का खाका तैयार किया जाएगा। इस साल वार्ता में चार बड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना हैं। ए मुद्दे हैं- हिंद प्रशांत में जन स्वास्थ्य के मामले में सहयोग एवं काम समेत वैश्विक सहयोग, ऊर्जा एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग समेत आर्थिक सहयोग, लोगों के बीच आपसी संबंध और रक्षा संबंध।अधिकारी ने कहा कि भारत और अमेरिका अर्थव्यवस्था और द्विपक्षीय व्यापार को पटरी पर लाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त सहयोग (यूआईडीएफसी) ने भारत में निवेश परियोजनाओं में 50 करोड़ डॉलर की सहायता मुहैया कराने की प्रतिबद्धता जताई है और हाल में मुंबई में एक प्रबंध निदेशक को नियुक्त किया है, जो भारत और क्षेत्र में निवेश को विस्तार देने में मदद करेगा।अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 का टीका विकसित करने के संयुक्त प्रयास उल्लेखनीय प्रगति के साथ जारी है।

उन्होंने बताया कि छह से अधिक अमेरिकी कंपनियां और संस्थान सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे भारतीय साझेदारों के साथ मिलकर टीका खोजने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि वैश्विक सहयोग में उच्च स्तरीय वार्ता भी शामिल है।

उन्होंने कहा, हिमालय से लेकर दक्षिण चीन सागर तक हिंद-प्रशांत में चीन के बढ़ते आक्रामक व्यवहार के कारण हमारे लिए समान सोच रखने वाले भारत जैसे साझेदारों के साथ मिलकर काम करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। एक अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि भारत के साथ इस समय रक्षा संबंध बहुत मजबूत हैं।

मिस्र में संसदीय चुनाव के पहले चरण के तहत मतदान शुरू हुआ

काहिरा। मिस्र में संसदीय चुनाव के पहले चरण के तहत शनिवार को मतदान शुरू हुआ।प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रजेनटेटिव्स) में मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल सिसी के समर्थकों के आने की संभावना जताई जा रही है।ऐसे समय पर यह चुनाव हो रहे हैं जब अरब दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में कोरोना वायरस के मामलों में मामूली वृद्धि हो रही है और अधिकारियों ने महामारी की दूसरी लहर की चेतावनी दी है। अगस्त में सीनेट चुनावों की तरह, मिस्र के चुनाव अधिकारियों ने कहा कि फेस मास्क मतदाताओं को मुफ्त में दिए जाएंगे और मतदान केन्द्रों को कीटाणु मुक्त किया जाएगा।दो चरणों में होने वाले चुनाव के लिए छह करोड़ 30 लाख मतदाता हैं। चुनाव परिणामों की घोषणा दिसम्बर की शुरूआत में की जाएगी। पहले चरण का मतदान शनिवार और रविवार को मिस्र के 27 प्रांतों में से 14 प्रांतों में हो रहा है।

मिस्र में हो रहे संसदीय चुनाव के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करती महिला मतदाता

सिंगापुर में कोविड-19 के 14 नए मामले

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के कुल 14 मामले दर्ज किए गए जिनमें से 11 लोग बाहर से आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इसके साथ ही इस द्वीपीय देश में कुल कोविड-19 मरीजों की संख्या बढ़कर 57,965 हो गई है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि नए मामलों में से दो स्थानीय समुदाय के हैं जबकि एक मामला विदेशी कामगारों के रहने के लिए बने डॉर्मेट्री का है। मंत्रालय ने बताया कि बाहर से आए 10 संक्रमित लोगों को सिंगापुर आने के बाद घर में ही रहने का नोटिस (एसएचएन) दिया गया था। सिंगापुर में कोरोना वायरस संक्रमण के जो 10 मामले शुक्रवार को दर्ज किए गए वे अमेरिका, बांग्लादेश, रूस, फिलीपीन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और फ्रांस से आए लोग हैं जिन्हें एसएचएन के तहत घर में ही रहने का निर्देश दिया गया था। मंत्रालय ने बताया कि इस समय 52 कोविड-19 मरीजों को अस्तपालों में भर्ती कराया गया है जबकि सामुदायिक पृथकवास केंद्रों में रह रहे 39 संक्रमित ठीक हो गए हैं।

अमेरिकी जनता को मुफ्त में मिलेगा कोरोना वायरस का टीका

बाइडेन ने किया वादा

भाषा। वाशिंगटन

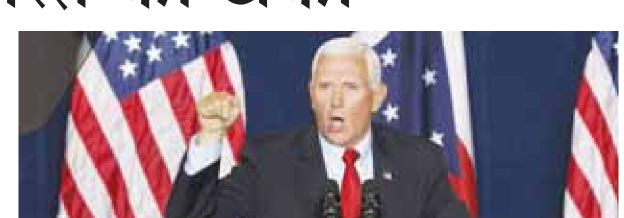

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा है कि अगर वह तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में निर्वाचित होते हैं तो सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्एक अमेरिकी को कोविड-19 का टीका मुफ्त मिले। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के कुछ दिन पहले वह महामारी से लड़ने की अपनी योजना से जनता को अवगत करा रहे थे।बाइडेन ने कोरोना वायरस नीति को लेकर अपने गृह राज्य डेलावेयर में एक भाषण में कोविड-19 महामारी से निपटने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अब तक 2,20,000 लोगों की मौत हो चुकी है और देश की अर्थव्यवस्था पर महामारी का घातक प्रभाव पड़ा है। पूर्व उप राष्ट्रपति ने कहा, जैसे ही हमारे पास सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध होगा, यह सभी के लिए नि:शुल्क होगा, चाहे आपने बीमा कराया है या नहीं। उन्होंने कहा कि ट्रंप के पास इससे लड़ने की कोई कार्ययोजना नहीं है और जब तक वह राष्ट्रपति बने रहेंगे, वह और लापरवाह होते जाएंगे।उन्होंने कहा, हमें इस प्रशासन की विफलता का बंधक बनकर नहीं रहना है। हम दूसरे रास्ते का चयन कर सकते हैं।

अमेरिका ने हमेशा जो किया, हम वो कर सकते हैं-साथ आएं और चुनौती का सामना साहस, करूणा और मजबूत इरादे से करें। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए अपनी योजना की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक ऐसी राष्ट्रीय रणनीति तैयार करेंगे जो देश को निर्णायक रूप से वायरस से आगे ले जाएगा और लोगों की जिंदगी बचेंगी।

बाइडेन ने कहा कि वह नई संसद से कहेंगे कि जनवरी के अंत तक एक ऐसा विधेयक तैयार किया जाए जिसमें यह जानकारी हो कि सार्वजनिक लोक स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए किन किन चीजों की जरूरत है और इसके लिए क्या संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि वह हर राज्य के गवर्नर के पास जाएंगे और उनसे अपील करेंगे कि वह अपने राज्यों में मास्क पहनने का निर्देश दें और अगर गवर्नर इनकार करते हैं तो वह महापौर और काउंटी क अधिकारियों के पास जाएंगे।

अमेरिकी नौसेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो लोगों की मौत

एपी फोले (अमेरिका),एपी

फ्लोरिडा से प्रशिक्षण के तहत उड़ान भरने वाला अमेरिकी नौसेना का एक विमान शुक्रवार को अलबामा के रिहायशी इलाके के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी।

नेवल एयर फोर्सेस के कमांडर के प्रवक्ता जैच हैरेल ने बताया कि टी-6बी टेक्सान 2 प्रशिक्षण विमान में सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। मृतकों के नाम अभी जारी नहीं किए गए हैं। जमीन पर किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

फोले में दमकल विभाग के प्रमुख जोए डार्बी ने बताया कि विमान के नीचे गिरने के बाद उसमें आग लग गई और कई कारें एवं मकान इसकी चपेट में आ गए, लेकिन दमकल कर्मियों ने आग पर जल्द ही काबू पा लिया।विमान फोले शहर के निकट मागनोलिया स्प्रिंग्स कस्बे में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हैरेल ने बताया कि घटनास्थल के पास रिहायशी इलाका है, जहां बड़ी संख्या में लोग रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कोई दमकल कर्मी घायल नहीं हुआ है।

नौसेना की प्रवक्ता जूली जीगेनहोर्न ने बताया कि विमान ने फ्लोरिडा के पेनसाकोला से करीब 48.28 किलोमीटर पूर्वोत्तर में नेवल एयर स्टेशन व्हाइटिंग फील्ड से उड़ान भरी थी। बाल्डविन काउंटी शेरिफ के कार्यालय ने ट्वीट किया कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और नौसेना हादसे के संबंध में जांच करेंगे।

अशांति में 51 आम नागरिकों, 18 सुरक्षा कर्मियों की मौतः नाइजीरिया

एपी। लागोस

नाइजीरिया में पुलिस की बर्बरता के खिलाफ कई दिनों तक शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के बाद भड़की हिंसा में कम से कम 51 आम नागरिकों और 18 सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गईनाइजीरिया के राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने हिंसा के लिए उपद्रव को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने अत्यंत संयम से काम लिया। राष्ट्रपति की टिप्पणियों से अफ्रीका के इस सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में तनाव और बढ़ सकता है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि सैनिकों ने मंगलवार रात गोलियां चलाईं और इसमें कम से कम 12 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इस घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हो रही है।

क्वाड गठबंधन नहीं बल्कि नियम आधारित व्यवस्था चाहने वाले देशों का समूह हैः अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका ने कहा है कि चार देशों का समूह क्वाड गठबंधन नहीं बल्कि वैसे देशों का समूह है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत बनाने के इच्छुक हैं। इस समूह में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका शामिल हैं।हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का मुकबला करने के लिए लंब समय से लंबित इस प्रस्ताव को 2017 में चारों देशों ने अमलीजामा पहनाया था।भारत और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह मंत्रिस्तरीय टू प्लस टू बैठक से पहले एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, क्वाड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो इसे गठबंधन बनाता है। अभी वह रूप नहीं दिया गया है। इसमें शामिल देशों के बीच अभी कोई पारस्परिक दायित्व नहीं है। यह वैसा संगठन भी नहीं है जो सदस्यता का अनुरोध करता हो। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और रक्षा मंत्री मार्क एस्पर विदेश मंत्री जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ चर्चा के लिए भारत जा रहे हैं। भारत जा रहे अमेरिकी अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलेंगे।एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर में तोक्यो में आयोजित क्वाड मंत्रिस्तरीय वार्ता ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लोकतांत्रिक देशों के बीच मजबूत संबंधों को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि यह ऐसे देशों का समूह है जो नियम आधारित व्यवस्था चाहते हैं जिसमें सभी देश संप्रभु, मजबूत और समृद्ध हों।अधिकारी ने नाम न जाहिर करने का आग्रह करते हुए बताया, यह वैसे देशों का समूह है जो दायित्वों से ज्यादा साझा हितों और मूल्यों को लेकर आगे बढ़ता है। यह प्रभावी बहुपक्षवाद का एक उदाहरण है।

भारत-चीन सीमा विवाद पर अमेरिका की करीबी नजरः अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

● दोनों देशों के बीच राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई वार्ताएं हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया है

अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि उनका देश भारत और चीन के बीच सीमा विवाद पर करीबी नजर रख रहा है और वह नहीं चाहता कि तनाव और बढ़े।अधिकारी ने अगले हफ्ते नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच शुरू हो रहे 2प्लस2 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन से पहले शुक्रवार को पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि ट्रंप प्रशासन रक्षा उपकरण बेचने के अलावा संयुक्त सैन्य अभ्यासों और सूचनाओं के आदान-प्रदान से जरिए भारत को सहयोग दे रहा है।उन्होंने कहा, हम एक सरकार के रूप में हिमालय क्षेत्र की स्थिति पर बारीकी और सूझ-बूझ के साथ नजर रखे हुए हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हालात और तनावपूर्ण न हों। अधिकारी ने कहा, इन सभी क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग जारी है और इसे केवल हिमालय पर तनाव से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख सीमा पर इस साल मई से गतिरोध चल रहा है। इससे दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हुआ है।दोनों देशों के बीच राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई वार्ताएं हो चुकी हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया है। चीन ने अगस्त के आखिरी सप्ताह में पेंगोंग झील के दक्षिणी तट पर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश की थी, जिसे नाकाम कर दिया गया था।

पायनियर
रविवार, 25 अक्टूबर, 2020

एजेण्डा

{ किसी ऐसे व्यक्ति पर समय या ऊर्जा लगाने के बजाय, जिसके प्रति मैं आश्वस्त नहीं हूं, मैं खुद के साथ रहना ज्यादा पसंद करूंगी - ब्लेक लाइवली }

विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2019 की रिपोर्ट कहती है कि महामारी संक्रमितों की बढ़ती संख्या से युद्धस्तर पर निपटने की जरूरत है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की 7.5 फीसदी आबादी किसी न किसी प्रकार की मानसिक समस्या का सामना करती है, जो कि समस्त स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का लगभग 1/6वां भाग है और लगभग 15 फीसदी वैश्विक मानसिक, न्यूरोलाजिकल, एवं मूल उत्पीड़न बोझ के लिए जिम्मेदार है। विशेषज्ञों से बातचीत पर आधारित शालिनी सक्सेना की रिपोर्ट

अवसाद के कुछ महत्वपूर्ण कारण

- **तनावपूर्ण घटनाएं:** तलाक, नौकरी छूटना, मित्र या करीबी रिश्तेदार की मृत्यु जैसे व्यक्तिगत घटनाओं के कारण अवसाद हो सकता है।
- **पारिवारिक पृष्ठभूमि:** वंशाणु महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए यदि आपके माता पिता या भाई बहन में इस प्रकार के लक्षण होते हैं तो संभावना है कि आपमें भी यह विकसित होंगे।
- **जन्म देना:** गर्भावस्था के दौरान या जन्म के बाद, महिला के शरीर में होने वाले हार्मोनल व शारीरिक बदलाव, नए जीवन की अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ मिलकर, पोस्टनेटल डिप्रेशन का कारण बन सकते हैं, जो बेबी ब्लूज के नाम से भी जाने जाते हैं।
- **नशागत आचरण:** भारी मात्रा में शराब पीना व मनोविकृतकारी सोच दिमाग को प्रभावित कर सकती है।
- **बिमारी:** कैंसर जैसी जटिल या जानलेवा बिमारी अवसाद का कारण बन सकती है। अन्य उत्प्रेरकों में बदतर हार्मोनल संतुलन (हाइपोथाइरोइडिज्म) या सिर की चोट हो सकते हैं।
- **जेंडर या लिंगभेद:** सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के कारण, पुरूषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा आम तौर पर अवसाद का शिकार होती हैं।

एक 15 वर्षीया छात्रा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली क्योंकि वह आनलाइन कक्षाओं के साथ खुद को ढाल नहीं पाई। तमिलनाडु में शिवगंगा जिले की दसवीं कक्षा की छात्रा, सुभिक्षा ने 15 सितंबर, 2020 को अपना जीवन समाप्त कर लिया क्योंकि वह आनलाइन सत्रों में पढ़ाए जाने वाले अध्यायों को समझ नहीं पाती थी। सुभिक्षा निराश थी क्योंकि वह अध्यायों को समझ नहीं पाती थी और डरती थी कि उसे अपनी परीक्षा में अच्छे नंबर नहीं प्राप्त होंगे यदि उसे आनलाइन कक्षाओं से पढ़ना पड़ा।

14 अगस्त, 2020 को एम्स में कार्यरत एक 40 वर्षीय डाक्टर की लाश साऊथ दिल्ली में स्थित उसके निवास स्थान पर पाई गयी। मोहित सिंघला को दूसरे तल पर अंदर से बंद, कमरे में लटका हुआ पाया गया। डाक्टर एम्स में बाल रोग विभाग में कार्यरत था। लाश के साथ आत्महत्या संबंधी चिट्ठी पाई गयी जिसमें लिखा था: '' यह उसका जीवन, उसका फैसला था, और वह 60-70 साल तक जीना नहीं चाहता था। पत्र में यह भी लिखा था कि वह अपनी मानसिक अवस्था को और ज्यादा छिपा नहीं सकता था। ''

10 अगस्त, 2020 को, एक 22 साल के मेडिकल छात्र, विकास, ने एम्स में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। वह बैंगलुरू से एमबीबीएस द्वितीय वर्ष का छात्र था, और उसका संस्थान में अवसाद का इलाज चल रहा था।

11 जुलाई, 2020 को डा अनुराग कुमार, मनोचिकित्सा विभाग में जूनियर रेजिडेंट, ने एम्स में कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी।

अवसाद वो शब्द है जिसका हम अक्सर बिमारी की गहराई को समझे बिना उपयोग करते चलते हैं। पोद्दार वेलनेस लिमिटेड में डा प्रकृति पोद्दार स्पष्ट करती हैं, '' यह एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो सभी आयु के लोगों को एक या मौजूदा प्रमुख अवसादग्रस्त प्रकरणों, जो कि हल्के, संतुलित या गंभीर हो सकते हैं, के रूप में प्रभावित करती है। अवसाद का कोई अकेला कारण नहीं होता है, यह दिमाग की असंतुलन जो परस्पर कार्यरत जेनेटिक व परिस्थितिगत कारकों के मेल के कारण पैदा होता है। यह अक्सर उभरने वाली मानसिक अनियमितता है जो गंभीर रूप में निष्क्रीय बनाने वाली है और इसके व्यक्ति के तथा आम तौर पर समाज के रोजमर्रा जीवन पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ते हैं, इसमें समाज परउल्लेखनीय आर्थिक बोझ पड़ना शामिल है।''

द लांसेट के अनुसार, मानसिक समस्याएं भारत में गैरजानलेवा रोग बोझ के प्रमुख कारणों में से हैं और साल 2017 में 197.3 मिलियन लोगों को मानसिक समस्याएं थीं, जिनमें 45.7 मिलियन लोग अवसादग्रस्त समस्याओं तथा 44.9 मिलियन लोग बेचैनी की समस्याओं से पीड़ित हैं। यह स्थिति उस मुकाम पर जाती है कि 1990 में कुल अपंगता समायोजन जीवन वर्षों में से 2.5 फीसदी मानसिक समस्याएं अनदेखी रह गयी जो 2017 में बढ़कर 4.7 फीसदी पर पहुंच गयी। भारत में आर्थिक क्षति के लिए असंक्रामित बिमारियों में मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

डा पोद्दार का कहना है, '' यह समय है कि हम अवसाद व अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों संबंधी सामयिक नजरिए पर रोक लगाएं और उनकी सहायता के लिए सहयोग पर उतर आएं। अवसाद आत्महंता सोच के लिए एक जोखिमपूर्ण कारक है और अच्छी मानसिक स्वास्थ्य देखभाल उस खतरे को कम कर सकती है, प्रभावित व्यक्ति इन तक पहुंच बना सकता है इसे सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं। आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रम और हॉटलाइंस सहयोग प्रदान कर सकते हैं और कुछ समय के लिए प्रवृत्ति पर रोक लगा सकते हैं। हालांकि, जोर और उसकी रोकथाम इस तथ्य से ध्यान भटकाते हैं कि बुरी स्थितियों वाले मामलों में अवसाद और परिणामस्वरूप आत्महंता सोच/ आत्महत्या प्रयास/ आत्महत्याएं मजबूरीवश हो सकती हैं। ''

रोकथाम

- अपना अच्छी तरह खयाल रखें। पर्याप्त नींद लें, पौष्टिक आहार का सेवन करें, और नियमित व्यायाम करें।
- यदि आप अकेलापन या दुखी महसूस कर रहे हैं तो परिवार व मित्रों से बातचीत करें, और उनके साथ समय बिताएं।
- व्यायाम, ध्यान व योग के जरिए तनाव से लड़ें
- खुद को बेहतर ढंग से जानें। अपनी खूबियों का पता लगाएं और पता लगाएं कि किस कारण की वजह से आपकी स्थिति बुरी होती है। इससे आपके डाक्टर या उपचारक को सहायता मिल सकती है।
- अपनी उपचार योजना का सख्ती से पालन करें। यदि आप दवा ले रहे हैं तो उसे निर्देशानुसार लें।
- नियमानुसार डाक्टर के साथ संवाद सत्रों में भाग लें और अपने डाक्टर को बताएं क्या आपके लिए कारगर हो रहा है और क्या नहीं।

कोविड-19 महामारी ने तनाव को बढ़ाया है और न केवल व्यवसायों को बल्कि हमारी उपभोग शैलियों व हमारे जीने के ढंग को बिगाड़ दिया है। महामारी ने जबरन घर से काम करने की शुरूआत की और आनलाइन शिक्षा नयी सहजता बन गयी है। स्क्रीन टाइम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और शारीरिक गतिविधि के अभाव ने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को जबरदस्त प्रभावित किया है। स्थापित दिनचर्याएं पूरी तरह बिगड़ चुकी है। तालाबंदी के एक सप्ताह के भीतर, मानसिक स्वास्थ्य के दर्ज मामले बीस फीसदी तक बढ़ गए।

टाटा साल्ट लाइट सर्वे ने इंगित किया है कि दिल्लीवासियों के लिए, काम संबंधी मसले तथा तकनीक संबंधी मसले क्रोध व तनावग्रस्तता को भुलाने के सर्वोच्च कारण रहे। प्रत्येक पांच में से तीन (61 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि उन्हें बेइंतहा गुस्सा, गलतियां करने या अपने बॉस से बहस करने का मन होता था यदि उन्हें छुट्टियों पर काम करने के लिए कहा जाता था या यदि उन्हें कुछ आपात कार्यवश शुक्रवारों को ज्यादा समय के लिए काम करने के लिए कहा जाता था।

मैक्स सुपर स्पेशियालिटी हास्पिटल, पटपड़गंज, में मानसिक स्वास्थ्य एवं आचरणगत विज्ञान विभाग के सीनियर सलाहकार व विभागाध्यक्ष, डा राजकुमार श्रीवास्तव के अनुसार, अवसाद मनोचिकित्सीय समस्या को सबसे आम प्रारूप है। श्रीवास्तव जी कहते हैं, ''यह हमेशा से मौजूद रहा है। आज, लोगों ने इसकी ज्यादा चर्चा करनी शुरू की है। लोग अधिक मुखर हैं और इसकी खबरें उभार पर हैं। सोशल मीडिया की भूमिका और नामचीन हस्तियां भ अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात कर रही हैं, लोग साहसी हो गये हैं। महामारी ने मामलों ने सहायता नहीं की है। संक्रमण, नौकरी खोने का भय और कोरोना वायरस से जुड़ी निराशा ने इस बोझ को बढ़ा दिया है। लोगों की जीवनशैली में भी बदलाव हुआ है। अनिश्चितता ने लोगों को बेचैन बनाया है। मीडिया द्वारा नामी लोगों की आत्महत्या को महिमामंडित करने को दोष देना होगा। व्यक्ति को समझना होगा कि जो व्यक्ति आत्महत्या करता है, वो व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत नहीं है। इंसान के जीवन में मामूली बातें भी मानसिक रोग उभरने की वजह बन सकती है।''

अच्छी बात यह है कि मानसिक रोग से संबंधित शर्मिन्दगी का भाव कमजोर हो रहा है, लोग अपनी समस्याओं के बारे में बात करना चाह रहे हैं।

डा श्रीवास्तव बताते हैं, '' हालांकि, छोटे शहरों में समस्या अभी भी बरकरार है। मेट्रो शहरों में स्थिति बहुत बेहतर है। ज्यादा महत्वपूर्ण है संकेतों पर नजर रखना। एक शब्द है, मनोचिकित्सा में आत्महत्या का इरादा।

>> पेज 3

जमीन पर चौकीदार हैं हमारी आंखें, कान और हाथ

शालिनी सक्सेना

बीते दिसंबर, जब कुशल पंजाबी ने आत्महत्या की थी तो उसके दोस्त स्तब्ध थे। वह 25 दिसंबर, 2019 को एक दोस्त की पार्टी में गया हुआ था और उसके किसी भी दोस्त को अंदेशा तक नहीं था कि पंजाबी अवसादग्रस्त था और जब उन्होंने अलविदा कहा तो वह वह उनकी अंतिम समय होगा जब वे उसे जीवित देखेंगे। मीत बंधुओं के परम मित्र हरमीत सिंह को यही महसूस हुआ।

गायक संगीत निर्देशक कहते हैं, '' जब मैंने उसे पार्टी के समाप्त होने पर अलविदा कहा तो मुझे बिलकुल भी अंदाजा नहीं था कि मैं उसे दुबारा जीवित नहीं देख पाऊंगा। अगले दिन जब मुझे खबर मिली तो मैं स्तब्ध था, मैं यकीन नहीं कर पाया। जब मैं उसके घर गया और उसकी मां और बहन को आंसुओं में गमगीन देखा तो मैं जानता था कि मुझे इसे लेकर कुछ करना चाहिए था- दूसरों की कैसे मदद करें। वे कहते हैं कि चैरिटी जैसे काम की घर से शुरूआत करते हैं और इसलिए 10 सितंबर, 2020 को विश्व आत्महत्या रोकथाम जागरूकता दिवस पर द वी केयर इनीशिएटिव की शुरूआत की गयी। ''

इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को चौकीदार के रूप में प्रशिक्षित करना है जो फिर दूसरों में अवसाद के लक्षण पहचान सकें और व्यक्ति को चेतावनी दिए बिना उपयोगी प्रश्नों को पूछकर उन्हें सहायता प्रदान कर सकें, लेकिन सुनिश्चित करें कि वह अपनी बात बताए और वो मदद ले सके जो उसे चाहिए। जोर भावनात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जुड़ी शर्म को कम करना, और आत्महत्या रोकथाम संबंधी जागरूकता फैलाना भी है, तथा साथ ही लोगों को मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य संबंधी नजरिया बदलना है। इंडस्ट्री में यथासंभव अधिक से अधिक लोगों को चौकीदार के रूप में प्रशिक्षित करने से, वहां हर कहीं आखें और कान होंगे जो

आत्महत्या के लक्षणों की पहचान कर सकें और जान सकें कि क्या करना है और कैसे सहायता करनी है। श्री सिंह स्पष्ट करते हैं,

'' मकसद उन आम लोगों को प्रशिक्षित करना है जो दूसरों में अवसाद के लक्षणों की पहचान कर सकें, समस्या के बारे में जागरूकता फैला सकें और जहां मानसिक रोग से पीड़ित को अनिवार्य सहायता की आवश्यकता हो वहां उसे वो सहायता प्रदान की जा सके। प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया जाता है। यह दो घंटे का सत्र है जिसमें लोग ़एमबंतमपदपजपंजपअमण्बवण्पद में पंजीकरण कराने और 1000 रूपया शुल्क जमा करने के बाद भाग ले सकते हैं। कुछ दोस्तों व अति-प्रशिक्षित पेशेवरों की सहायता से इस पहल की शुरूआत की गयी है। देश में आत्महत्याओं की बढ़ती दर, खास तौर पर मनोरंजन उद्योग में, ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चर्चा को आम पटल पर ला दिया है और यह पहला कदम है।''

पहल की कार्यात्मक निर्देशक नताशा शर्मा बताती हैं कि उनकी पहल का एक प्रमुख लक्ष्य आत्महत्या प्रयासों पर रोकथाम लगाना है और मानसिक समस्याओं से निपटना है। सुश्री शर्मा कहती हैं, '' हम इसके बारे में जितनी ज्यादा चर्चा करेंगे, यह उतनी ही ज्यादा लोगों की सहायता करेगी। आत्महत्या में वृद्धि होने का एक प्रमुख कारण महामारी के कारण होने वाली तालाबंदी का योगदान हो सकता है। आज, दुनिया एक अत्यंत दबाव वाली जगह है। काफी ज्यादा वित्तीय दबाव है और युवा पीढ़ी सत्तर- अस्सी दशक के लोगों की तुलना में बहुत ज्यादा संवेदनशील है। बेचैनी बढ़ती जा रही है। वह हर किसी को संघर्ष करते देखते हैं, वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। ''

>> पेज 3

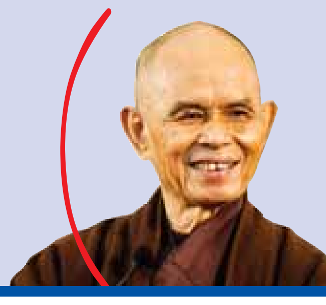

ज्योतिष/ज्योतिषी की परीक्षा

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

कुछ साल पहले, एक अत्यंत प्रिय ने अपनी विरक्त पत्नी के लिए मिलने का समय मांगा। हालांकि वे अलग हो चुके थे, मगर वे अच्छे मित्र बने रहे। महिला ने अपनी जन्म संबंधी कागजात भेज दिए जिसके आधार पर उसकी ज्योतिष कुंडली बनाई गयी। फिर, मैंने परामर्श के समय तालिका बनाई। उस क्षण उभरने वाले सत्ताधारी ग्रह महिला द्वारा भेजी गयी जन्म संबंधी जानकारियों के अनुसार बनाई गयी कुंडली से मेल नहीं खाते थे। इसने दर्शाया कि जन्म संबंधी जानकारी सही नहीं थी। कृष्णमूर्ति प्रणाली में, यह जांचने की कि जन्म कुंडली सही है या नहीं, एक प्रमाणित पद्धति है। फिर मैंने उस महिला से पूछा: ''क्या आपकी जन्म संबंधी कागजात सही हैं? '' उसने पुष्टि की – ''हां''। उनके साथ बहस करना आसान नहीं था। इसलिए मैंने परामर्श के समय बनाई गयी कुंडली के आधार पर अपने सारे पूर्वानुमान निर्मित किए। अपने प्रश्नों के उत्तर पाने के बाद, वह संतुष्ट होकर घर गयी। फिर उसने फोन किया और अपने पूर्व पति को धन्यवाद दिया कि उसने उसे एक अच्छे ज्योतिष से मिलवाया।

फिर मेरे मित्र ने फोन पर सूचित किया कि महिला आपसे बहुत प्रसन्न थी। फिर उसने सवाल किया: ''कृपया उसने जो जानकारी दी उसके बारे में मुझे बताएं। '' वह चकित रह गया जब मैंने उसके द्वारा बताई गयी जन्म संबंधी जानकारियों के बारे में उसे बताया। उसने कहा, ''महोदय, उसने आपको जन्म संबंधी गलत जानकारियां दी थी। यह वो जानकारी थी जो उसने मुझे शादी के समय अपनी असली जन्म तिथि छिपाने के लिए दी थी। बाद में, मुझे उसका असली राशिफल मिल गया। आपके अनुमान इतने सटीक कैसे रहे, जबकि उसने आपको अपनी वास्तविक जन्म संबंधी जानकारियां नहीं दी थीं?'' मैंने उत्तर दिया, ''खैर मैंने जन्म तालिका को नजरंदाज कर दिया और बल्कि परामर्श के समय प्रस्तुत ज्योतिष कुंडली की गणना की।''

उसने सवाल किया, ''परामर्श के समय बनाई गयी कुंडली कैसे इतने सटीक ढंग से उसके बारे में बता सकती है? '' ''याद रखें, समय में निरंतरता होती है। व्यक्ति ने समय विशेष में जिस चीज का सामना किया है, वो अतीत में किए गए अच्छे व बुरे का प्रतिफल होता है। वर्तमान क्षण में जो बोया गया वही भविष्य में सामने आने वाला है। परामर्श के समय की तालिका बताती है कि आपके मन में क्या है, और किस तरह यह आने वाले समय में उभरने वाला है। यदि आप जानते हैं कि आप एक आम का बीज बो रहे हैं तो उसके रसायन के जानकार बनकर, आप इसके क्रमिक विकास का समयाक्रम पता लगाने में सक्षम हो सकते हैं। मौजूदा पल की ज्योतिष कुंडली मन में संभावित बीजों से परिचित कराती है, जो फिर संभावित

भावी घटनाओं का पूर्वानुमान करना संभव बनाता है।''

हमारा अक्सर अपने पेशेवर जीवन में ऐसी चुनौतीपूर्ण घटनाओं से सामना होता है, खास तौर पर विवाह मेल में। यह पाया गया है कि अनेक विवाह योग्य लड़कियों के माता पिता उनके विवाह संबंधी जानकारियों में हेरफेर करते हैं ताकि यह विवाह पक्का करने के लिए वर की कुंडली से मिल जाए। हालांकि उन्हें अपनी लड़की के विवाह की जल्दी होती है, लेकिन किस अंजाम पर? अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होने की हड़बड़ी में, वे अपनी खुद की बेटी वैवाहिक खुशी की परवाह नहीं करते हैं। जब समस्याएं आती हैं तो वर पक्ष सवाल कर बैठता है: ''महोदय, हमने विवाह से पहले कुंडली मिलाई थी। फिर भी, यह कारगर क्यों नहीं है? '' जब दुबारा जांच की जाती है तो सामने आता है कि लड़की की कुंडली गलत थी।

हाल में, मेरा ऐसी स्थिति से सामना हुआ जब नवविवाहित बेटे के परेशान माता पिता एक दिन उनकी कुंडलियां लेकर मेरे पास आए। उन्होंने मुझसे पूछा कि कोई पूजा बताएं जो उसके वैवाहिक खुशहाली को बचाने में सहायता कर सके। वैसे, वैवाहिक टकराव हमेशा पति-पत्नी के दृष्टिकोणगत भिन्नताओं के कारण होता है। इसलिए समस्या उनके मनों में बैठी होती है। कोई पंडित कैसे किसी पूजा के जरिए उनके मानसिक दायरे में प्रवेश कर सकता है और आवश्यक दृष्टिकोण सुधार कर सकता है? उन्हें वैवाहिक खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए खुद को सुधारना पड़ता है।

लड़के की कुंडली की पड़ताल ने बताया कि उसमें भयंकर अहंकार था- जो स्वपरिभाषित अच्छाई और बुराई से बंधा हुआ था- जो बृहस्पति के खिलाफमंगल की यूरेनस की गठजोड़पूर्ण स्थिति का नतीजा हो सकता है। वह अपनी खुद की मान्यताओं व अवधारणाओं के विपरीत कुछ भी होना सहन नहीं कर सकता है। अव्यवहारिक व गैरसमझदार होने से, वह असामयिक व अनुचित प्रतिक्रियायों को दूसरों को दुखी करता है। जब लड़की की कुंडली को मैंने देखा तो उसे हेरफेरयुक्त पाया था। अनिवार्य सुधार करने के बाद, बनाई कुंडली ने उसके असली स्वभाव के बारे में बता दिया।

वह मिथुन राशि में जन्मी थी। लग्नस्वामी बुध सूर्य और बृहस्पति के साथ मिलकर लग्न में उपस्थित था, जो विवाह की परिचायक सातवें घर में अड़ियल यूरेनस, नटखट वरूण और शनि के विपरीत था। दुर्बल चन्द्रमा वीनस के विरूद्ध था। इसने दर्शाया कि लड़की, जमीनी सच्चाइयों से परे, अपनी खुद की खयाली अवधारणाओं में डूबी रहती थी। वह जीवन को अपनी खास शर्तों के आधार पर जीना चाहती थी, और दूसरे की संवदेनाओं व चिंताओं को दरकिनार करती थी। उसकी तार्किक व निर्णयन क्षमता की समझ कमजोर होगी। यदि चीजें उसके मुताबिक आगे नहीं बढ़ती हैं तो वह नाराज हो सकती थी। नतीजा आज सबके सामने है।

डा बलबीर सिंह

रहें दिल से युवा

हार्ट अटैक की दर्द या असुविधा आम तौर पर कंठशूल से मिलती जुलती है, लेकिन अक्सर ज्यादा गंभीर होती है और पसीने, मिचली और सांस फूलने आदि से जुड़ी हो सकती है। डायबिटीज रोगियों में यह अधिक आम है।

हृदय रोगों को भारत में जानलेवा रोगों तथा मृत्यु के प्रमुख कारण में से एक माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टों के मुताबिक, हृदय संबंधी समस्याएं अनुमानतः प्रत्येक पांच पुरूषों तथा प्रत्येक आठ महिलाओं में से एक की जान लीलती है। बढ़ते हार्ट फेल की घटनाओं, जो रक्त कोशिकाओं धमनी मार्गों में एकत्रित होने वाले वसा तत्व के कारण होती हैं, के पीछे प्रमुखयता जीवनशैलीगत आदतों व धूम्रपान, मोटापा, उच्च कोलोस्ट्राल, उच्च रक्तचाप और डायबिटीज जैसी स्थितियां हैं।

हार्ट अटैक को कभी बुढ़ापे से जोड़ा जाता था। हाल में, बीस, तीस व चालीस साल के ज्यादा लोग हृदयरोगों से पीड़ित नजर आए हैं। इंसान की अनुवांशिक बदलाव तथा पारिवारिक इतिहास के अलावा, जो कि सबसे आम तथा अनियंत्रणयोग्य जोखिमपूर्ण कारक हैं, मगर भारतीय युवा अब खराब जीवनशैली, तनाव, अव्यवस्थित निद्रा आदतों के कारण हृदय रोग का शिकार हो रहे हैं। जो फिर जलन तथा हृदयरोगों के खतरे बढ़ने का कारण बनता है। धूम्रपान के साथ मिलकर आलस्यपूर्ण जीवनशैली के फिर और खतरे सामने आते हैं जो युवा पीढ़ी में जोखिमपूर्ण कारकों को खुराक देते हैं।

भारत में हृदयरोग चिकित्सालय 2 लाख से अधिक ओपेन हार्ट सर्जरी करते हैं और इसमें हर साल 25 फीसदी का इजाफा हो रहा है लेकिन वे हार्ट अटैक की संख्या नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं। सर्जरियां केवल दर्दनाशक होती हैं। हृदय रोग के मूल कारणों और उसके खतरों के बारे में शिक्षित करना मृत्यु की घटनाओं को जड़ से खत्म करने के लिए जरूरी है।

लक्षण क्या हैं?

ऐसा नहीं है कि प्रत्येक हृदय रोगी के एक जैसे लक्षण तथा सीने में दर्द होते हैं, जैसा कि ये आम लक्षण के तौर पर प्रचलित हैं। लक्षण शून्य से लेकर गंभीर तक भिन्न हो सकते हैं, कुछ लोगों को अपाच्य जैसी समस्या महसूस हो सकती है और कुछ मामलों में गंभीर दर्द, भारीपन या कड़ापन महसूस हो सकता है। दर्द आम तौर पर छाती के केन्द्र में महसूस होता है जो बाहों, गर्दन, जबड़ों व पेट तक में फैल जाता है, और इसके साथ धड़कन तेज होती है और अजीब बेचैनी महसूस होती है।

अगर हृदयधमनियां पूरी तरह बंद हो जाती हैं तो इससे हार्ट अटैक आ सकता है जिससे हृदय मांसपेशी को स्थायी क्षति पहुंच सकती है। हार्ट अटैक की दर्द या असुविधा आम तौर पर कंठशूल से मिलती जुलती है, लेकिन अक्सर ज्यादा गंभीर होती है और पसीने, मिचली और सांस फूलने आदि से जुड़ी हो सकती है। डायबिटीज रोगियों में यह अधिक आम है। हार्ट अटैक का तत्काल उपचार नहीं किया जाए तो वह जानलेवा हो सकता है।

संभावित हृदयरोगी के मूल्यांकन में चिकित्सा व पारिवारिक पृष्ठभूमि, जीवनशैली का आंकलन तथा खून की जांच कराना शामिल होता है। सीएचडी के रोग की पुष्टि के लिए अन्य जांचें होती हैं जिनमें इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम जैसी जांचें होती हैं ताकि प्रत्येक हार्ट वाल्व की गतिविधित, मोटाई व संरचना की पहचान की जा सके, हृदय, फेफड़ों, व छाती की दीवार को देखने के लिए एक्सरे होता है ताकि अन्य स्थितियां का पता लगाया जा सके जो लक्षणों का कारण बन सकती हैं। कसरत करते समय हृदय पर कसरत का असर जानने के लिए टेड्ढमिल टेस्ट (टीएमटी) कराया जाता है, हृदय प्रवाह को जानने के लिए कार्डियोवस्कुलर कार्टोग्राफी होती है, कोरोनरी धमनियों संकुचित तो नहीं हैं तथा गतिरोध कितना गंभीर है, आदि का पता लगाने के लिए सीटी एंजियोग्राफी व इनवेसिव कोरोनरी एंजीयोग्राफी कराई जाती है।

यद्यपि कोरोनरी हृदय रोग को पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता, मगर लक्षणों से निपटने में, हृदय का कामकाज सुधारने तथा हार्ट अटैक जैसी समस्याओं की संभावनाएं घटाने में उपचार सहायता कर सकता है। असरकारी प्रबंधन में जीवनशैली बदलाव, दवाइयां व सहज उपचारों का समायोजन शामिल होता है। आक्रामक व सर्जिकल उपचारों की ज्यादा गंभीर मामलों में आवश्यकता होती है जहां व्यक्ति अपना सामान्य जीवन जीने में सक्षम हो। कुछ सरल जीवनशैलीगत बदलाव हैं जिनमें स्वस्थ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम करना, धूम्रपान न करना और रक्त कोलोस्ट्राल और शूगर स्तरों को नियंत्रित करना शामिल है। ये बदलाव सीएचडी, स्ट्रोक और डिमेंशिया के खतरे कम कर सकते हैं।

– लेखक कार्डिएक साइंसेज, मेक्स हास्पिटल, साकेत, नयी दिल्ली के चेयनमैन हैं।

संदेश को जिम्मेदारी से फैलाएं

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि एक ऐसी दुनिया में जहां झूठी खबरें सच्ची खबरों पर भारी पड़ रही है, यह समय है कि देश लोगों को अनिवार्य आध्यात्मिक क्रियाओं से परिचित कराएं ताकि लोग ऐसी सामग्री से अपनी मानसिक शांति को प्रभावित न होने दें

हम सभी को 2015 में फ्रांसीसी व्यंग्यात्मक साप्ताहिक समाचार, चार्ली हेब्दो के कार्यालय पर आतंकवादी हमले की याद है। विश्वव्यापी मीडिया स्तब्ध और चकित रह गया था। बिरले ही कोई मीडिया संस्थान था जिसने इस विषय पर अपनी राय व्यक्त नहीं की थी। ऐसी घटना के संभावित कारणों पर काफी कुछ कहा, विचारा व सोचा गया था।

निश्चित रूप से, विचार काफी भिन्न थे और उसके कारण, अनेक देशों ने विचार की अपनी भिन्नताओं के कारण एक दूसरे के बीच कूटनीतिक संबंध तक बना लिए। हालांकि, एक बात जो घटना ने निश्चित रूप से व्यक्त की वो यह कि लिखित या बोले गए शब्दों की ताकतत जबरदस्त होती है। आज की दुनिया में, जहां संचार के माध्यम तेजी से विकसित हो रहे हैं और अत्यंत विकसित हैं, विचार आसानी से इंटरनेट पर चक्कर लगाते हैं और वे लोगों का ध्यान आकर्षित करने में सक्षम हैं। यह ठोस निर्णय लागू करने के बाद, व्यक्ति की आजादी और अभिव्यक्ति की ताकत के इस्तेमाल की आवश्यकता को इंगित करता है।

अखबार के व्यंग्यात्मक टिप्पणी को विशेष धर्म या उसके संस्थापक के अपमान के बतौर समझा गया। और इस कारण उस धर्म के मानने वालों ने, आमतौर पर प्रकाशन के खिलाफअपनी आवाज उठाई। हालांकि, अनेक अन्य प्रकाशन या पुस्तकें या पत्रिकाएं हैं जो विशेष तौर पर किसी समुदाय के खिलाफ नहीं होते हैं। यह शायद हर कहीं उनके खिलाफव्यापक प्रदर्शनों की संभावनाएं कम कर सकता था। अनेक लेखन या अध्याय हो सकते थे, जिन्होंने, हालांकि बहुत खुलेआम तथा ठोस स्तर पर पैगंबर विशेष की शिक्षाओं का विरोध न किया हो, मगर समाज के बड़े हिस्से के मन पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकते थे। इसी प्रकार, काफी विषयसामग्री आनलाइन हो सकती है जो अधिकांश उन लोगों के मन को प्रभावित करते हैं जो इसे गलत ढंग से व्याख्यायित कर सकते हैं। भारी हिंसा, सेक्स, क्रोध आदि भी इसमें शामिल हो सकते थे। आज नही तो कल एक के बाद एक फिल्म में ऐसी सामग्री में दोहराव व्यक्ति के नैतिक तानेबाने को बिगाड़ देता है और उसके मन को भ्रष्ट बनाता है। परिणामस्वरूप, इंसान की चिंतन प्रक्रियाएं प्रदूषित होती हैं और नतीजतन, समूचा समाज इसके हानिकारक प्रभावों का शिकार होता है। चूंकि यह लोगों के मन को जहरीला बनाता नजर नहीं आता है, मगर वे बिरले ही कोई ठोस प्रतिरोध करते हैं। बल्कि ऐसे विषय सामग्री के निर्माता हमेशा मानते हैं कि लोग इसे पसंद करते हैं भले ही तथ्य हो कि यह ऐसे निर्माता हैं जिन्होंने अपने घटिया कंटेंट वाले संसाधनों के जरिए लोगों के रूचि को असलियत में विकृत बनाया है। अनेक लिखित किताबों, उपन्यासों, वयस्क पत्रिकाओं, फिल्मों व ऐसी चीजों के बारे में यही कहा जा सकता है जिन्हें बड़ी संख्या में लोग देखा करते हैं। कुछ के लिए, यह निश्चित रूप से प्रभावित कर सकता है या उनके विशेष इरादों या मनोबल तक को प्रभावित कर सकता है। खास तौर पर, ऐसी दुनिया में जहां झूठी खबरें ऐसा प्रमुख खिलाड़ी बन गयी हैं कि आज वास्तविक या झूठी खबर के बीच अंतर करना ज्यादा कठिन हो रहा है, ऐसे में यह जरूरी है कि ऐसा कंटेंट हमारी मानसिक शांति को प्रभावित न करता हो।

यह केवल ध्यान जैसी प्रक्रिया हे जो लोगों को राहत प्रदान कर सकती है और उनके समस्त शारीरिक व मानसिक तंत्र पर स्वास्थ्यवर्द्धक प्रभाव डाल सकती है। हिंसक कथ्य जैसी कोई बुराई निश्चित रूप से व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है। यह अनेक लोगों के लिए भावनात्मक रूप से अमानवीय भी हो सकती है। और फिर भी, हम बहुत कम ध्यान देते हैं कि किस तरह हमारे कार्यों के स्वस्थ तन, मन व हृदय के साथ परस्पर सहयोग में चलाने की जरूरत है। भावनाओं पर नियंत्रण ही वो तरीका है जो दुनिया की मानवता के बेहतर ढंग से समझने तथा हेब्दो पर आतंकवादी हमले जैसे अड़ियल फैसले लेने से परहेज करने में सहायता कर सकता है। यह उत्तम समय है कि दुनिया भर के देशों को ध्यान पर ध्यान दे तथा इसे हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य बनाए ताकि इस समस्या पर पूर्णतया ध्यान दिया जाए वर्ना मूल्यों की स्थापना करने तथा लोगों की जीवनशैली को आध्यात्मिक स्पर्श प्रदान करने के उनके सभी प्रयास बेकार चले जाएंगे। वे सामग्री को ऐसे देखने या पढ़ने के अंधड़ असर में बह जाएंगे।

इस सप्ताह आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

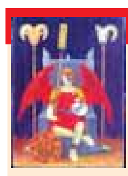

कुछ नकारात्मक शक्तियां सक्रिय हैं और आपको उनसे इस सप्ताह लड़ना चाहिए। मौसमी बिमारियां आपको निष्क्रीय व सुस्त बना सकती हैं। उचित खुराक, व्यायाम और आराम स्वस्थ जीवन का मंत्र है। यदि आप लंबे समय तक इन मूलाधारों को अनदेखा करते हैं तो आप इसके दुष्परिणाम भुगत सकते हैं। कामकाजी परिवेश अनुकूल नहीं है और कई बार आपको परेशान कर सकता है। बदला लेने की मंशा मं अपने समय व ऊर्जा को बर्बाद मत करें। बस जीवन के अगले चरण के लिए तैयार रहें। आप रचनाशील लोगों के प्रति आकर्षित हो सकते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** गुरूवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

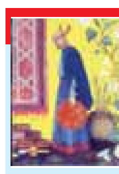

इस सप्ताह भ्रम बना रहेगा। इस सप्ताह स्वास्थ्य के मामले में चिंता के अनेक मसले उभर सकते हैं। आपके पास इनसे निपटने के लिए कुछ निहित मामले हो सकते हैं। नाक, कान, गले की समस्याएं भी उभर सकती हैं, जो आपको डाक्टर के पास दौड़ा सकता है और आपका अधिकांश समय खा सकते हैं। आपको चीजों को प्राथमिकता देना सीखना चाहिए। करियर मोर्चे पर, आप काम पर लोगों व अपने सहकर्मियों के साथ अच्छा जुड़ाव साझा करते हैं। सम्मेलनों व वार्ताओं में भागीदारी करने का यह सही समय है। संबंधों के लिए यह अच्छा समय है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

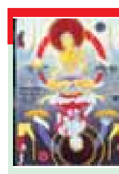

इस सप्ताह आप अपने जीवन में परिष्कृत ऊर्जा व आकर्षण महसूस करेंगे। आप अपनी सेहत की जैसी देखभाल व खयाल करते आए हैं उससे आप परम उत्साहित रहेंगे। आप मन में आकर्षण व खुशी अनुभव करते हैं। यह समय दिव्य आस्था पर भरोसा करने का भी है। नयी दिशा व सुरक्षा आपमें भरोसा जगाती है कि दिव्य भावना आपके सर्वोत्तम हित में काम कर रही है। पेशेवर स्तर पर, आप अपने भीतर नयी चमक व रचनात्मकता की नयी भावना महसूस करती है। आप अपने नजरिए व अपने निर्णयन क्षमता में ज्यादा दृढ़निश्चयी व आक्रामक हैं।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** मंगलवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप ताजा, प्रफुल्लित, व आगे बढ़ने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, और आप इसे और बेहतर बनाने की कोशिश में हैं। अच्छी खुराक, पौष्टाहार, व्यायाम व सहज जीवन जीना आपके फैसले का हिस्सा हैं। भावनात्मक एवं आध्यात्मिक रूप में आप संतुष्ट महसूस करेंगे। आपका उत्साह और आकर्षण दिन पर दिन बढ़ रहा है, और दूसरों को आपके प्रति ईष्यालु बना रहा है। करियर मोर्चे पर, आपको लग सकता है कि कार्यस्थल पर स्थितियां आपके पक्ष में नहीं हैं और आप अपने मन को बदलाव के लिए तैयार कर सकते हैं।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

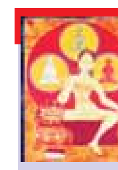

आपको अपने स्वास्थ्य के मामले में सजग रहने की जरूरत है। आप विभिन्न कारणों से तनाव का शिकार हो सकते हैं, इसलिए स्वयं के प्रति उदार होना खासतौर पर महत्वपूर्ण है। यदि आप क्रोधित है, तो उसे व्यक्त करें। अपने क्रोध व दुख को अपने खिलाफमोड़ने के बजाय अपनी बेचैनी को व्यक्त करें। पेशेवर स्तर पर, चीजें आपके पक्ष में नहीं हैं। आपको इस सप्ताह कुछ झूठे आरोपों, उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप, तथा छानबीन का सामना करना पड़ सकता है। काम हेतु बेहतर नजरिया पाने के लिए आपको थोड़ी मदद की जरूरत पड़ सकती है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** मैरून **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

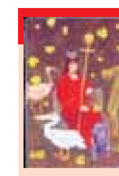

आपका शारीरिक स्वास्थ्य आपके मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यह समय है जब आपको अपने सहज आवेगों व प्रतिक्रियाओं के प्रति बहुत सजग होने तथा जीवन में बेहतर भलाई व अर्थवत्ता के साथ उनमें संतुलन लाने की जरूरत है। यह समय क्रोध या घृणा के साथ काम करने का नहीं, बल्कि स्थिति को प्रेम व करूणा से देखने का है। करियर स्तर पर, ज्यादा ध्यान इस बात पर दें कि आपके इर्दगिर्द लोग क्या कर रहे हैं। कार्यस्थल पर राजनीति से सतर्क रहें। कार्यस्थल पर कुछ नकारात्मक शक्तियां आपको कमजोर करने के लिए सक्रिय हैं।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** बुधवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

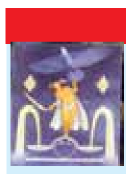

आप जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए रात दिन कड़ी मेहनत कर रहे हैं। अपनी गति को धीमा करें और अपनी सेहत की ओर ध्यान दें, जो इस समय सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। आपके अनंत प्रयास आपको जीवन में मनचाहा प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर, आपकी क्षमता इस समय पूर्णतया उजागर है और आप आगे बढ़ सकते हैं। फिटनेस योजना शुरू करने या उसे बढ़ाने का यह उत्तम समय है। कार्यस्थल पर , आप अपनी जिम्मेदारियों व कामों में निर्भीक व साहसी हैं। आपकी रचनात्मक ऊर्जा उत्तम है और आपमें जीवन को दिशा देने की अच्छी समझ है।

शुभ अंक: 25 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** रविवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

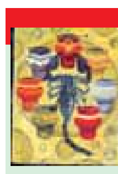

इस सप्ताह आप पहले से ज्यादा मजबूत हैं और अपने जीवन हर बाधा का सामना करने के लिए तैयार हैं। अगर गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना भी करते हैं तो सकारात्मक नजरिया अद्भुत कारगर हो सकता है। पेशेवर मोर्चे पर, अच्छी खबरें मिलने के आसार हैं। लोगों से आपका संपर्क बढ़ेगा। आप चीजों को नए व असाधारण ढंग से समायोजित करने के विशेषज्ञ हैं जो काम को अधिक सहज बनाता है। अगर आप नौकरी ढूंढ़ रहे हैं तो आप उचित जगह हासिल करने वाले हैं। आप अपनी सोच से ज्यादा काम के मामले में बहुत संतुलित व व्यवस्थित हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सरसों **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

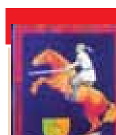

आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है, क्योंकि आप बिमार पड़ सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों के स्वास्थ्य को भी आपके ध्यान की जरूरत है, उन्हें अनदेखा न करें। आगे बढ़ने के लिए आपको पुरानी गलतियों व चोटों से पार पाने की जरूरत है। सत्य को देखने के लिए अपने प्रियजनों की सहायता करें। खुद को अभिव्यक्त करना सीखें, अपनी भावनाओं व आवश्यकताओं का दमन न करें। करियर मामले मं यह एक अच्छा सप्ताह है। व्यापारियों को आर्थिक स्थिरता दिखेगी और वित्तीय सौदों में लाभ की प्राप्ति होगी।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** सोमवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। वैकल्पिक रोगपरामर्श पर विचार करें। कोई भी अंतिम फैसला करने से पहले अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ की सलाह अवश्य ले लें। आध्यात्मिक उपचार के लिए तैयार रहें। जो लोग गंभीर बिमारी से जूझ रहे हैं, वे जानते हैं कि उपचार हमेशा रोगनिदान से जुड़ा नहीं होता है। आपको कोई थेरेपी या सर्जरी करानी पड़ सकती है। करियर मोर्चे पर, व्यापारियों को उल्लेखनीय स्थिरता प्राप्त होगी। अपना सिर बुलंद रखें और जानें कि आपके पास काफी कुछ है जो आप सामने लेकर आ रहे हैं। भरोसेमंद बनने की जरूरत है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** मंगलवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

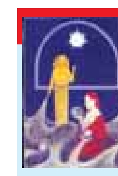

आप इस सप्ताह मानसिक रूप से मजबूत हैं। आपकी खुली सोच और स्पष्टवादिता आपको आगे बढ़ने में सहायता करेगी यदि आप अपने नजरिए में उदारता व सहृदयता को शामिल कर लेते हैं। सौम्यता के साथ अपना प्राधिकार दिखाना भी जरूरी है। पेशेवर मोर्चे पर, आप जिस संस्था के लिए काम कर रहे हैं उसे ज्यादा समय व ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। कोई शक्तिशाली व्यक्ति आपकी सहायता करने वाला है। कुल मिलाकर, आपका करियर उन्नति पर है। पेशेवर मोर्चे पर, आप थोड़ा अनासक्त हो सकते हैं। आपका अंतर्मन जो कहता है उसकी ओर ध्यान दें।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** शनिवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

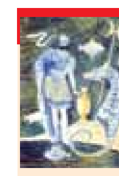

इस सप्ताह आप अनुशासित होने की ओर ध्यानरत है और अपने तन, मन, व आत्मा की आवश्यकताओं को जानते हैं। अपने मूल्यों के मामले में आपकी सोच बहुत स्पष्ट है। इस समय के दौरान आपकी एकाग्रता प्रशंसनीय है। आपकी रचनात्मकता आपको निरंतर आगे बढ़ाएगी। आपकी रचनात्मक कार्यों में अपनी सकारात्मक ऊर्जा को लगाना चाहिए क्योंकि संतुष्टि की आंतरिक भावना आपको ज्यादा आत्मविश्वास प्रदान करेगी। करियर मोर्चे पर, दूसरे लोग शायद आपके नए विचारों या प्रस्तावों को न समझें, लेकिन आपको लगता है आप सही हैं तो आगे बढ़ें।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

परीकथाएं कहीं ज्यादा सच हैं, इसलिए नहीं कि वे हमें बताती हैं कि ड्रेगन होते थे, बल्कि इसलिए कि वे हमें बताती है कि उन्हें पराजित किया जा सकता है
- नील गाइमेन

समय की परीक्षा

एक सर्वे बताता है कि किस तरह कोविड-19 महामारी ने कामकाजी महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला है, खासतौर पर मांओं के, जो वर्क-एट-होम दिनचर्याओं और घरेलू कामों के बीच जूझ रही हैं

कोविड-19 महामारी भारत में कामकाजी महिलाओं के भावनात्मक स्वास्थ्य पर भारी नकारात्मक असर डाल रही है क्योंकि नए सर्वे के मुताबिक, दो महिलाओं में से लगभग एक महिला ज्यादा तनाव या बैचेनी अनुभव कर रही है।

माइक्रोसाफ्टवेयर नीत लिंक्डइन द्वारा किए गए, 'वर्कफोर्स कांफीडेंस इंडेक्स' सर्वे में जो कि देश में 2254 उत्तरदाताओं की प्रतिक्रियाओं पर आधारित था, चिंताजनक स्तर पर, पांच कामकाजी मांओं में दो से अधिक मांएं अपने कामकाजी घंटों से परे काम कर रही हैं ताकि बच्चों की देखभाल कर सकें, जो कि पुरूषों की तुलना में लगभग दुगुना है। कामकाजी पुरूषों के लिए यह संख्या 38 फीसदी रही, जो इस परीक्षा के दौर में महिलाओं पर गैरअनुपातिक प्रभाव का इशारा करती है।

तीन कामकाजी मांओं में से लगभग एक (31 प्रतिशत) वर्तमान में पूर्णकालिक बच्चों की देखभाल कर रही है, जब कि तुलनात्मक स्तर पर कामकाजी पिताओं में से लगभग एक (17 प्रतिशत) यह सेवा प्रदान कर रहे हैं।

आनलाइन पोर्टल जॉब्स फार हर की सीईओ, नेहा बगारिया ने कहा, ''एक कारक है आफिस और घरेलू काम का संतुलन करना, जबकि ज्यादातर घरेलू काम औरतों के कंधों पर होते हैं। अध्ययन बताता है कि महामारी के दौरान पुरूषों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन महिलाएं अभी भी अधिकांश समय बच्चों की देखभाल में बिताती हैं।''

आंकड़ों के मुताबिक, कामकाजी मांओं के बच्चों की देखभाल से भटकने के खामियाजे भुगतने की ज्यादा संभावनाएं होती हैं जबकि पुरूष को दोस्तों व परिवार से सहयोग मांग लेते हैं। केवल पांच में से एक कामकाजी मां अपने बच्चों की देखभाल कार्य के लिए पारिवारिक सदस्य या

मित्र पर भरोसा करती है जबकि पुरूषों के संदर्भ में यह तुलनात्मक आंकड़ा 32 फीसदी का है।

जानकारियों ने दिखाया कि 46 फीसदी से ज्यादा कामकाजी मांएं देर तक काम करती हैं और 42 फीसदी घर पर अपने बच्चों के साथ काम पर एकाग्रचित्त नहीं हो पाती हैं।

सर्वे के मुताबिक, लगभग चार में से एक फ्रीलांसर अपनी कमाई आमदनी (25फीसदी) तथा व्यक्तिगत बचत (27 फीसदी) में वृद्धि का पूर्वानुमान करते हैं, जबकि तीन में से लगभग एक (31फीसदी) अगले छह महीनों में उसके निवेशों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

इसके बावजूद, बेचैनी और तनाव घटाने के लिए व्यायाम को दिखाया गया है, लेकिन अब प्लॉस वन पत्रिका में प्रकाशित एक अन्य प्रमुख अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने बताया है कि यह शायद कोविड-19 के कारक स्तरों के लिए पर्याप्त नहीं है। जिन लोगों ने कोविड-17 की शुरूआत के बाद अपनी शारीरिक गतिविधि बढ़ने के बारे में बताया है, कि घर पर रहने से अन्य की तुलना में उनके अंदर तनाव और बेचैनी का स्तर अधिक था।

वाशिंगटन स्टेट युनिवर्सिटी के प्रमुख लेखक ग्लेन डंकन ने कहा, ''निश्चित रूप से, जो लोग व्यायाम नहीं करते हैं, वे जानते हैं कि तनाव और बेचैनी का संबंध मानसिक स्वास्थ्य नतीजों से होता है, फिर भी जिन लोगों ने व्यायाम में वृद्धि की उन्होंने भी तनाव और बेचैनी बढ़ने के बारे में बताया।''

अध्ययन के लिए, शोध टीम ने वाशिंगटन स्टेट ट्विन रजिस्ट्री से 900 से अधिक समलैंगिक बिरादरी तथा सामान्य दंपत्तियों से मिली जानकारी का विश्लेषण किया। सर्वे के उत्तरदाताओं में से, 42 फीसदी ने कोविड संकट की शुरूआत के बाद शारीरिक गतिविधि स्तर के घटने की जानकारी दी और 17 फीसदी ने कहा कि उन्होंने अपनी शारीरिक गतिविधि बढ़ाई थी। अन्य 31 फीसदी में कोई भी बदलाव न करने की सूचना दी थी।

भागीदारों से तुलनात्मक तौर पर संकट से एक महीने पहले और उसके बाद की उनकी शारीरिक गतिविधि में बदलावों के बारे में पूछा गया था। जिन लोगों ने बताया कि घर पर रहना शुरू करने के बाद दो सप्ताह के भीतर उनकी शारीरिक सक्रियता में कमी आई थी, उन्हें उच्च स्तरीय तनाव और बेचैनी पाई गयी थी, जो कि अपेक्षित था।

लेकिन आश्चर्यजनक रूप में, अनेक उत्तरदाता जिन्होंने शारीरिक सक्रियता बढ़ाई थी, उन्हें भी यही महसूस हुआ था। शोधकर्ताओं ने पाया कि शारीरिक गतिविधि घटने और तनाव के बीच संबंध अनुवांशिक तथा परिस्थितिगत कारकों से चौंकाने वाला था। शोधकर्ताओं ने शारीरिक गतिविधि घटने और बेचैनी के बीच कुछ संबंध पाया - कम शारीरिक गतिविधि वाले जुडवां बच्चों, भाई-बहन में कोई बदलाव न करने वाले भाई-बहन की तुलना में उच्च स्तरीय बेचैनी थी।

इसके अलावा, बेचैनी स्तर बुजुर्गों व कामकाजी महिलाओं में अधिक रहा। डंकन ने कहा, '' यह अनिवार्य नहीं है कि व्यायाम व्यक्तिगत स्तर पर तनाव से निपटने में सहायता नहीं करता। यह तभी जब दोनों के बीच अनुवांशिक व परिस्थितिगत संबंध होता है ''

ध्यान से सुने जाने की कला

प्रमथ राज सिन्हा का कहना है कि हालांकि अपने विचारों को स्वर देना महत्वपूर्ण है मगर यह भी उतना ही जरूरी है कि दूसरों को सुना जाए। इससे आपको वक्ता के रूप में अधिक सम्मान पाने में सहायता मिलती है जो निश्चित रूप से सुने जाने की आपकी संभावनाएं बढ़ा देता है

कितनी बार आपने खुद को ऐसी स्थिति में पाया है जहां हर कोई आपके विचारों से सहमत नहीं होता है? ऐसा बोर्डरूम, वरिष्ठ सहकर्मियों के साथ सम्मेलन, मुवक्किल से मुलाकात, या किसी सामाजिक कार्यक्रम या टीम प्रस्तुति में हो सकता है। आपने बहस से बचने के लिए किसी आपत्तिजनक स्थिति में फंस जाने की आशंका के तहत चुप रहना बेहतर समझा होगा। दोनों प्रतिक्रियाएं समान रूप से अनुचित हैं। पहली प्रतिक्रिया आपको समर्पणवादी दिखाती है और दूसरी प्रतिक्रिया आपको आक्रामक दिखाती है। आपको बहसबाज समझा जा सकता है और आपके संदेश या नजरिया निष्फल हो सकता है।

खुद को सुने जाने लायक बनाना या अपने नजरिए को स्वीकार्य बनाना संतोषजनक व सशक्तकारी है। ज्यादा महत्वपूर्ण रूप में, यह आपको सुर्खियां, प्रभाव व प्रतिष्ठा प्रदान करता है, और इन सबकी आपको काम में सफलता के लिए जरूरत होती है।

बगैर बहसबाज या अड़ियल दिखते हुए आप अपना मूल नजरिया कैसे प्रस्तुत करते हैं? असरकारी ढंग से बोलना आपको उस झूलते दरवाजे से पार ले जाने की कला है जब कोई दूसरा को विपरीत दिशा से धकेल रहा है। आप पुन: सुने जाने के जरिए मगर किसी शुरूआत की प्रतीक्षा में ऐसा करते हैं। इसमें कौशल व रणनीति की जरूरत होती है। आपको अपने तरीका पाने के लिए मौका मिलने की जरूरत है।

बैठकें, आनलाइन या आफलाइन दोनों, साझा उपक्रम करने तथा अपनी बातत को प्रस्तुत करने का शानदार तरीका है लेकिन कभी कभी आपकी आवाज आवाजों के शोर में गुम हो सकती है। या आप उग्र दिख सकते हैं यदि आप अपने अधिकारी से असहमत होते हैं। इसलिए तैयारी अत्यावश्यक है।

अपने दर्शक को समझने के लिए रहें तैयार: आपको खुद से पूछने की जरूरत है कि आपको इस मीटिंग में क्यों बुलाया गया है और आप किस प्रकार बड़े लक्ष्य में योगदान कर सकते हैं। जिज्ञासु श्रोता बनें और अन्य लोगों की अवधारणाएं समझने का प्रयास करें। इससे आपको संभावित समस्याओं व गंठजोड़ों को पहचानने में सहायता मिलेगी जिनकी आप तैयारी कर सकते हैं।

सम्मान व प्रोत्साहन दें: एक सक्रिय श्रोता के रूप में, जो कुछ आपने सुना, उसका सार-संकलन करें। उदाहरण के लिए, आप कह सकते हैं, '' पिछले दस मिनट में हमने सीखा है.... '' या '' मुझे सुधार दें, अगर मैं कहीं गलत हूं ... '' दूसरों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें यह कहकर उनकी राय मांगें, '' मुझे बताएं कि आप क्या सोचते हैं। '' यह हमेशा सहायता करता है जब आप दूसरों को, खासकर चुप रहने वाले सहकर्मियों को, प्रोत्साहित करते हैं कि वे बोलें और व्यापक समूह के लिए अपनी जानकारियां प्रस्तुत करें।

शिक्षित करें, दोष या आरोप न लगाएं: जब आपके बोलने की बारी आती है तो खारिज करने वाले या बिना दावेदारी का भाव लिए अपने विचार व्यक्त करें। आपको बतौर मददगार काम करना चाहिए जो सोद्देश्यपूर्ण होता है मगर दावेदारीपूर्ण नहीं। दूसरों की आवाजों को दबाए बिना, बातों को आत्मविश्वास के साथ कहना ज्यादा असरकारी होता है। अपने शब्दों का सावधानीपूर्वक चुनाव करें, वे दोस्ताना व शांत भाव वाले हों। उचित भाव, स्वर व ध्वनि दूरगामी तौर पर असर डालेगी कि आपकी आवाज को सुना जाए, खासतौर पर, आज की दुनिया में जब अधिकांश बैठकें और बहसें आनलाइन हो गयी हैं। शारीरिक भाषा कैमरे के पीछे छिपी होने से, आपका स्वर और भाव सभी से आपको असरकारी बोलना पड़ता है। और आपको उन्हें उचित ढंग से बोलना चाहिए।

सलाह व आलोचना के लिए तैयार रहें: अपनी आलोचना को इस तरह व्यक्त करें कि वे सलाह व विमर्श आमंत्रित करती हो। आलोचना या नकारात्मक राय के लिए तैयार रहें। याद रखें कि यह एक विमर्श, एक साझीदारी है और यह टीम प्लेयर बनने के लिए महत्वपूर्ण है।

संकोची या दुविधाग्रस्त न हों। आश्वस्त होकर बात कहें: कभी हवाई बातें न करें। हमेशा तार्किकता, डाटा और उदाहरणों की मदद से अपने तर्कों को मजबूती दें। संक्षिप्त, सीमित व सटीक हों जब आप प्रस्तुति दे रहे हों। लोगों की एकाग्रता अल्पकालिक होती है, इसलिए विषय से भटके नहीं और बड़बोलेपन का इस्तेमाल करने से बचें। डिजीटल दुनिया में यह और भी महत्वपूर्ण है जहां आपके समक्ष अनेक भटकाव होते हैं।

उदार, सौम्य व धैर्यवान हों: टीम के बड़े लक्ष्यों के प्रति समर्पित टीम प्लेयर के रूप में खुद को इंगित करने के लिए 'हम ' ' हमारे ' जैसे सर्वनामों का उपयोग करें। जब कोई दूसरा बोल रहा हो तो बीच में न बोलें। बोलने के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा करें। नोट्स बनाएं यदि आपको कुछ महत्वपूर्ण जोड़ना और बोलना है जब दूसरे व्यक्ति ने अपनी बात पूरी कह डाली हो। आनलाइन बैठकों में, हमेशा अपना माइक्रोफोन बंद रखें या म्यूट कर दें जब आप नहीं बोल रहे हों। हालांकि अपने विचारों को स्वर देना महत्वपूर्ण होता है, मगर समान रूप से जरूरी है कि दूसरों को सुना जाए। यही उनके विचारों को समझने और आत्मसात करने में सहायता करता है और आपको एक समझदार नेता माना जाता है। आपके बतौर वक्ता अधिक सम्मान हासिल करने की संभावना है जो आपको सुने जाने की संभावनाएं बढ़ाती है।

- (लेखक हड़प्पा एजूकेशन के चेयरमैन और संस्थापक हैं।)

पेज 1 का शेष

मन के मसले

यह कामचलाऊ दौर हो सकता है जो ऐसा दौर हो सकता है जिससे व्यक्ति गुजर रहा है। लेकिन यदि दौर बार-बार सामने आता है तो यह खतरे की घंटी है।''

श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट में क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक, पल्लवी जोशी बताती हैं कि लोग आज ज्यादा जागरूक हैं और मानसिक बिमारियों के बारे में चर्चा करने के लिए मुखर हुए हैं। वो स्पष्ट करते हुए बताती हैं, '' लेकिन साइकोमेट्रिक टेस्टों और फिर रोग पहचान कराने की जरूरत है। चिकित्सीय स्तर पर पहचाने गया अवसाद एक गंभीर समस्या है। मौजूदा पीढ़ी, यदि खास सुविधाओं के मामले में नकारी जाती है, तो उसे महसूस होता है कि वे अवसादग्रस्त हैं, यह सच नहीं है। आज कुछ कारणों की वजह से वर्तमान पीढ़ी के लिए चीजों से लड़कर उबरने का तंत्र कमजोर है। शारीरिक व्यायाम की कमी एक कारण है। यह दिमाग में कुछ बदलाव करती है। दूसरा, पुरानी पीढ़ी को कुछ खास चीजें करने के लिए कहा जाता है मसलन किचन में मां की सहायता करना या मेहमान को पानी पिलाना। बच्चों के पास करने के लिए घरेलू काम होते थे। वे उपयोगी महसूस करते थे और उनके पास निभाने के लिए भूमिका होती थी। आज, उनके पास यह स्थिति नहीं है और वे दबाव से निपटने में अक्षम होते हैं। दूसरों के जीवन में योगदान देने के अपने लाभ होते हैं, इससे मनमौजीपन, बोरियत महसूस करने तथा अवसाद का शिकार होने पर रोक लगती है।''

कौंसिलर, मनोचिकित्सक एवं क्लीनिकल हिप्नोथेरेपिस्ट, नताशा शर्मा का मानना है कि युवा पीढ़ी ने संवाद की कला खो दी है क्योंकि वे सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में रहते आई है और वास्तविकता बहुत भिन्न होती है।

बकौल नताशा, '' इसीलिए, तालाबंदी इतनी तबाहीपूर्ण हुई है। इंसान सामाजिक पशु होता है। हम समुदाय में रहने के लिए बने होते हैं। हम सिमट जाते हैं जब कोई संपर्क नहीं रहता है। अलगाव जेलों में सबसे तकलीफदेह सजा होती है, उसमें एकांत छोड़ दिया जाता है। यह मनोवैज्ञानिक स्तर पर सबसे बदतर काम है जो व्यक्ति, किसी इंसान के साथ कर सकता है। फिर सोशल मीडिया के कारण जुड़े होने का एक भ्रम होता है। हम अब अपने फोन नहीं उठाते हैं। एक समय था जब व्यक्ति को घर में एक फोन पर बात करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। आज हर व्यक्ति के पास अपना फोन होने के बावजूद, हम संदेश भेजते हैं। आमने सामने कोई बातचीत नहीं होती है। संवाद के रूप में कोई संपर्क नहीं रहता है, संवाद के मौखिक व अमौखिक तरीके होते हैं जब आप एक ही कमरे या रिश्ते में होते हैं। जो हम देख रहे हैं, वो तकनीक का नकारात्मक या काला पहलू है। ''

आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के संदर्भ में शोध बताता है कि नब्बे फीसदी व्यक्तियों को, जो आत्महत्या करते हैं, मानसिक समस्या का पता नहीं होता है। कहने का तात्पर्य यह नहीं है कि चूंकि आपको मानसिक समस्या है तो आप आत्महत्या करेंगे। सहज आत्महत्या का भाव भी होता है जो किसी नियमों की पालन नहीं करता है। लेकिन आत्महत्या में अनेक चरण शामिल होते हैं इसीलिए हस्तक्षेप की जरूरत होती है जिसके अनेक चरण होते हैं। एक भी चरण को अनदेखा करना जीवन हानि का परिणाम हो सकता है। मूलत:, कोई एक कारण नहीं है लेकिन अनेक भागीदारीपूर्ण कारक होते हैं जो एक खास समय या चरण में एकत्रित हो जाते हैं।

पुडुचेरी निवासी क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक पुलकित शर्मा कहते हैं कि आज और बीते कल में जो बदलाव हुआ है वो बाह्यस्तर पर हुआ है। पुराने जमाने में एक अच्छी सहयोग प्रणाली थी।शर्मा बताते हैं, ''लोग आपस में गहरे जुड़े होते थे। अगर कुछ बुरा घटित हो जाता था तो समाज उस व्यक्ति के साथ आ खड़ा होता था। प्रत्यक्ष संवाद सहायता करता था और रिश्ते गहरे और अर्थपूर्ण थे और आज की तरह खयाली नहीं थे। पुराने जमाने में, जीवन कम जटिल था। आज, कार्य संस्कृति ऐसी है कि मन को कभी राहत नहीं मिलती है। हम काफी कुछ कर रहे हैं और हमारे पास अपने आपके लिए समय नहीं है। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने समस्या को बढ़ाया है। व्यक्ति के पास आनलान 500 मित्र हैं, लेकिन उनमें से कोई भी ऐसा नहीं जिसके साथ वे सचमुच भावनात्मक रूप से जुड़ पाएं। ''

माना कि लोग आज आर्थिक रूप में अच्छा कर रहे हों, मगर इसमें संतुष्टि की कमी की भावना भी मौजूद है। '' पैसे से परे, जीवन आज शून्य है। लोग मशीनों की तरह काम कर रहे हैं, खासतौर पर वे लोग जो कार्पोरेट सेक्टर में कार्यरत हैं। पुराने जमाने के स्रोत, जिन पर व्यक्ति का आत्मोत्साह आधारित होता था, ज्यादा गहरे और ज्यादा मूल्यवान, नैतिक, व कार्य प्रदर्शन से संबंधित थे। आज यह मिथ्याभास है, यह सब भौतिक चीजों से संबंधित है- यह इस बात पर है कि आप कितना ज्यादा कमाते हैं, आप कैसे दिखते हैं और आपके पास क्या है। यह मिथ्यापूर्ण जीवन आपको तेजी से धोखा दे सकता है और आपको अवसाद की ओर ले जा सकता है। 'मैंने अपना आकर्षण खो दिया है ' और 'मुझे वो पसंद नहीं है जिसका मैं आदी हूं' जैसे जुमले आम हो गए हैं और लगातार उभरते हैं।''

चूंकि कोई ऐसी सरकारी सहायता उपलब्ध नहीं है जो मानसिक रोगों के शिकार व्यक्ति तक पहुंच सके। नताशा बताती हैं कि यह आसपास के लोग व समाज है जिसको कदम उठाने व मदद का हाथ बढ़ाने की जरूरत है।

नताशा कहती हैं, '' ऐसी चर्चाएं हैं कि सरकारी स्तर पर कुछ घटित होता लग सकता है। बतौर राष्ट्र, हम हम बहुत कम तैयार हैं। हमारे पास आत्महत्या रोकथाम के लिए राज्य स्तरीय नीति का केन्द्र नहीं है। हमारे पास आत्महत्या रोकथाम के लिए कोई देशव्यापी हेल्पलाइन नहीं है, जो कुछ भी हो रहा है वह कुछ खास लोगों के कारण है। पर केपिटा पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर नहीं हैं। आबादी को देखते हुए पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक या अस्पताल नहीं हैं। इसलिए, सरकार को कदम उठाने चाहिए। हालांकि कुछ अग्रगामी कदम उठाए गए हैं मगर काफी कुछ और करने की आवश्यकता है।''

जमीन पर चौकीदार हैं हमारी आंखें, कान और हाथ

वह बताती हैं कि किसी भी पहल की शुरूआत से पहले यह जरूरी है कि लक्षित श्रोता की पहचान को परिभाषित किया जाए।

शर्मा कहती हैं, '' हमारे लिए यह मनोरंजन इंडस्ट्री है, सिर्फ बालीवुड नहीं। अमरीका में यह संस्थान है, संस्थापक-सीईओ, डा पॉल क्विनेट का क्यूपीआर संस्थान। उनके पास बीस सालों के शोध आधारित कार्यक्रम हैं और उनमें से एक है चौकीदार प्रशिक्षण कार्यक्रम। बैंगलुरू में एक एनजीओ है - सोसाइड प्रीवेंशन इंडिया फाऊंडेशन। हमने क्यूपीआर इंस्टीट्यूअ द्वारा अनुशंसित उस संस्थान के साथ साझीदारी की है और हम चौकीदार प्रशिक्षण कराते हैं जो लोगों को सिखाता है कि किसके लक्षणों की पहचान करें और उसे लेकर क्या करें। यह एक जागरूकता प्रशिक्षण है जहां लोगों को खास लक्षणों को देखना सिखाया जाता है जिनसे कि यह व्यक्ति गुजर रहा है या आत्महत्या की योजना बना रहा है या उसकी कोशिश कर रहा है और समझते हैं कि वह किस स्थिति से गुजर रहा है। बतौर चौकीदार आप जान जाएंगे और जीवन को बचा लेंगे। इसमें बीस साल लग सकते हैं लेकिन चौकीदार जान जाएगा। हम यही कर सकते हैं कि हम जमीन पर यथासंभव अधिक से अधिक अपनी आंखें, कान और हाथ बनने वाले चौकीदारों को प्रशिक्षित करें। यदि हम पर्याप्त चौकीदारों को प्रशिक्षित कर पाएं तो हम अगले कुशल पंजाबी को आत्महत्या करने से रोक सकते हैं। ''

मेरे दिल में फैशन का एक विशेष स्थान है। हमने बहुत सोचा था कि हम फैशन उद्योग में खुद को कैसे प्रस्तुत करते हैं क्योंकि यह वह तरीका है जिससे हम दुनिया भर के लोगों के साथ जुड़ते हैं और प्रेरित करते हैं।

- सुष्मिता सेन

लॉकडाउन ने कराया जीवन की सार्थकता का अनुभव

फिल्म निर्माता इदा अली का दृष्टिकोण गहन और तथ्यपरक है। उन्हें कहानियां और लोग प्रेरित करते हैं। संभवतः यही कारण था कि उन्होंने अपनी पदार्पण फिल्म 'बेचारी चिड़िया, में मुख्य कलाकार के रूप में अपनी घरेलू सेविका को लिया। इस फिल्म को लॉकडाउन के दौरान ही शूट और निर्देशित किया गया था। पायनियर संवाददाता चहक मित्तल से एक विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि किस प्रकार किसी कहानी को बहुत ही कम संसाधनों के साथ कैसे अभिव्यक्त किया जा सकता है। प्रस्तुत है बातचीत के अंश-

हम अपने जीवन में सदैव अच्छे उदाहरणों की बात ही क्यों करते हैं? संभवतः इसलिये कि वे हमारे आसपास ही होते हैं। हम बस उनके बारे में किसी परिस्थिति के चलते ही जान पाते हैं। वास्तव में वे हमारे जीवन की वास्तविकता होते हैं।

फिल्म निर्माता इदा अली ने अपनी पदार्पण फिल्म 'बेचारी चिड़िया, में भी अपने आसपास बिखरे इन्हीं उदाहरणों में से एक को ही चुना है, बल्कि ये उसके ही घर में है। जब उनकी घरेलू सेविका, जिसे वो दीदी कहकर बुलाती थी, लॉकडाउन के दौरान अपने घर नहीं जा पाई तो इदा को सूझा कि क्यों न इस विषय पर कि ' हजारों लोगों के विपरीत, वो एक मकान में है चाहे वो उसका घर न भी हो। फिल्म की कहानी एक घरेली सेविका के जीवन पर आधारित है जो राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बाद अपने मालिक के घर में फंस जाती है। वो अकेली है और अपने घर नहीं जा पाती, लेकिन उसे एक अनजान साथी मिल ही जाता है।

ये फिल्म लघु फिल्मों की एक श्रंखला 'लाइफ समर ऑफ 2020' का एक भाग है और इसे 'लॉकडाउन के दौरान 'लॉकडाउन शॉर्ट्स स्टूडियो' द्वारा शूट किया गया है। इसे डिज्नी हॉटस्टार पर शीघ्र ही रिलीज़ किया जा सकता है।' प्रस्तुत हैं इस साक्षात्कार की प्रमुख झलकियां –

❑ आपने इस फिल्म की परिकल्पना कैसे की? लॉकडाउन के चलते आपको इसे पूरा करने मे कितना समय लगा?

जब मुझे 'लाइफ समर ऑफ 2020' के बारे में पता चला और मुझे एक कहानी पर सोचने के लिए कहा गया तो मैंने तुरंत अपने आसपास के वातावरण के बारे में सोचना प्रारंभ किया कि मेरे आसपास के लोग कौन हैं? और उनपर लॉकडाउन का क्या प्रभाव पड़ा है?

मेरे जीवन में मेरी घरेलू सहायिका जिसे मैं दीदी कहती हूं, सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। मैं उनके साथ सालों से रहती आ रही हूं लेकिन फिर भी मेरा घर उसका घर नहीं था क्योंकि उसका घर–परिवार ओड़िशा के एक गांव में था। लेकिन लॉकडाउन के कारण इस बार वो साल में एक बार अपने घर जाने और अपने बच्चों तथा पोता–पोतियों को देखने–मिलने का कार्यक्रम पूरा नहीं कर सकी। लेकिन उसे लेकर मेरा विचार केवल उसकी कहानी पर नहीं बल्कि उस जैसे हर कामगार की कहानी पर, जो काम की खोज में नगरों में गया और फिर लॉकडाउन के कारण फंस कर रह गया और गृहनगर स्थित अपने घर नहीं जा सका, आधारित था।

सौभाग्य से मेरी दीदी एक अद्भुत अभिनेत्री निकलीं। मैंने उन्हें अपनी फिल्म में एकल चरित्र के रूप में प्रस्तुत किया। मैंने इस फिल्म को अपने आईफोन पर शूट किया और इस प्रकार प्रोडक्शन स्टेज जल्दी ही पूरी हो गई। लेकिन फिल्म बनने के बाद की प्रक्रियाएं जटिल होती हैं क्योंकि फिल्म में कई लोगों का सहयोग होता है लेकिन मुझे इस काम के लिए कई प्रतिभाशाली लोग मिल गए।

लोगों से बात करना, फिल्म के बारे में बताना और इसके फुटेज को भेजना और निरंतर संपर्क में रहना आदि प्रक्रियाएं होती हैं लेकिन हमारा काम चल गया।

❑ लॉकडाउन के दौरान फिल्म को निर्देशित करने में आपको किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

मैंने इससे पहले किसी फिल्म का निर्देशन नहीं किया था और लॉकडाउन के दौरान तो ऐसा करने के बारे में सोचा तक नहीं था। मैं प्रोडक्शन का सारा काम पूरा किया जिसमें साउंड, कैमरा, परिधान, सेट और निर्देशन शामिल थे। लेकिन अकेले ये करना एक चुनौती तो था लेकिन इससे मेरा साहस और बढ़ गया। इससे मुझे रूपांतरित फिल्म बनाने का रास्ता भी दिखाया जिसे आप कहीं और कैसे भी बना सकते हैं।

❑ आपने इसे 'बेचारी चिड़िया' शीर्षक क्यों दिया? क्या इससे आप ये बताना चाहती थीं कि 'समर ऑफ 2020' केवल उनके लिए था जो हमेशा इधर उधर भटकने वाले घुमंतू होते हैं?

मैं अपने अपार्टमेंट की 34वीं लोर पर थी और मैंने देखा कि लॉकडाउन के बाद मुंबई में चिड़ियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। वे पूरे नगर में दिखाई दे रही थीं। खाली सड़कों पर घूमती मिल जाती थीं और मेरी बालकनी पर सूर्योदय का आनंद भी लेती थीं। अपनी कल्पना में मैंने सोचा कि इस लॉकडाउन के दौरान कोई ऐसा भी अकेला रहता मिल सकता है जिसके साथ केवल चिड़ियां ही हों। विचार ये था कि लॉकडाउन के दौरान स्त्री और चिड़िया एक दूसरे का प्रतिबिंब ही बन गई थीं। ये कोई पिंजड़ा नहीं था बल्कि प्रकृति की ही एक स्वीकारोक्ति थी।

❑ लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूर संकट में घरों की सेविकाएं और दैनिक मजदूर ही रोजगार खोने के कारण सर्वाधिक प्रभावित हुए थे। लेकिन आपकी फिल्म में तो सेविका मालिक के ही घर में रह गई थी। ये तो लॉकडाउन के दौरान के संकट में एक नया दृष्टिकोण था। क्या कहना चाहेंगी?

प्रवासी मजदूरों के संकट ने भारत में कामगारों की दुखद स्थिति को सामने लाने में बहुत मदद की और इसकी आवश्यकता भी थी। लेकिन मेरा दृष्टिकोण तो मेरी जानकारी पर ही आधारित था। ये दुखद है कि घरेलू सेविकाओं की स्थिति पर कम ही फिल्में बनी हैं। ऐसा लगता है जैसे उनकी उपेक्षा की गई है। मैं अपनी दीदी की अनदेखी नहीं कर सकती थी। मैं उस पहचान की समस्या से जूझना चाहती थी चाहे कोई किसी सुरक्षित स्थान पर ही क्यों न हो– वो मेरे मकान में थी अपने घर में नहीं।

❑ क्या आपको लगता है कि लॉकडाउन ने कई नए उपक्रमों को जन्म दिया है?

मेरा मानना है कि मेरे जैसे महत्वाकांक्षी फिल्म निर्माताओं को लॉकडाउन ने ये सिखाया है कि विपरीत परिस्थितियों में फिल्म को कैसे बनाया जा सकता है। जब आपके पास टीम छोटी हो, इंटरनेट पर, और जिसके लिए योजनाबद्ध ढंग से काम करना होता है। ये तभी होता है जब लोगों पर नए और वैकल्पिक पद्धतियों का सहारा लेने का दबाव पड़ता है। मेरा मानना है कि लोग तभी वास्तव में स्वतंत्र होते हैं जब वे अपनी सहजता की सीमा से बाहर निकलते हैं और तभी वास्तविक रचनाशीलता के दर्शन होते हैं। मेरे लिए तो ऐसा ही था।

❑ क्या आप मानती हैं कि कोविड–19 के बाद के समय में भारतीय सिनेमा को अब अधिक वास्तविकतापरक फिल्में बनाने का दबाव रहने वाला है?

कोविड–19 के बाद दुनिया पूरी तरह से बदली नजर आएगी। आज ही इसमें बहुत परिवर्तन दिखाई देने लगा है। मास्क और सामाजिक दूरी शीघ्र हमारे बीच से नहीं जाने वाली। अब लोग महत्वपूर्ण और महत्वहीन बातों के बीच का अंतर समझ गए हैं। फिर चाहे वो मित्रता, नौकरी, या फिर अवकाशकालीन गतिविधियां। सिनेमा भी समाज का ही दर्पण होता है तो ऐसे में सिनेमा में भी परिवर्तन अवश्यंभावी है।

प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी सिनेमा में कम वास्तविक चीजों को दिखाना कम कर दिया गया था। इसमें युद्ध की झलक दिखाई जाती थी। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद फ्रांस में भी ऐसा ही हुआ था। हर कठिन समय कला को कुछ नया सिखा कर जाता है और 2020 में भी ऐसा ही होगा।

❑ इदा अली का चरित्र किस प्रकार का है? आपकी लिखने और किसी चरित्र को गढ़ने की रणनीति कैसी रहती है?

मैं लोगों में ही रुचि रखती हूं फिर वो कोई भी हो सकते हैं–मेरी मां, मेरी मित्र के दादा जी या फिर सड़क से जाता हुआ कोई पथिक। मैं लोगों के बारे में सदा कुछ नया जानना चाहती हूं।

ये एक प्रक्रिया होती है। पहले मैं किसी व्यक्ति के संबंध में कहानी की भूमिका बनाती हूं। इसके बाद भविष्य की योजना। इसके बाद ही मैं सोचती हूं कि वे क्या सोचते हैं। मेरे चरित्र समग्रता में विश्वास करते हैं। वे एक जैसे नहीं होंगे। मैं हर प्रकार के लोगों के बारे में जानने की इच्छा रखती हूं।

भारतीय सिनेमा में इम्तियाज अली को महत्वाकांक्षी फिल्मकार माना जाता है। उनकी पुत्री होने के कारण क्या आप पर कभी उनसे तुलना का दबाव आया है?

मुझसे ये प्रश्न प्रायः पूछा ही जाता है और इसी समय मुझे ये असहज लगता है। इसके अलावा मेरा उद्देश्य कहानियां बनाना और प्रस्तुत करना है। मैं वो कर रही हूं और लोग इसकी सराहना करते हैं। अभी मैं इस बोझ से मुक्त रहना चाहती हूं और यदि मेरी फिल्म से किसी को एक मुस्कान भी मिलती है तो मुझे प्रसन्नता होगी।

फिल्मकार होने की प्रेरणा आपको किससे मिली? क्या अपने माता–पिता से? आपके पालन पोषण ने इसमें कितना योगदान दिया है?

मेरे माता–पिता तो लंबे समय से फिल्में बना रहे हैं। ये कहना सही नहीं होगा कि उनके साथ रहने का प्रभाव मुझपर नहीं पड़ा। लेकिन कहानियों से ही मुझे फिल्म बनाने की प्रेरणा मिली है। मुझे वे रोचक लगती हैं। मैं कहानियां घंटों सुनती रही हूं। यहां तक कि जब मैं सोने जाती थी तो भी आंखें बंद नहीं होती थीं क्योंकि मैं और कहानियां सुनना चाहती थी।

अब मैं अपनी कहानियां कहती हूं, बनाती हूं और फिल्मों के माध्यम से उन्हें अपनी कल्पना के अनुसार जीवंत करती हूं। मैं यही करने के लिए फिल्मकार बनना चाहती हूं।

हमारे इर्द-गिर्द की कहानियों पर आधारित है फिल्म मट्टो की साइकिल : एम गनी

नई दिल्ली। अपनी पहली फिल्म मट्टो की साइकिल को लेकर उत्साहित फिल्मकार एम गनी का कहना है कि इसकी कहानी रोजमर्रा के ऐसे लोगों पर आधारित है, जिनके संघर्षों को आमतौर पर समाज द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है।

इस फिल्म में फिल्मकार एवं अभिनेता प्रकाश झा ने मट्टो का किरदार निभाया है जोकि एक दिहाड़ी मजदूर है और मट्टो का परिवार उसके आने–जाने के लिए एक साइकिल खरीदना चाहता है। बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की विंडो ऑन एशियन सिनेमा श्रेणी में इस फिल्म को शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मथुरा से आने वाले गनी ने कहा कि फिल्म के नायक और लॉकडाउन के दौरान बड़े शहरों को छोड़कर वापस अपने घर पैदल ही जाने को मजबूर हुए श्रमिकों के बीच अजब सी समानता है। 45 वर्षीय फिल्मकार ने पीटीआई–भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, महामारी के दौरान जो लोग नंगे पैर ही अपने घरों को लौटने को मजबूर हुए, वे सभी हमारे आसपास हैं। जब हम घर बनाते हैं तो वे काम करते हैं, हम रोजमर्रा की जरूरतों का जो सामान उपयोग करते हैं, वे ही इन्हें बनाते हैं लेकिन हमने कभी ऐसे लोगों पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा, इनका जीवन कितना संघर्षपूर्ण है, इस बात का अहसास हमें उस वक्त हुआ, जब हमने टीवी स्क्रीन पर बड़ी संख्या में लोगों को नंगे पांव अपने घरों को लौटते देखा।

फीचर फिल्म निर्माण में प्रवेश करने से पहले गनी कई छोटी फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री पर काम कर चुके हैं। फिल्म निर्देशक ने कहा कि मट्टो जैसे लोग हमारे इर्द–गिर्द हैं लेकिन इनकी कहानियों को समाज द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है।

गनी ने जब इस फिल्म के निर्माण का विचार किया तो उन्हें लगा कि अब शायद लोग साइकिल का इस्तेमाल नहीं करते लेकिन जब उन्होंने अध्ययन किया तो खुद को गलत पाया। गनी ने कहा, दुकानदारों ने मुझे बताया कि आज भी मोटरसाइकिल और स्कूटर के मुकाबले साइकिलों की बिक्री अधिक होती है। थोड़ा बदलाव आया है लेकिन इनकी बिक्री में कोई कमी नहीं आई है। यहां बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो आज भी साइकिल पर ही निर्भर हैं। साइकिल उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है लेकिन हमने इस सच्चाई को नजरअंदाज कर दिया है। इसलिए ऐसी कहानियां हमारे आसपास हैं। इस फिल्म में सभी किरदार वास्तविक जीवन के लोगों पर ही आधारित हैं।

नटखट और हबड्डी के प्रसारण के साथ आईएफएफएम 2020 की शुरुआत हुई

मेलबर्न। फिल्म नटखट और हबड्डी के ऑनलाइन प्रसारण के साथ शनिवार को मेलबर्न भारतीय फिल्म महोत्सव(आईआईएफएम) की शुरुआत की गई। महामारी के कारण ऑनलाइन आयोजित हुए इस महोत्सव में इस वर्ष आठ दिनों में 17 भाषाओं की 60 फिल्में दिखाई जाएंगी। पहले दिन दिखाई गई विद्या बालन अभिनीत फिल्म नटखट और खेल पर आधारित फिल्म हबड्डी लैंगिक समानता का संदेश देती हैं।

आईएफएफएम के निर्देशक मीतू भौमिक लांगे ने शुक्रवार को ऑनलाइन उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, स्वतंत्र लघु फिल्मकारों से लेकर बड़े निर्देशकों तक अधिकतर भारतीय फिल्मकार स्वतंत्रता और समानता के समसामायिक मुद्दों पर पर गंभीरता से काम करते हैं और उनके काम में विविधता में एकता की झलक हमें परिभाषित करती है। उन्होंने कहा, फिल्म लोगों को एक साथ लाने का दमदार तरीका है, चाहे वे खचाखच भरे सिनेमा घर में बैठे हों या 2020 में अपने घरों में हों।

पहले से रिकॉर्ड किए हुए अपने संदेश में बालन ने भी लोगों से महोत्सव में दिखाई जा रही फिल्में देखने की अपील की। फिल्म समारोह में बॉलीवुड अभिनेचा इरफान खान, ऋषि कपूर और सुशांत सिंह राजपूत को भी सम्मानित किया जाएगा, जिनका इस साल निधन हो गया। आईएफएफएम का 11वां संस्करण 30 अक्टूबर तक चलेगा।

ब्रिटेन के लीसेस्टर में लॉकडाउन के बीच ऑनलाइन ही होगा दिवाली उत्सव

लंदन। कोविड–19 लॉकडाउन के प्रतिबंधों के बीच ब्रिटेन के लीसेस्टर में बेहद धूमधाम से मनाया जाने वाला दिवाली उत्सव इस बार ऑनलाइन ही आयोजित होगा। भारत के बाहर लीसेस्टर का दिवाली उत्सव सबसे जबरदस्त माना जाता है।

लीसेस्टर सिटी काउंसिल ने कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर लागू सख्त उपायों के बीच बेलग्रेव रोड पर मनाए जाने वाले पारंपरिक मनोरंजन एवं पटाखे जलाने के उत्सव के लिए भीड़ एकत्र करने की अनुमति नहीं रहेगी। हालांकि, लीसेस्टर के निवासियों और अन्य लोगों को शहर के पहले ऑनलाइन दिवाली डे उत्सव के लिए आंमत्रित किया जा रहा है ताकि वे घरों में सुरक्षित रहकर उत्सव मना सकें। लीसेस्टर सिटी के भारतीय मूल के उप महापौर प्यारा सिंह क्लैर ने कहा, इस साल दिवाली और क्रिसमस जैसे महत्वपूर्ण त्योहार मनाने के लिए हम सभी को अलग तरीके तलाशने की आवश्यकता है। यद्यपि, हम अपने दूर–दराज के रिश्तेदारों से आमने–सामने मुलाकात नहीं कर सकते लेकिन हमारा ऑनलाइन दिवाली उत्सव लोगों को एक–साथ लाने में सहायक साबित होगा।

14 नवंबर को आयोजित होने वाले ऑनलाइन दिवाली उत्सव के तहत लोग अपना वीडियो संदेश रिकॉर्ड करके भेज सकते हैं, जिसे एक घंटे तक चलने वाले मनोरंजन कार्यक्रम में दिखाया जा सकता है जिसका प्रसारण लीसेस्टर की वेबसाइट पर किया जाएगा।

बांके बिहारी मंदिर खुलवाने के लिए अब मथुरा के विधायक एवं ऊर्जामंत्री ने लिखी मुख्यमंत्री को चिट्ठी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के बांकेबिहारी मंदिर को भक्तों के दर्शनार्थ खुलवाने के लिए विधायक एवं राज्य के ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा ने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा के पत्र की मीडिया को जारी की गई प्रति के अनुसार शर्मा ने मुख्यमंत्री को लॉकडाउन के बाद मंदिर खुलने और दो दिन बाद ही बंद कर दिए जाने का हवाला देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के कोविड–19 प्रोटोकॉल के तहत ही राज्य के मंदिरों को खुलवाया है। उन्होंने लिखा है कि इसी बीच वृन्दावन का बांकेबिहारी मंदिर भी खुला परंतु, दो दिन बाद ही अव्यवस्थाओं के चलते इसे अप्रत्याशित रूप से बंद करा दिया गया। उन्होंने मंदिर खुलवाने का अनुरोध मुख्यमंत्री से किया। गौरतलब है कि करीब आठ माह बाद शनिवार को खोले गए मंदिर को 19 अक्टूबर को पुनः बंद करा दिया गया था।